

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

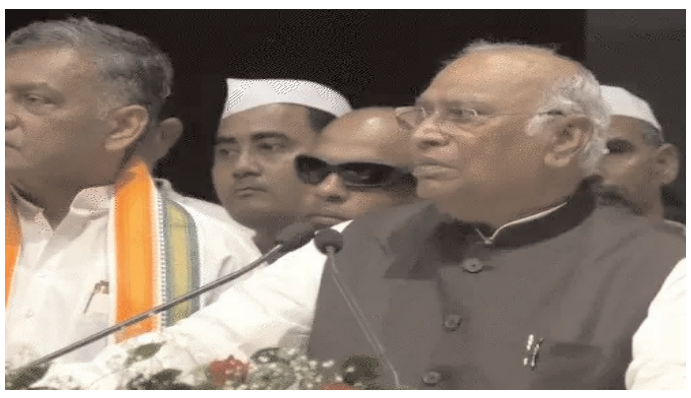
महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 60 । पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 26 अक्टूबर 2026(सोमवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

पटना में कांग्रेस कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ता ने कहा- मोदी नहीं जाएंगे

खड़गे के बयान पर सियासी घमासान, बोले- 'मोदी क्या उसका बाप भी जाएगा'; भाजपा ने मांगी माफी

अमित शाह और सम्राट चौधरी ने कांग्रेस अध्यक्ष पर साधा निशाना



महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

पटना। बिहार की राजधानी पटना में रविवार को कांग्रेस के कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दिए गए एक बयान पर हंगामा हो गया। बापू सभागार में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे केंद्र सरकार और उसकी नीतियों पर बोल रहे थे। इसी दौरान एक कार्यकर्ता ने खड़े होकर कहा कि मोदी सरकार तब तक नहीं हटेगी, जब तक देश में विद्रोह नहीं होगा। इस पर खड़गे ने गुस्से में कहा, 'मोदी क्या उसका बाप भी जाएगा।' उन्होंने यह बात तीन बार दोहराई। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने टिप्पणी करने वाले कार्यकर्ता की पिटाई कर दी। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसे बचाकर बाहर निकाला। जिस कार्यकर्ता की पिटाई हुई, उसकी पहचान संतोष के रूप में हुई है। उसने मीडिया से कहा कि खड़गे उसकी बात समझ नहीं पाए। उसका कहना था कि उसने यह कहा था कि शांत बैठने से मोदी सरकार नहीं जाएगी और इसके लिए विपक्षी नेताओं को आंदोलन का रास्ता अपनाना होगा। संतोष के मुताबिक, राहुल गांधी सहित विपक्ष के बड़े नेताओं को यह बात समझनी होगी कि सरकार को हटाने के लिए व्यापक विरोध जरूरी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खड़गे के बयान की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री के पिता के बारे में अभद्र टिप्पणी कर राजनीतिक मर्यादा का उल्लंघन किया है। शाह ने कहा कि यह पहली बार नहीं है, जब कांग्रेस नेताओं ने प्रधानमंत्री या उनके परिवार को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री की मां को लेकर की गई टिप्पणियों, 'मौत का सौदागर' और 'चायवाला' जैसे संबोधनों का उल्लेख करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। शाह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस लगातार अभद्रता की सीमाएं पार कर रही है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी खड़गे के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष से माफी मांगने की मांग की। भाजपा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर खड़गे के बयान का वीडियो साझा करते हुए कांग्रेस पर हमला बोला। पार्टी ने लिखा कि जिस भाषा को कभी गुंडे-मवालियों से जोड़ा जाता था, आज कांग्रेस अध्यक्ष उसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस राजनीतिक दल की बजाय माफिया गैंग जैसी कार्यशैली अपना रही है। कार्यक्रम में खड़गे ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजनीतिक विचारधारा पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार समाजवादी विचारधारा के साथ आगे बढ़े थे, लेकिन अब भाजपा और आरएसएस के साथ खड़े हैं। खड़गे ने आरोप लगाया कि राजनीतिक कमजोरी आने पर व्यक्ति का अपनी विचारधारा से विश्वास उठने लगता है। उन्होंने कहा कि तमाम विरोधों के बावजूद वह और राहुल गांधी जनता के मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। खड़गे ने आरएसएस की विचारधारा की आलोचना करते हुए कहा कि देश में शांति स्थापित करने के लिए ऐसी विचारधारा का प्रभाव समाप्त होना चाहिए। उन्होंने संगठन में छुआछूत को लेकर भी आरोप लगाए। खड़गे ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने आधुनिक बिहार में लोकतंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि वर्ष 1937 में बिहार में श्रीकृष्ण सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस की पहली सरकार बनी थी और आजादी के बाद भी उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। उनके कार्यकाल में जमींदारी प्रथा समाप्त करने, भूमि सुधार और चकबंदी से जुड़े कदम उठाए गए। बिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को लेकर टिप्पणी पर पहले भी राजनीतिक विवाद हो चुका है। 27 अगस्त 2025 को दरभंगा में राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री की मां को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने के बाद भाजपा ने विरोध प्रदर्शन किया था। इसके विरोध में बिहार बंद और प्रदर्शन हुए थे। पटना में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट तथा कई वाहनों में तोड़फोड़ की घटनाएं भी सामने आई थीं।

यूसुफ पठान को 20.53 करोड़ का प्लॉट देने की मंजूरी, 15 करोड़ की जमीन मुफ्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो



वडोदरा। गुजरात सरकार ने सांसद यूसुफ पठान को वडोदरा के तंदलजा क्षेत्र में 978 वर्ग मीटर का प्लॉट देने की मंजूरी दे दी है। इस भूखंड की कुल कीमत 20.53 करोड़ रुपये है। प्रस्ताव के अनुसार, 500 वर्ग मीटर जमीन मुफ्त दी जाएगी, जिसकी कीमत करीब 15 करोड़ रुपये बताई गई है। शेष 478 वर्ग मीटर जमीन के लिए पठान को निर्धारित कीमत का 55 प्रतिशत यानी करीब 5.52 करोड़ रुपये चुकाने होंगे। सोमवार को वडोदरा नगर निगम के आयुक्त ने इस संबंध में कमेटी के सामने प्रस्ताव रखा था। इसके बाद हुई नगर निगम की स्थायी समिति की बैठक में प्लॉट आवंटित करने का फैसला लिया गया। निर्णय सामने आने के बाद कांग्रेस पार्षदों ने नगर निगम में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने 'वोट चोर भाजपा', 'साजिश चोर भाजपा' और 'एक वोट की कीमत 15 करोड़ रुपये' जैसे नारों वाले पोस्टर लहराकर सरकार के फैसले पर सवाल उठाए। यह मामला वडोदरा के तंदलजा क्षेत्र स्थित टीपी-22 के 978 वर्ग मीटर के भूखंड से जुड़ा है। यूसुफ पठान ने वर्ष 2012 में इस जमीन के आवंटन की मांग की थी, लेकिन वर्ष 2014 में गुजरात सरकार ने प्रस्ताव खारिज कर दिया था और उन्हें कब्जा हटाने के लिए कहा था। इसके बाद विवाद जारी रहा और वर्ष 2024 में मामला अदालत पहुंचा, जहां पूर्व क्रिकेटर को राहत नहीं मिली। अगस्त 2026 में गुजरात हाईकोर्ट से अपील वापस ले ली गई थी। कांग्रेस नगर अध्यक्ष ऋत्विज जोशी ने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं ने यूसुफ पठान को सरकारी जमीन देने में विशेष रियायत दी है। उन्होंने सवाल किया कि आम नागरिकों से सरकारी भूखंडों पर गतिविधियां करने के लिए किराया वसूला जाता है, लेकिन इस मामले में इतनी महंगी जमीन मुफ्त में क्यों दी जा रही है। जोशी ने दावा किया कि पठान के पास 14 साल से इस जमीन पर कब्जा था। उनके अनुसार, इस अवधि का हिसाब लगाया जाए तो पठान से 8 करोड़ रुपये से अधिक की राशि वसूली जानी चाहिए थी। उन्होंने यह भी कहा कि जब पठान तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में थे, तब उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था। अब जमीन देने के फैसले पर उन्होंने सरकार से सवाल किया।

महंगी दवाएं बेचने पर कंपनियों पर 10,029 करोड़ का जुर्माना, मरीजों को राहत का इंतजार

हानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दवाओं की निर्धारित कीमत से ज्यादा वसूली करने वाली कंपनियों पर केंद्र सरकार ने 10,029.8 करोड़ का जुर्माना लगाया है, लेकिन इसमें से अब तक केवल 1,582.4 करोड़ की ही वसूली हो सकी है। शेष 8,447.4 करोड़ की रकम अभी वसूल की जानी है। यह स्थिति दवाओं की कीमतों पर निगरानी और मरीजों को महंगी दवाओं से राहत दिलाने की व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। दरअसल, राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) दवाओं की कीमतों पर नजर रखने वाली सरकारी संस्था है। यह प्राधिकरण निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर दवाएं बेचने वाली कंपनियों से अतिरिक्त वसूली की रकम मांगता है। कंपनियों पर लगाया गया जुर्माना और उसकी वसूली की प्रक्रिया अलग-अलग चरणों में चल रही है।



दिल्ली में 1 नवंबर की विपक्षी रैली पर संशय, व्यापारियों की अपील के बाद कांग्रेस जल्द लेगी फैसला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पटना। दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को प्रस्तावित विपक्षी गठबंधन की रैली को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को पटना में कहा कि रैली पर जल्द फैसला लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कुछ व्यापारियों ने उन्हें ज्ञापन सौंपा है। अंतिम निर्णय लेने से पहले वह सोमवार को अपनी पार्टी और गठबंधन के अन्य सहयोगियों के साथ चर्चा करेंगे। दरअसल, चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने एक दिन पहले लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से रैली स्थगित करने की अपील की थी। संगठन ने आशंका जताई कि दिवाली के त्योहारी सीजन में रैली के कारण व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं और कारोबार को करीब 10 हजार करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसी अपील के बाद रैली की तारीख को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

ओडिशा में आरबीआई के दूसरे डेटा सेंटर का उद्घाटन, आपदा में भी निर्बाध रहेंगी बैंकिंग सेवाएं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खुर्दा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ओडिशा के खुर्दा जिले में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दूसरे डेटा सेंटर का उद्घाटन किया। भुवनेश्वर के पास इन्फो वैली-II में 18.55 एकड़ क्षेत्र में विकसित यह परिसर नवी मुंबई स्थित आरबीआई के मुख्य डेटा सेंटर के लिए आपदा के समय बैकअप केंद्र के रूप में काम करेगा। इस डेटा सेंटर की स्थापना का उद्देश्य प्राकृतिक आपदा, किसी बड़े हादसे या हमले के कारण मुख्य डेटा सेंटर प्रभावित होने की स्थिति में भी देश की बैंकिंग और डिजिटल भुगतान सेवाओं को चालू बनाए रखना है। ऐसी परिस्थिति में नवी मुंबई के डेटा सेंटर की सेवाएं बाधित होने पर ओडिशा स्थित केंद्र से बैकअप व्यवस्था जारी रखी जा सकेगी। इससे देश की बैंकिंग प्रणाली और डिजिटल भुगतान नेटवर्क की निरंतरता बनाए रखने में मदद मिलेगी। यूपीआई, रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (आरटीजीएस) और नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (एनईएफटी) जैसी महत्वपूर्ण भुगतान सेवाओं में रुकावट की आशंका कम होगी। बैंकिंग और भुगतान व्यवस्था में डेटा सेंटर की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। इन केंद्रों में वित्तीय लेनदेन से जुड़ा महत्वपूर्ण डेटा और तकनीकी प्रणालियां संचालित होती हैं। ऐसे में मुख्य केंद्र के प्रभावित होने पर वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध होना जरूरी है। ओडिशा में स्थापित नया डेटा सेंटर इसी जरूरत को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है।



अंकिता भंडारी हत्याकांड से जुड़े वायरल ऑडियो के बाद चर्चा में आईं उर्मिला सनावर गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हरिद्वार। अंकिता भंडारी हत्याकांड में कथित वीआईपी के नाम वाले वायरल ऑडियो को लेकर चर्चा में आईं उर्मिला सनावर को हरिद्वार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने 25 अक्टूबर को सहारनपुर के गोविंद नगर स्थित उनके घर से उन्हें हिरासत में लेकर कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक, पूर्व विधायक सुरेश राठौर की बेटी की शिकायत पर दर्ज मामले में उर्मिला पर ब्लैकमेलिंग, पांच करोड़ रुपये मांगने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप हैं। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल मोबाइल फोन भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, उर्मिला की गिरफ्तारी शिकायत मिलने के करीब 12 घंटे के भीतर की गई। उन्हें दर्ज मुकदमे के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है और अदालत में पेश करने की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस जब उन्हें कोर्ट ले जा रही थी, तब उर्मिला ने कहा, 'क्रांतिकारी ऐसे ही जाते हैं।' पुलिस के मुताबिक, 24 अक्टूबर की रात रानीपुर कोतवाली में टिहरी विस्थापित कॉलोनी निवासी एक महिला ने शिकायत दी थी। शिकायतकर्ता पूर्व विधायक सुरेश राठौर की बेटी हैं।



पत्नी को मायके से लाने की बात पर पिता से हुआ विवाद

पंजाब के गिद्दड़बाहा में वारदात, 75 वर्षीय पिता की हत्या के बाद आरोपी फरार; घर में मौजूद थीं बुजुर्ग पत्नी और तीन पोतियां

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गिद्दड़बाहा। पंजाब के मुक्तसर जिले के गिद्दड़बाहा शहर में शनिवार देर शाम पारिवारिक विवाद के चलते एक बेटे ने अपने 75 वर्षीय पिता की कृपाण से हमला कर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि आरोपी अपनी पत्नी के मायके चले जाने से परेशान था। पत्नी को वापस लाने की बात पर उसका पिता से विवाद हो गया, जिसके बाद उसने कथित तौर पर इस वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मृतक की पत्नी के बयान पर आरोपी बेटे के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। मृतक की पहचान बख्शीश सिंह (75), पुत्र साधु सिंह, निवासी राम सिंह वाली गली, गिद्दड़बाहा के रूप में हुई है। आरोपी की पहचान उनके बेटे गुरचरण सिंह (30) के रूप में की गई है। वारदात के समय घर में बख्शीश सिंह की बुजुर्ग पत्नी जसपाल कौर और उनकी तीन पोतियां मौजूद थीं। जसपाल कौर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका बेटा गुरचरण सिंह बठिंडा के 100 फीट रोड स्थित एचपी कंपनी के पेट्रोल पंप पर काम करता है। कुछ दिन पहले गुरचरण का अपनी पत्नी के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि इस दौरान उसने पत्नी के साथ मारपीट भी की थी। शकायत के अनुसार, 7 अक्टूबर को बहू अपनी तीन बेटियों को घर पर छोड़कर मायके फरीदकोट चली गई थी। उसके जाने के बाद से गुरचरण परेशान रहने लगा था। पिता बख्शीश सिंह बेटे की परेशानी देखकर उसे बार-बार समझाते थे कि वह अपनी पत्नी को मायके से वापस ले आए, लेकिन गुरचरण इसके लिए तैयार नहीं था सपाल कौर के अनुसार, शनिवार रात पत्नी को वापस लाने की बात को लेकर पिता और बेटे के बीच एक बार फिर विवाद हो गया। देखते ही देखते बहस बढ़ गई।



प्रयागराज में महिला असिस्टेंट प्रोफेसर से अभद्रता का आरोप, जूता उतारकर मारने की कोशिश का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रयागराज। नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय में एक महिला असिस्टेंट प्रोफेसर के साथ कथित अभद्रता, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। आरोप विश्वविद्यालय के कार्यकारी कुलसचिव एसएस मिश्रा और लीगल एडवाइजर सर्वेश मिश्रा पर लगे हैं। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. वंदना मिश्रा का आरोप है कि 11 सितंबर 2026 को उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया और उन्हें नौकरी से निकलवाने के साथ करियर खत्म करने की धमकी दी गई। मामले में घटना के 44 दिन बाद एफआईआर दर्ज की गई है। यह मामला सरायइनायत थाना क्षेत्र का है। डॉ. वंदना मिश्रा ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि घटना के दौरान कार्यकारी कुलसचिव एसएस मिश्रा ने उनके साथ अभद्रता की और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि वह कुलसचिव हैं और उनके खिलाफ ऐसी लिखित कार्रवाई करेंगे, जिससे उनका करियर खत्म हो जाएगा।



शिकायत के अनुसार, इसी दौरान विश्वविद्यालय के लीगल एडवाइजर सर्वेश मिश्रा भी उनके साथ गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि उन्होंने जूता उतार लिया और चिल्लाते हुए डॉ. वंदना के काफी करीब आ गए। इस घटनाक्रम से वह डर गईं और रोने लगीं। डॉ. वंदना के मुताबिक, स्थिति बिगड़ती देख प्रति कुलपति कार्यालय के बाहर मौजूद चार-पांच कर्मचारी मौके पर पहुंचे।

पठानकोट में अवैध खनन सामग्री से भरे 6 वाहन पकड़े, 6 चालक गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

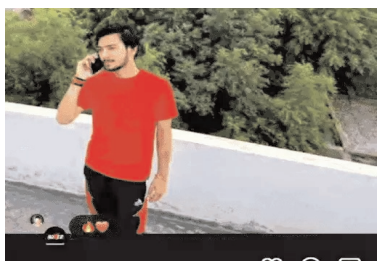
पठानकोट। पंजाब के पठानकोट में पुलिस ने हिमाचल प्रदेश से बिना बिल और वैध दस्तावेजों के खनन सामग्री ला रहे पांच टिप्परों सहित छह वाहन पकड़े हैं। पुलिस ने छह चालकों को गिरफ्तार कर दो क्रशर संचालकों समेत आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। खनन विभाग ने वाहन मालिकों पर 7.5 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। पुलिस के अनुसार, गांव अत्तेपुर के लोगों ने अवैध खनन सामग्री ले जा रहे वाहनों की सूचना दी थी। जांच के दौरान चालक जरूरी दस्तावेज और बिल नहीं दिखा सके। आरोप है कि वाहनों की पहचान छिपाने के लिए फर्जी नंबर प्लेट लगाई गई थीं। गिरफ्तार चालकों की पहचान असलम खान, बागू हुसैन, राहुल, तिलक राज, योगेश कुमार और अवद खान के रूप में हुई है।

टाइगर श्रॉफ पर हमले के मामले में हथियार पहुंचाने का आरोपी गिरफ्तार

हरियाणा के सोनीपत का 22 वर्षीय प्रांजल ठाकरान इंदौर से पकड़ा गया, पानीपत में मनी एक्सचेंज कार्यालय पर फायरिंग के मामले में भी नाम आया था सामने

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

इंदौर। अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हमले के मामले में शूटरों तक हथियार और जिंदा कारतूस पहुंचाने के आरोपी हरियाणा के सोनीपत जिले के हरसाना गांव निवासी प्रांजल ठाकरान (22) को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसे शनिवार शाम इंदौर के मालवा मील चौराहे के पास स्थित अंकुर स्टेप डाउन सेंटर से पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, प्रांजल पिछले पांच दिनों से इंदौर में ठहरा हुआ था और रोज अपने भाई से मिलने इस सेंटर पर जा रहा था। प्रांजल की गिरफ्तारी से करीब 15 घंटे पहले ही उसने इंस्टाग्राम पर बदमाशी से जुड़ी एक स्टोरी पोस्ट की थी। इसमें वह लाल टी-शर्ट पहने फोन पर बात करता दिखाई दे रहा है। वीडियो के बैकग्राउंड में ऐसा गाना बज रहा था, जिसमें कई मामलों में नाम चलने और सीमापार गतिविधियों का जिक्र है। उसके सोशल मीडिया अकाउंट पर हथियारों और कथित आपराधिक गतिविधियों से जुड़े कई वीडियो भी मौजूद हैं। प्रांजल के सोशल मीडिया अकाउंट पर पिस्टल और बंदूक के साथ बनाए गए वीडियो, कारतूस की माला पहने हुए क्लिप और मारपीट के वीडियो साझा किए गए हैं। इसके अलावा, दोस्तों के साथ शराब पार्टी, जेल के बाहर का वीडियो और पानीपत जेल से जुड़ी क्लिप भी उसके अकाउंट पर दिखाई देती हैं आरोपी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर खुद को हिंदू कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग का अध्यक्ष भी बताता है। उसे घूमने का शौक होने का दावा किया गया है। उसके अकाउंट पर अलग-अलग जगहों पर घूमने के दौरान बनाए गए वीडियो और कारों के साथ रिकॉर्ड की गई क्लिप भी पोस्ट की गई हैं। जानकारी के अनुसार, प्रांजल का भाई हितेश अंकुर स्टेप डाउन सेंटर में उपचार करा रहा है। बताया गया है कि हितेश को पैरालिसिस है और पिछले करीब पांच महीने से उसकी फिजियोथेरेपी सहित अन्य उपचार चल रहे हैं। इससे पहले उसका इलाज दिल्ली में भी कराया जा रहा था। उसकी हालत ऐसी बताई गई है कि वह ठीक से चल भी नहीं पा रहा है। पुलिस ने प्रांजल को शनिवार शाम करीब चार बजे इसी सेंटर से गिरफ्तार किया। वह पिछले पांच दिनों से इंदौर में रह रहा था और रोज अपने भाई से मिलने पहुंचता था। प्रांजल का नाम मार्च 2026 में हरियाणा के पानीपत में एक मनी एक्सचेंज कार्यालय पर हुई फायरिंग के मामले में भी सामने आया था। उस मामले की जांच के दौरान आरोप लगे थे कि उसने सोशल मीडिया के जरिए विदेश में बैठे कथित गैंगस्टरों से संपर्क करने और कॉल का प्रबंधन करने में भूमिका निभाई थी। आरोपों के मुताबिक, विदेश में बैठे लोगों ने पैसे का लालच देकर कार्यालय पर फायरिंग करवाने के लिए कहा था।



बाइक-स्कूटी की टक्कर के बाद खूनी संघर्ष, 6 लोगों पर केस दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पठानकोट। ओल्ड शाहपुर रोड पर खत्री सभा के सामने बुधवार रात बाइक और स्कूटी की मामूली टक्कर के बाद दो पक्षों में मारपीट हो गई। पुलिस ने एक पक्ष के छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया गया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। सीसीटीवी फुटेज में कुछ लोग राजकुमार राजू और उनके बेटे विनय मेहरा के साथ मारपीट करते नजर आ रहे हैं। आरोप है कि हमलावरों ने विनय पर ईंट-पत्थरों और डंडों से वार किए। राजू के अनुसार, बेटे के सिर और जबड़े की हड्डी टूट गई है और वह आईसीयू में भर्ती है। राजू ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने पुरानी रंजिश के चलते हमला किया। वहीं, दूसरे पक्ष के अश्वनी उर्फ जौली का दावा है कि राजू पहले भी उसके बेटे करण के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दे चुका है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों की पहचान ललित उर्फ लव, करण, दिवांशू, अश्वनी उर्फ जौली, संजीव उर्फ सिप्पी और साजन उर्फ पांडा के रूप में हुई है। सभी मोहल्ला काजीपुर के निवासी हैं। एसपी जगदीश अत्री ने बताया कि मामले की जांच जारी है।



महमदाबाद पुलिस की बड़ी रेडः मोदज-विक्रमपुरा बॉर्डर से 4.46 लाख की विदेशी शराब के साथ दो लोग पकड़े गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। जिले के महमदाबाद पुलिस स्टेशन ने अवैध शराब बेचने वालों और ड्रग डीलरों के खिलाफ रेड मारी है। एक टिप-ऑफ के आधार पर, महमदाबाद पुलिस की एक टीम ने मोदज और विक्रमपुरा इलाके में रेड मारी है और बड़ी मात्रा में विदेशी शराब जब्त की है। इस रेड के दौरान, पुलिस ने दो लोगों को लाखों रुपये के सामान के साथ रंगे हाथों पकड़ा है और सख्त कानूनी कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार, महमदाबाद पुलिस स्टेशन के स्टाफ को खास जानकारी मिली थी कि मोदज और विक्रमपुरा गांव के बॉर्डर इलाके में गैर-कानूनी मात्रा में विदेशी शराब उतारकर रखी गई है। इस टिप-ऑफ के आधार पर, पुलिस टीम ने तुरंत एक तय जगह पर निगरानी रखी और रेड की। इस अचानक और गहन पुलिस जांच के दौरान, मौके से अलग-अलग ब्रांड की विदेशी शराब की बोतलें और कीमती सामान मिला। पुलिस ने मौके से कुल 4,46,000 (4.46 लाख) कीमत की विदेशी शराब जब्त की है। इस छापेमारी के दौरान, पुलिस ने इस शराब के धंधे में शामिल दो मुख्य आरोपियों को पकड़ने में कामयाबी हासिल की है। गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस गहन पूछताछ कर रही है कि यह विदेशी शराब कहां से लाई गई थी और किसे सप्लाई की जानी थी। इसके अलावा, इस नेटवर्क के पीछे और कौन से बड़े बूटलेगर शामिल हैं, यह पता लगाने के लिए भी गहराई से जांच की गई है। गुजरात में सख्त शराबबंदी लागू होने के बीच, महमदाबाद पुलिस की इस सराहनीय और त्वरित कार्रवाई से पूरे सूबे के बूटलेगरों में भारी हलचल मच गई है।



रात के अंधेरे में जहरीली रासायनिक गैस छोड़ कर जनस्वास्थ्य से समझौता, चार गांवों के गुस्साए ग्रामीणों ने थाने का किया घेराव



महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। जिले के लिंबासी इलाके में स्थित कुख्यात 'कॉनकॉर्ड बायोटेक' कंपनी द्वारा बरती जा रही गंभीर पर्यावरणीय लापरवाही और मनमानी अब हद पार कर चुकी है। कंपनी ने रात के अंधेरे का फायदा उठाकर हवा में जहरीली और दमघोंटू रासायनिक गैस छोड़ी, जिससे आसपास के ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। दम घुटने की इस घटना से आहत चार गांवों के सैकड़ों ग्रामीण आज देर रात थाने पहुंचे और कंपनी के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी. विवरण के अनुसार, कॉनकॉर्ड बायोटेक कंपनी ने अपने संयंत्र में उत्पादन और रासायनिक प्रसंस्करण से कचरे के निपटान के लिए नियम बनाए हैं। कंपनी संचालक अक्सर रात के समय हवा में जहरीली रासायनिक गैसें छोड़ते हैं, जब पूरा क्षेत्र गहरी नींद में होता है, जिससे पर्यावरण संबंधी कानून नष्ट हो जाते हैं। इस जहरीली गैस के कारण आसपास के रिहायशी इलाकों में इतनी भयानक दुर्गंध होती है कि लोगों का घर में सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है। छोटे बच्चों, बुजुर्गों और दमा के रोगियों को घुटन का अनुभव हो सकता है और आंखों में जलन और उल्टी जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। कंपनी की इस क्रूरता और लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ से ग्रामीणों में जबरदस्त चिंता व्याप्त है. कंपनी की इस प्रताड़ना से तंग आकर लिंबासी और उसके आसपास के चार गांवों के जागरूक नागरिक और नेता आज बड़ी संख्या में एकत्र हुए. लोकतंत्र की आड़ में विरोध करते हुए ये ग्रामीण सीधे थाने पहुंचे और पुलिस अधिकारियों को शिकायती पत्र भेजा. ग्रामीणों का आरोप है कि स्थानीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जीपीसीबी) की कथित मिलीभगत और आंखें मूंद लेने की नीति से इन उद्योगों का मनोबल बढ़ा हुआ है। सार्वजनिक जीवन को खतरा होने के बावजूद सिस्टम द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती है। याचिका दायर करने के बाद ग्रामीणों ने खुली चेतावनी दी है कि अगर आने वाले दिनों में कॉनकॉर्ड बायोटेक कंपनी ने जहरीली रासायनिक गैस और प्रदूषण छोड़ना बंद नहीं किया तो ग्रामीण उग्र रूप धारण कर लेंगे लोगों ने धमकी दी है.

वडाज फ्लाईओवर पर तेल फैलने से मची अफरा-तफरी, फिसलकर तीन मोटरसाइकिल सवार घायल

महानगर मेट्रो ब्यूर

अहमदाबाद। शहर के वडाज इलाके में नए फ्लाईओवर पर तेल फैलने से हादसा हो गया। तेल से भरे एक टैंकर से अचानक सड़क पर बड़ी मात्रा में तेल गिरने के कारण पुल की सतह बेहद फिसलन भरी हो गई। इस दौरान वहां से गुजर रहे तीन मोटरसाइकिल सवार संतुलन खोकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे में तीनों घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, वडाज के नए फ्लाईओवर से तेल से भरा एक टैंकर गुजर रहा था। इसी दौरान टैंकर से तेल सड़क पर गिरने लगा। पुल पर तेल फैलने से वाहन चालकों के लिए गाड़ियों को नियंत्रित करना मुश्किल हो गया। इसी बीच पीछे से आ रहे तीन मोटरसाइकिल सवार एक के बाद एक फिसलकर सड़क पर गिर गए। हादसे में तीनों को चोटें आईं और उन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता की जरूरत पड़ी। घटना की जानकारी मिलते ही 108 एम्बुलेंस सेवा और अहमदाबाद दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। एम्बुलेंस कर्मियों ने घायलों को घटनास्थल पर प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद उन्हें आगे के इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। उधर, सड़क पर फैले तेल के कारण अन्य वाहन चालकों के भी फिसलने और दुर्घटना का शिकार होने का खतरा बना हुआ था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग ने तत्काल सड़क को सुरक्षित करने की कार्रवाई शुरू की। दमकल कर्मियों ने पानी की तेज बौछारों से सड़क पर फैले तेल को हटाने का प्रयास किया। इसके बाद सड़क पर मिट्टी और रेत डाली गई, ताकि फिसलन कम हो और वाहन चालकों को सुरक्षित आवागमन में मदद मिल सके। लाईओवर पर तेल फैलने से कुछ समय के लिए वाहन चालकों के सामने दुर्घटना का खतरा पैदा हो गया था। दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई से सड़क को सुरक्षित करने के प्रयास किए गए, जिससे आगे होने वाली दुर्घटनाओं की आशंका कम करने में मदद मिली। घटना के बाद पुलिस ने टैंकर चालक के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। अब जांच में यह पता लगाया जाएगा कि टैंकर से सड़क पर तेल किस वजह से गिरा और हादसे के लिए कौन-से कारण जिम्मेदार रहे।



महानगर मेट्रो न्यूज़ का सनसनीखेज पर्दाफाश

जैन साधु सागरचंद्र सागर पर गंभीर आरोपों से विवाद, उज्जैन के उपधान तप कार्यक्रम के बहिष्कार की मांग तेज

कुसाधु सागरचंद्र सागर की कामलीला से जैन समाज में भारी आक्रोश, उज्जैन के शत्रुंजय आदिनाथ तीर्थधाम में आयोजन के बहिष्कार की उग्र मांग!

सागरचंद्र सागर पर आरोपों को लेकर जैन समाज में उबाल, उज्जैन के धार्मिक आयोजन से दूर रखने की उठी मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

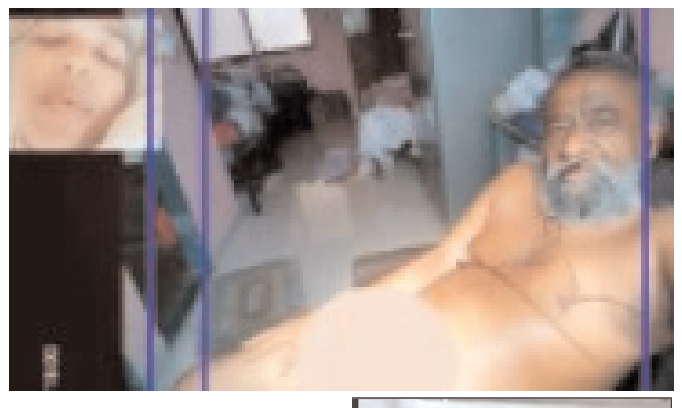
उज्जैन / मध्य प्रदेश। अहिंसा, संयम और पवित्रता के प्रतीक जैन धर्म को कलंकित करने वाले और साधु के वेश में छिपे पाखंडियों का पर्दाफाश करने वाली एक अत्यंत चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे जैन समाज को झकझोर कर रख दिया है। साधु से 'कुसाधु' बने सागरचंद्र सागर की काली करतूतों और कामलीला का 'महानगर मेट्रो न्यूज़' द्वारा पर्दाफाश किए जाने के बाद देश भर में, विशेषकर मध्य प्रदेश की पावन धरती पर भूचाल आ गया है। सबसे शर्मनाक बात यह है कि महानगर मेट्रो न्यूज़ द्वारा खुला चैलेंज दिए जाने के बावजूद यह कुसाधु मीडिया या समाज के सामने आकर अपनी सफाई देने की हिम्मत तक नहीं जुटा पा रहा है! सोशल मीडिया की 'टीम' बनाकर काले कारनामों पर पर्दा डालने की घिनौनी साजिश मीडिया के तीखे और सीधे सवालों से दुम दबाकर भाग रहा सागरचंद्र सागर अब अपने सोशल मीडिया कन्वीनर अभय चोपड़ा और अपनी खास पालित-पोषित टीम के सहारे न्यूज़ का खंडन करने वाले पोस्टर बनवाकर सोशल मीडिया पर वायरल करवा रहा है। जैन समाज का सीधा और तीखा सवाल है कि यदि सागरचंद्र सागर सच्चा और बेकसूर है, तो वह खुद कैमरे के सामने आकर अपने न्यूड फोटो और इन गंभीर आरोपों पर मुँह क्यों नहीं खोलता? किराए की सोशल मीडिया टीम के जरिए झूठे पोस्टर छपवाकर अपनी करतूतों पर पर्दा डालने का यह नापाक खेल अब ज्यादा दिन नहीं टिकेगा। दान के पैसों से अय्याशी और मासूम साध्वियों के यौन शोषण का सनसनीखेज आरोप रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रद्धालुओं द्वारा धर्म और आस्था के नाम पर दिए जाने वाले दान के करोड़ों रुपयों का खुलकर दुरुपयोग कर यह कुसाधु अपनी अय्याशी के महल खड़ा कर रहा है और अकूत संपत्ति तथा जमीनें खरीद रहा है। इससे भी अधिक भयानक और रूह कंपा देने वाला आरोप यह है कि धर्म की आड़ में पवित्र जीवन जीने आई न जाने कितनी मासूम साध्वियों को अपने जाल में फंसाकर उनका दैहिक और मानसिक यौन शोषण किया गया है, और अब यह दरिंदा अपना अगला शिकार तलाश रहा है। उज्जैन के कार्यक्रम के पूर्ण बहिष्कार का जैन समाज का हुंकार मध्य प्रदेश की पवित्र भूमि पर स्थित श्री शत्रुंजय आदिनाथ तीर्थधाम में आयोजित होने वाले उपधान तप कार्यक्रम में इस कुसाधु को घुसने न देने और पूरे जैन समाज द्वारा इस आयोजन का मुकम्मल बहिष्कार करने का बिगुल बज चुका है। भगवान महावीर की पावन धरा को अपनी गंदगियों से अपवित्र करने आ रहे सागरचंद्र सागर को कार्यक्रम से लात मारकर बाहर निकालने के लिए जैन समाज के वरिष्ठ और प्रबुद्ध जन एकजुट हो रहे हैं।

आयोजकों को खुली चेतावनी और कानूनी कार्रवाई का डंडा

जैन समाज और मीडिया ने उज्जैन के कार्यक्रम के आयोजकों को सख्त चेतावनी दी है कि यदि इस कलंकित कुसाधु को मंच पर जगह दी गई, तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे और आयोजकों के खिलाफ भी कानूनी कदम उठाए जाएंगे। 'महानगर मेट्रो न्यूज़' ने जैन समाज से पुरजोर अपील की है कि जिन भी साध्वियों के साथ अन्याय और अत्याचार हुआ है, वे आगे आएं और इस कुसाधु के खिलाफ तत्काल पुलिस में एफआईआर दर्ज कराएं तथा इसे साधु वेश से हमेशा के लिए मुक्त कर समाज से बाहर करें। आखिर सागरचंद्र सागर हमारे सवालों के जवाब देने से क्यों डर रहा है? अगर सच में हिम्मत है तो सामने आओ और अपने न्यूड फोटो व काले कारनामों का सच जैन समाज के सामने बेनकाब करो! 'महानगर मेट्रो न्यूज़' की खोजी रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि समाज के कुछ प्रमुख लोगों और जागरूक नागरिकों द्वारा सागरचंद्र महाराज पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इन आरोपों में शामिल हैं

वित्तीय अनियमितताएं: दान में आए पैसों का व्यक्तिगत संपत्ति या जमीनों की खरीद में इस्तेमाल करने का आरोप। नैतिक आचरण पर सवालः साध्वी वर्ग के साथ अनुचित व्यवहार और आचरण संबंधी गंभीर शिकायतें।

सोशल मीडिया पर खंडन बनाम सीधी प्रतिक्रिया: आलोचकों का कहना है कि महाराज के समर्थकों और सोशल मीडिया कन्वीनर अभय चोपड़ा द्वारा केवल डिजिटल पोस्टर जारी कर आरोपों को खारिज किया जा रहा है, जबकि इस मामले में प्रत्यक्ष रूप से मीडिया या समाज के सामने आकर बिंदुवार स्पष्टीकरण दिया जाना चाहिए।

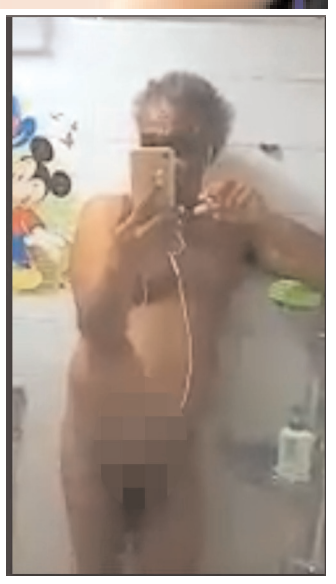


2. उज्जैन कार्यक्रम के बहिष्कार और पुलिस जांच की मांग

इस पूरे प्रकरण के बाद जैन समाज के वरिष्ठ प्रतिनिधियों और असंतुष्ट वर्ग में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। कार्यक्रम का बहिष्कार समाज के एक धड़े ने निर्णय लिया है कि वे उज्जैन के श्री शत्रुंजय आदिनाथ तीर्थधाम में होने वाले उपधान तप कार्यक्रम का सामूहिक रूप से बहिष्कार करेंगे।

आयोजकों को चेतावनी: विरोध करने वाले लोगों का कहना है कि यदि विवादित साधु को कार्यक्रम का हिस्सा बनाया जाता है, तो आयोजकों के खिलाफ कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

पुलिस और कानून की शरण: समाज के प्रतिनिधियों का आग्रह है कि यदि इन आरोपों में थोड़ी सी भी सत्यता है, तो



प्रभावित पक्षों को तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कर निष्पक्ष जांच करानी चाहिए।

नडियाद टाउन पुलिस का तारीफ़ के काबिल कामः कुछ ही घंटों में क्राइम का पता चला, संतराम मंदिर की पार्किंग से बाइक चुराने वाला आदतन चोर पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। ज़िले के हेडक्वार्टर नडियाद में पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन ने क्रिमिनल्स के खिलाफ़ सख्त रवैया अपनाया है। बेहतरीन और तेज़ी से काम करने की मिसाल पेश करते हुए, नडियाद टाउन पुलिस स्टेशन की टीम ने शहर के पवित्र और धार्मिक केंद्र संतराम मंदिर की पार्किंग से मोटरसाइकिल चुराने वाले आदतन बाइक चोर को कुछ ही घंटों में पकड़ने में बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस की इस तूफ़ानी कार्रवाई से गाड़ी चोरों में भारी हलचल मच गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, नडियाद के मशहूर संतराम मंदिर गए एक नागरिक ने अपनी बाइक मंदिर की पार्किंग में खड़ी की थी। इसी बीच तस्करों की नज़र इस गाड़ी पर पड़ी और अनजान चोर पार्किंग से बाइक चुराकर भाग गया। गाड़ी के अचानक चोरी होने से गाड़ी मालिक परेशान हो गया और उसने तुरंत इस बारे में नडियाद टाउन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। नडियाद टाउन पुलिस की छोटी जांच और कामयाबी शिकायत मिलते ही, नडियाद टाउन पुलिस के अधिकारियों और स्टाफ ने मामले को गंभीरता से लिया और 'पता लगाने' के लिए ज़ोरदार कोशिशें शुरू कीं CCTV फुटेज और टेक्निकल सर्विलांस पुलिस ने मंदिर परिसर और आस-पास की सड़कों पर लगे CCTV फुटेज की डिटेल में जांच की और ह्यूमन इंटेलिजेंस और टेक्निकल सोर्स की मदद ली। कुछ ही घंटों में आरोपी पकड़ा गया पुलिस टीम ने इंटेलिजेंस और टेक्निकल सबूतों के आधार पर संदिग्ध की



पहचान की और कुछ ही घंटों में कुख्यात चोर को चोरी की प्रॉपर्टी के साथ पकड़ लिया गाड़ी चोरी की बढ़ती घटनाओं के बीच, जिस तरह से नडियाद टाउन पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए तेज़ी और सही तरीके से काम किया है, उससे स्थानीय व्यापारियों और शहर के लोगों का पुलिस पर भरोसा और मज़बूत हुआ है। पुलिस ने चोरी की गाड़ी ज़ब्त कर ली है और आगे की कानूनी जांच कर रही है।

डभोई के सरिता ओवरब्रिज से उतरते ही मौत को बुलावा दे रहे खतरनाक गड्ढेः रोज़ाना हो रहे हादसों और गाड़ियों के फिसलने से लोग गुस्से में हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। ऐतिहासिक शहर डभोई में घुसने का मेन और सबसे बिज़ी रास्ता 'सरिता ओवरब्रिज' मौत का जाल बन गया है। पुल से डभोई की तरफ उतरते ही ढलान पर बड़े-बड़े, गहरे और खतरनाक गड्ढे का राज बन गया है, जो अब गाड़ी चलाने वालों के लिए 'मौत का जाल' साबित हो रहे हैं। लोकल लोगों, व्यापारियों और रोज़ाना आने-जाने वालों ने एडमिनिस्ट्रेशन की इस लापरवाही के खिलाफ अपना गुस्सा ज़ाहिर किया है। जब गाड़ियां सरिता ओवरब्रिज से उतरती हैं, तो स्पीड कंट्रोल करना मुश्किल हो जाता है और अचानक आए इन बड़े गड्ढे की वजह से ड्राइवर गाड़ी पर से कंट्रोल खो देते हैं। नतीजा, इस जगह पर अक्सर छोटे-बड़े एक्सीडेंट होते रहते हैं। खासकर बाइक, स्कूटर या एक्टिवा जैसे टू-व्हीलर ड्राइवर इस फिसलन भरी और गड्ढे वाली सड़क पर फिसलकर सड़क पर



गिर जाते हैं और उन्हें गंभीर चोटें लगती हैं। रात के अंधेरे में या भारी ट्रैफिक के दौरान स्ट्रीटलाइट न होने की वजह से ये गड्ढे बिल्कुल दिखाई नहीं देते, जिससे यह स्थिति बहुत जानलेवा हो गई है। हजारों गाड़ियों के आने-जाने के बावजूद, प्रशासन आंखें मूंदे हुए है। इस मेन रोड से हर दिन हजारों छोटी-बड़ी गाड़ियां, स्कूल बसें और पैदल चलने वाले गुजरते हैं। लेकिन, डभोई नगर पालिका, रोड एंड बिल्डिंग डिपार्टमेंट या संबंधित प्रशासन के अधिकारियों को इसकी ज़रा भी परवाह नहीं है। पहले कई बार बताने के बावजूद, इन खतरनाक गड्ढे को भरने या डामर पैचवर्क करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। प्रशासन की यह बड़ी लापरवाही और पूरी तरह से उदासीनता इस बात का सबूत है कि क्या प्रशासन किसी बड़े जानलेवा हादसे का इंतज़ार कर रहा है? शहर के लोगों की ज़ोरदार मांग 'किसी बेगुनाह की जान जाने से पहले प्रशासन जाग जाए ' डभोई के जागरूक नागरिकों और गुस्साए गाड़ी चलाने वालों ने अब बस एक ही मांग उठाई है कि प्रशासन तुरंत अपनी नींद से जागे और सरिता ओवरब्रिज की ओर जाने वाली सड़क पर बने खतरनाक गड्ढे को तुरंत ठीक (डामर पैचवर्क) करवाए, इससे पहले कि किसी बेगुनाह नागरिक की जान जाए। अगर इस सड़क को जल्द से जल्द ठीक नहीं किया गया, तो स्थानीय लोग ज़ोरदार आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

ग्राउंडवॉटर लेवल में भारी गिरावट की आशंका के बीच किसान और डभोई पशुपालक बहुत कन्फ्यूज़न में हैं, उन्हें आने वाले दिनों में पानी का गंभीर संकट होने का डर है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। ओरसांग नदी, जो डभोई तालुका से गुज़रती है और सदियों से आस-पास के ग्रामीण इलाकों के लिए लाइफलाइन रही है, पहले से ही पूरी तरह सूख चुकी है। आमतौर पर, तेज़ गर्मी के मौसम में नदी के किनारे सूखते हुए देखे जाते हैं, लेकिन इस साल, जब सर्दी अभी शुरू ही हुई है, ओरसांग नदी पहले ही खाली हो गई है, जिससे स्थानीय लोगों और पूरे किसान समुदाय में बहुत हैरानी और गहरी चिंता है। डभोई पंथक में इस साल मॉनसून के दौरान बहुत अनियमितता और कम बारिश दर्ज की गई है। नतीजतन, तालुका के मुख्य पानी के सोर्स समय से पहले सूख गए हैं। मॉनसून के जाने के साथ ही ओरसांग नदी का बहाव रुक गया है और अब नदी के किनारे सिर्फ़ रेत के ढेर दिख रहे हैं। अभी पूरी सर्दी बाकी है और फिर चिलचिलाती गर्मी भी काटनी है। ऐसे में, आने वाले दिनों में पूरे डभोई पंथक में पानी का संकट और भी गंभीर होने की पूरी संभावना है, क्योंकि मौसम की शुरुआत से ही नदी सूख जाएगी। ओरसांग नदी के किनारे बसे कई गांवों के किसान बड़े पैमाने पर सर्दी और गर्मी की खेती करते हैं, जो पूरी तरह से नदी के बहते पानी और आसपास की ज़मीन में ऊंचे ग्राउंडवाटर टेबल पर निर्भर है। क्योंकि नदी पहले ही सूख चुकी है, इसलिए डर है कि बोरवेल का वॉटर टेबल भी तेज़ी से नीचे जाएगा। इस मुश्किल हालात की वजह से, किसान बड़ी दुविधा और कंफ्यूजन में हैं कि सर्दी की फसलें बोएं या नहीं। अगर नदी में पानी नहीं बचा, तो किसानों के लिए सर्दी या गर्मी की फसलें उगाने के लिए कोई अच्छी



स्थिति नहीं है। पशुपालकों के लिए आफत और सिस्टम के खिलाफ लड़ाई नदी के सूखने से डर है कि न सिर्फ खेती, बल्कि ग्रामीण इलाकों में पशुपालकों को भी अपने जानवरों के लिए पीने के पानी और चारे की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ेगा। अगर सीजन की शुरुआत में ही यह हाल रहा तो पूरे इलाके में इस बात की खूब चर्चा है कि आने वाले वैशाख-जेठ के महीनों में हालात कितने भयानक होंगे।

अहमदाबाद में ट्रैफिक जाम कम करने के लिए म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और ट्रैफिक पुलिस का मास्टरप्लान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और अहमदाबाद ट्रैफिक पुलिस ने अहमदाबाद शहर में दिन-ब-दिन बढ़ते गाड़ियों के लोड और मुश्किल ट्रैफिक प्रॉब्लम से लोगों को राहत देने के लिए एक बड़ा और ज़रूरी एक्सपेरिमेंट किया है। नारोल सर्कल के सफल एक्सपेरिमेंट के बाद, अब ईस्ट अहमदाबाद के बहुत बिज़ी और भीड़भाड़ वाले बापूनगर चौराहे को भी पूरी तरह से 'सिग्नल फ्री' घोषित कर दिया गया है।



नए सिस्टम के मुताबिक, अब ड्राइवरों को बापूनगर चौराहे पर सिग्नल पर रुकने की ज़रूरत नहीं होगी। -टर्न तरीकाः चौराहे से सीधे या आगे जाने वाली गाड़ियों को अब जंक्शन से आगे जाकर अपनी मंज़िल तक पहुँचने के लिए एक तय '-टर्न' लेना होगा। 28 बिज़ी जंक्शनों पर कैप्सूल सिस्टमः अहमदाबाद शहर में ट्रैफिक का लगातार फ्लो बनाए रखने के लिए, यह 'कैप्सूल सिस्टम' अब तक शहर के 28 बड़े और बिज़ी जंक्शनों पर सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है। अगले तीन महीने में 20 और जंक्शन ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम के प्लान के मुताबिक, अगले 3 महीने में शहर के 20 और जंक्शन को कैप्सूल सिस्टम के तहत लाकर सिग्नल-फ्री बनाने की तैयारी चल रही है। इससे ड्राइवरों का फ्यूल और टाइम बचेगा, लेकिन पैदल चलने वालों की सेफ्टी एक सवाल है। इस नए सिग्नल-फ्री सिस्टम की वजह से ड्राइवरों को सिग्नल पर लगने वाले लंबे ट्रैफिक जाम और टाइम और फ्यूल की बर्बादी से काफी राहत मिल रही है। सड़कों पर गाड़ियों के लगातार शोर से ट्रैफिक तेज हो गया है। हालांकि, इस सिक्के का दूसरा पहलू भी सामने आया है। जंक्शन पर सिग्नल न होने और तेज स्पीड में गाड़ियों के लगातार चलने की वजह से सड़क पार करने वाले पैदल चलने वालों, बुजुर्गों और बच्चों की सेफ्टी को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। लगातार चलती गाड़ियों के बीच पैदल चलने वालों को सड़क पार करने में काफी दिक्कत हो रही है और उन्हें हर समय एक्सीडेंट का डर सताता रहता है।

गांधीनगर से दिल्ली तक राजनीतिक भूचालः खोराज में ठाकोर समुदाय की 150 करोड़ की ज़मीन हड़पने की बड़ी साज़िश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात की राजधानी गांधीनगर के पास खोराज में ठाकोर समुदाय के एक गरीब किसान परिवार से लगभग 150 करोड़ की बहुत कीमती ज़मीन हड़पने के मामले में, के खाखी वर्दी के इशारे पर चल रहे स्थानीय प्रशासन, ज़मीन माफियाओं और दलालों की काली मिलीभगत का चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष और MLA जिग्नेश मेवाणी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदीश ठाकोर और मशहूर वकील आनंद याग्निक ने एक जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस करके राज्य के बड़े पुलिस अधिकारियों पर चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं, जिससे पूरे प्रशासन में हलचल मच गई है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीड़ित रवि ठाकोर का वीडियो बयान और डॉक्यूमेंट्री सबूत पेश करते हुए जिग्नेश मेवाणी ने सनसनीखेज दावा किया है कि गांधीनगर रेंज के IG वीरेंद्र यादव ने रवि ठाकोर को अपने ऑफिस बुलाया था और 150 करोड़ की ज़मीन में 10' हिस्सेदारी के तौर पर 11 करोड़ की कथित फिरौती मांगी थी! IG ने धमकी दी थी कि 'जब तक यह रकम नहीं मिलेगी, तुम्हारा कोई भी काम आगे नहीं बढ़ेगा।' यह भी दावा किया गया है कि फाइनेंशियल सबूत मौजूद हैं कि IG के आदेश के बाद रवि ठाकोर ने अडालज पुलिस स्टेशन के PI को 70 लाख दिए थे। जब बाकी रकम देना बंद हो गया, तो पुलिस और कलोल के ज़मीन दलालों ने पीड़ित परिवार पर अमानवीय जुल्म शुरू कर दिया झूठा वीडियो और शिकायत अडालज पुलिस स्टेशन में ' के चैंबर में महिला पुलिस अधिकारी की गैरमौजूदगी में काजलबेन ठाकोर को घेर लिया गया, धमकाया गया और उनके पति पोपटजी ठाकोर के कथित किडनैपिंग की झूठी शिकायत लिखने के लिए मजबूर किया गया।



ग्लोबल इकॉनमी पर भारी कर्ज़ का बोझः दुनिया पर 34,675 लाख करोड़ का कर्ज़ है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। दुनिया भर में कुल 34,675 लाख करोड़ (लगभग 40 ट्रिलियन से ज़्यादा) का कर्ज़ रिकॉर्ड किया गया है। इस ग्लोबल कर्ज़ के ट्रेंड के बीच, भारत पर भी इस समय लगभग 323 लाख करोड़ का सरकारी कर्ज़ है, जो देश की इकॉनमी, GDP और भविष्य के सरकारी खर्च के लिए एक बहुत ही ज़रूरी और बहस का मुद्दा बन गया है।



ग्लोबल लेवल पर कर्ज़ में तेज़ी और भारी ब्याज का बोझ ब्याज देने का दबाव बढ़ती ब्याज दरों की वजह से दुनिया के कई देशों के बजट का एक बड़ा हिस्सा सिर्फ़ पुराने कर्ज़ों पर ब्याज चुकाने में ही खर्च हो रहा है। भारी ब्याज चुकाने की वजह से सरकारों के पास शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज कल्याण योजनाओं के लिए पैसे खत्म हो रहे हैं। केंद्र और राज्यों का मिला-जुला कर्ज़ भारत का सरकारी कर्ज़ (जिसमें केंद्र और सभी राज्यों का मिला-जुला कर्ज़ शामिल है) देश की कुल GDP का लगभग 80 से 85 प्रतिशत तक पहुँच गया है। बजट और ब्याज का बोझः केंद्र सरकार के सालाना बजट का एक बड़ा हिस्सा सिर्फ़ ब्याज चुकाने में ही खर्च हो जाता है, जिससे दूसरे डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स पर दबाव पड़ता है।

सुप्रीम कोर्ट में बड़ा धमाकाः पूर्व जस्टिस कौल की आत्मकथा 'विदाउट फियर ऑफ फेवर' से न्यायपालिका में भूचाल

महानगर मेट्रो ब्यूर

दिल्ली। देश की सर्वोच्च न्यायपालिका और सरकार के अंदरूनी रिश्तों के बंद दरवाजों के पीछे के काले सच अब सड़कों पर आ गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस संजय किशन कौल की आत्मकथा 'विदाउट फियर ऑफ फेवर' ने पब्लिश होते ही देश भर के कानूनी और राजनीतिक हलकों में खूब चर्चा बटोरी है। इस किताब ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए हैं, जिसने न्यायिक व्यवस्था की नींव हिला दी है। जस्टिस संजय किशन कौल ने अपनी आत्मकथा में बेहद चौंकाने वाले और जानलेवा खुलासे किए हैं। उनके दावे के मुताबिक, देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. जजों की नियुक्ति जैसे बहुत सेंसिटिव मामलों में चंद्रचूड़ ने हमेशा सरकार के प्रति नरम रुख अपनाया। इतना ही नहीं, उन्होंने यह पक्का करने की भी लगातार कोशिश की कि सरकार के पक्ष में फैसला हो। जजों की नियुक्ति के लिए संवैधानिक रूप से गठित कॉलेजियम की फॉर्मल मीटिंग से पहले ही, उस समय के CJI चंद्रचूड़ सरकार के साथ अनौपचारिक रूप से समझौते पर पहुंचने की निजी कोशिशें करते थे। कॉलेजियम की चर्चा से पहले सरकार को मौका देने के इस तरीके ने सुप्रीम कोर्ट और पूरी ज्यूडिशियरी की गरिमा को बहुत ठेस पहुंचाई है। दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट से रिटायर हुए जस्टिस संजय किशन कौल ने लिखा है कि सरकार के साथ समझौते पर पहुंचने के इस अजीब और खतरनाक तरीके को लेकर उनके और CJI चंद्रचूड़ के बीच तीखे मतभेद थे। जस्टिस कौल ने किताब में साफ चेतावनी देते हुए लिखा है कि कॉलेजियम की फॉर्मल मीटिंग से पहले सरकार के साथ अनौपचारिक सलाह-मशविरा देश को बहुत खतरनाक मैसेज देता है। इतिहास गवाह है कि जब भी ज्यूडिशियरी कमजोर होती है या सरकार के खिलाफ झुकती है, इस खुलासे के बाद अब पूरे देश में यह सवाल गूंज रहा है कि क्या देश का सुप्रीम कोर्ट अपनी आजादी खो रहा है? अगर जजों की नियुक्ति जैसे अहम फैसलों में भी सरकार का दखल या अनौपचारिक सहमति ली जाती है,

चुनाव आयोग ने RTI में जानकारी देने से साफ मना कर दिया है, फिर भी राज़ पर पर्दा क्यों है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

करीमनगर। लोकतंत्र की नींव वोटर रोल को लेकर पूरे देश में एक के बाद एक चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। खासकर स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रोसेस के तहत लाखों वोटरों के नाम हटाने के विवाद के बीच सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि इस पूरी प्रोसेस में किस सॉफ्टवेयर या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल का इस्तेमाल किया गया? लेकिन हैरानी की बात यह है कि जब नागरिकों ने सूचना के अधिकार के तहत इस पर सफाई मांगी, तो चुनाव आयोग ने गोलमोल जवाब देकर जानकारी देने से पूरी तरह मना कर दिया है। तेलंगाना के करीमनगर के एक सोशल एक्टिविस्ट एम. ए. मुजीब अयूब ने चुनाव आयोग के सामने एक RTI एप्लीकेशन दायर करके बहुत ही ज्वलंत सवाल पूछे थे वोटर डेटा और वोटर लिस्ट में कमियों का पता लगाने के लिए किस खास AI प्लेटफॉर्म या सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया गया है? क्या यह ऑटोमेटेड सिस्टम वोटरों के नामों को खुद ही फ्लैग (संदिग्ध के रूप में मार्क) करता है? अगर इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल हो रहा है, तो कमीशन के पास क्या सिक्योरिटी उपाय या सेफगार्ड हैं, जिससे यह पक्का हो सके कि किसी असली या वैलिड वोटर का नाम गलती से या गलत तरीके से डिलीट न हो? इलेक्शन कमीशन का अजीब बहाना 'कमर्शियल कॉन्फिडेंशियलिटी और ट्रेड सीक्रेट' इन सवालों का जवाब देने के बजाय, इलेक्शन कमीशन जैसी टॉप बॉडी, जो डेमोक्रेसी में ट्रांसपेरेंट होने का दावा करती है, ने RTI एक्ट के सेक्शन 8(1) का सहारा लिया है। कमीशन ने तर्क दिया है कि सॉफ्टवेयर और टेक्नोलॉजी की डिटेल्स 'कमर्शियल कॉन्फिडेंशियलिटी, ट्रेड सीक्रेट और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी' से जुड़ी हैं, इसलिए उन्हें बताया नहीं जा सकता। एक तरफ, कमीशन का दावा है कि SIR के लिए कोई नया सॉफ्टवेयर नहीं खरीदा गया है, दूसरी तरफ, वह सॉफ्टवेयर के नाम, उसके वर्जन या उसमें ढ्ढ की भूमिका के बारे में कुछ भी साफ करने को तैयार नहीं है। कमीशन ने सिर्फ यह दोहराया है कि नाम जोड़ने या हटाने का आखिरी कानूनी अधिकार संबंधित इलाके के इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर के पास है।तो इलेक्शन कमीशन जानकारी छिपाने के लिए ट्रेड सीक्रेट का इतना बड़ा कवर क्यों इस्तेमाल कर रहा है?



कथित लिंचिंग की घटना और बिगड़ती कानून व्यवस्था के खिलाफ गृह मंत्री हर्ष संघवी का पुतला जलाने की कोशिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भावनगर। सांस्कृतिक शहर भावनगर में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर राजनीति गरमा गई है। भावनगर में विवादित नकली शराब और लिंचिंग जैसी गंभीर घटनाओं के साथ-साथ पुलिस की निष्क्रियता से गुस्साए युवाओं और विपक्षी नेताओं ने पुलिस स्टेशन के बाहर जाकर राज्य के गृह मंत्री हर्ष संघवी के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान गृह मंत्री का पुतला जलाने की कोशिश से पुलिस स्टेशन में भगदड़ मच गई और भारी हंगामा हुआ।

शराबबंदी के दावों की पोल खुलीः पुलिस स्टेशन के बाहर गुस्सा

गुजरात में शराबबंदी के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन भावनगर जिले में नशीली दवाओं और नकली शराब के कारोबार की लगातार घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। जनता का पैसा और जवानी शराब के जाल में बर्बाद होने के बावजूद, लोकल एडमिनिस्ट्रेशन के शराब तस्करों के खिलाफ कोई ठोस एक्शन न लेने से लोगों में बहुत गुस्सा है। इसी गुस्से के तहत भावनगर में विरोध प्रदर्शनों की लहर दौड़ गई। लॉ एंड ऑर्डर की नाकामी के खिलाफ गुस्सा जाहिर करने के लिए, प्रदर्शनकारियों ने पुलिस स्टेशन के बाहर नारे लगाने शुरू कर दिए और होम मिनिस्टर हर्ष संघवी की पॉलिसी पर सवाल उठाए। पुतला जलाने के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हालात इतने टेंशन वाले हो गए कि प्रदर्शन कर रहे युवाओं और नेताओं ने होम मिनिस्टर हर्ष संघवी का पुतला जलाने की कोशिश की। थाने के



ठीक बाहर पुतला जलाने की खबर मिलते ही पुलिस फोर्स एक्शन में आ गई। पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए पुतला जलाने से रोका और इस मामले में कुछ युवाओं और नेताओं को हिरासत में भी लिया गया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच इस हाथापाई और धक्का-मुक्की के सीन ने पूरे इलाके में काफी चर्चा पैदा कर दी। राजनीतिक गरमागरमी और जनता के सवाल भावनगर में हुई इस लिंचिंग और स्कैम के बाद राजनीतिक गरमागरमी बढ़ गई है। विपक्षी पार्टियां सीधे सरकार पर हमला कर रही हैं और कह रही हैं कि राज्य में होम डिपार्टमेंट की निष्क्रियता से शराब तस्करों के हौसले बुलंद हो गए हैं। थाने के ठीक बाहर मंत्री का पुतला जलाने की इस कोशिश ने सरकार और पुलिस सिस्टम की चिंता बढ़ा दी है। इस घटना के बाद पुलिस प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर दी है और पूरी संभावना है कि आने वाले दिनों में यह विरोध और तेज होगा।

वडोदरा के याकूतपुरा में देर रात SOG की रेडः करोड़ों की ड्रग्स ज़ब्त, इलाके में भारी सन्नाटा और हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। सिटी पुलिस और स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने कल्चरल सिटी वडोदरा को ड्रग्स के खतरे से आज़ाद कराने के लिए एक बड़ा कैंपेन शुरू किया है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए SOG टीम ने देर रात वडोदरा के बहुत सेंसिटिव इलाके याकूतपुरा में बड़े पैमाने पर रेड की और बड़ी मात्रा में ड्रग्स ज़ब्त किए। पुलिस की इस अचानक और सख्त कार्रवाई के बाद पूरे याकूतपुरा इलाके और शहर में भारी हंगामा मच गया है शुरुआती जानकारी के मुताबिक, SOG टीम को खास जानकारी मिली थी कि याकूतपुरा इलाके में एक बड़ा ड्रग्स नेटवर्क चल रहा है और बड़ी मात्रा में इसे छिपाकर रखा गया है। इस जानकारी के आधार पर, सीनियर स्ह्रत अधिकारियों और पुलिस के एक काफिले ने इलाके को घेर लिया और रेड मारी। रेड के दौरान, मौके से बड़ी मात्रा में संदिग्ध नारकोटिक्स बरामद हुए। पुलिस नारकोटिक्स का वज़न करने और उसके खास टाइप (जैसे MD ड्रग्स, गांजा या कोई और नारकोटिक सब्सटेंस) की जांच के लिए FSL टीम की मदद ले रही है। एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश होने की संभावन पुलिस जांच तेज वडोदरा शहर में इतनी बड़ी मात्रा में नारकोटिक्स की स्मगलिंग कहां से हुई? इस सप्लाई चेन में कौन से बड़े माफिया या इंटरस्टेट ड्रग पेडलर शामिल हैं? स्ह्रत ने उन सभी दिशाओं में पूरी पूछताछ और जांच शुरू कर दी है।द्व पुलिस फिलहाल लोकल लेवल पर ड्रग्स के धंधे में शामिल संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूरी जांच कर रही है। आने वाले कुछ घंटों में इस मामले में एक बड़ा खुलासा होने की पूरी संभावना है और वडोदरा शहर के पूरे ड्रग नेटवर्क का पर्दाफाश हो जाएगा। वडोदरा पुलिस कमिश्नर या SOG डिपार्टमेंट एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके जब्त किए गए नारकोटिक्स की सही कीमत और गिरफ्तार आरोपियों की ऑफिशियल डिटेल्स के बारे में और जानकारी देंगे।

शाहपुर से कालूपुर के बीच एलिवेटेड कॉरिडोर प्रोजेक्ट में हेरिटेज स्मारक रुकावट बन रहे हैं

अहमदाबाद में ट्रैफिक की समस्या को हल करने के लिए AMC का मास्टर प्लान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने अहमदाबाद शहर के बहुत व्यस्त और भीड़भाड़ वाले कोट इलाके में ट्रैफिक की समस्या को कम करने के लिए एक बड़ा एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने का प्लान बनाया है। यह प्रस्तावित प्रोजेक्ट शाहपुर दरवाजा, दरियापुर दरवाजा और कालूपुर रेलवे स्टेशन को जोड़ता है। इस प्रस्तावित प्रोजेक्ट में हेरिटेज स्मारकों की सुरक्षा से जुड़ी कानूनी रुकावटें आने के कारण अब इसका रूट बदलने (अलाइनमेंट बदलने) और दूसरे रास्ते खोजने का बड़ा फैसला लिया गया है। कालूपुर रेलवे स्टेशन के बड़े रीडेवलपमेंट और इसे मल्टी-मॉडल हब के तौर पर डेवलप करने और बुलेट ट्रेन स्टेशन के चालू होने के बाद, शाहपुर-कालूपुर रूट पर ट्रैफिक लोड बहुत ज़्यादा बढ़ने की संभावना है। AMC के शुरुआती अनुमानों के मुताबिक,



इस रूट पर रोज़ाना करीब 7 लाख लोग सफर करेंगे। इस भारी ट्रैफिक को आसानी से मैनेज करने के लिए शाहपुर दरवाज़े से कालूपुर रेलवे स्टेशन तक एक एलिवेटेड कॉरिडोर ज़रूरी माना जा रहा है। प्रस्तावित शाहपुर दरवाज़े से दरियापुर दरवाज़े कॉरिडोर के ओरिजिनल प्लान में एक बड़ी चुनौती आ गई है। यह रूट ऐतिहासिक और प्रोटेक्टेड मॉन्यूमेंट्स के 100 मीटर के दायरे में आता है। देश के आर्कियोलॉजिकल और हेरिटेज प्रोटेक्शन एक्ट के अनुसार, ऐसे ऐतिहासिक मॉन्यूमेंट्स के आस-पास एक तय दूरी के अंदर कोई भी बड़ा कंक्रीट स्ट्रक्चर या फ्लाईओवर बनाना मना है। चूंकि अहमदाबाद को वर्ल्ड हेरिटेज सिटी का दर्जा मिला हुआ है, इसलिए AMC ऐतिहासिक धरोहरों और मॉन्यूमेंट्स की सुरक्षा को लेकर कोई रिस्क नहीं लेना चाहती। इसी वजह से, कॉर्पोरेशन ने पुराने अलाइनमेंट को बेहतर बनाने का फैसला किया है। प्रोजेक्ट को रोकने के बजाय, अब ट्रैफिक जाम को हल करने और धरोहर को बचाने के लिए नए ऑप्शन देख रही है रूट में बदलाव प्रोटेक्टेड मॉन्यूमेंट्स से सुरक्षित दूरी बनाए रखने के लिए एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए एक नया अलाइनमेंट प्लान तैयार किया जा रहा है। फ्लाईओवर मुमकिन नहीं है, कि क्या खास जगहों पर अंडरपास बनाए जा सकते हैं।

दुर्गम जगह पर यात्रा का इंतज़ाम जागरूकता पैदा करता हैः मोरारी बापू 'मानस भारत स्वास्तिक यात्रा' का पहला पड़ाव केदारनाथ धाम में खत्म हुआ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुप्तकाशी। पूरे देश की आध्यात्मिक दुनिया में एक खास बात हुई है। व्यास प. मोरारी बापू द्वारा आयोजित 'मानस भारत स्वास्तिक यात्रा' 23 तारीख को उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में खत्म हुई। कथा की 985वीं कथा कन्याकुमारी में हुई। यह कथा इसलिए खास है क्योंकि स्वास्तिक के बारह दर्शनों को ध्यान में रखते हुए बारह जगहों पर कथा गाई गई। जो किसी न किसी तरह से महत्वपूर्ण हैं। प. बापू ने कथा को विराम देते हुए आज कहा कि हम केदारेश्वर को नमन करते हैं जहां शंकराचार्य ने समाधि लेने का फैसला किया और निर्वाण प्राप्त किया। शंकराचार्य का स्वास्तिक हिमालय के चारधाम हैं। शंकराचार्यजी ने दिव्य, पवित्र भारत को जोड़ने की पहली कोशिश की। कन्याकुमारी आज केदार से मिलने आती है। जब कोई दूर-दराज की जगहों पर तीर्थ यात्रा पर जाता है, तो लगातार ऐसा महसूस होता है कि कोई चेतना उसका इंतज़ाम कर रही है। मेरी एक दोस्त है, जिसे देखकर लगता है कि सालों पहले किसी ने इसकी कल्पना की होगी। जो इस तरह है 'दक्षिण उत्तर धाम, पश्चिम पूर्णा भक्षा, भजन समाधि अरु समा '। भिक्षा, भजन, समाधि और सामवेद इसी निम्बार्की परंपरा पर लागू होते हैं। इस कहानी की मुख्य पंक्तियों में पहली लाइन थी मंगल भवन अमंगल हारी, जिसके अनुसार सब कुछ शुभ तरीके से इंतज़ाम किया गया था। कथायात्रा की पूरी प्लानिंग IRCTC के साथ मिलकर मनोरथी संस्था सनातन सेवा संस्थान उदयपुर ने की थी। लेकिन इसका क्रेडिट श्री मदनभाई पालीवाल और उनके रिश्तेदार-सहयोगी श्री



रूपेशभाई व्यास को जाता है जिन्होंने पूरी प्लानिंग में अपनी पूरी ताकत लगा दी। अगला कथा क्रम, 986वीं दीप ज्योति, अब 'मानस भारत स्वास्तिक यात्रा' का दूसरा पड़ाव होगा। यह 14 नवंबर को द्वारका के शारदा पीठ से शुरू होगा और 22 नवंबर को जगन्नाथपुरी में खत्म होगा।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा और ऐतिहासिक फैसलाः अगर कोई उम्मीदवार चुनाव में झूठा हलफनामा देता है, तो अब आम नागरिक भी सीधे क्रिमिनल कंप्लेंट कर सकता है, चुनाव आयोग की मंज़ूरी की ज़रूरत नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव लड़ने वाले नेताओं और उम्मीदवारों के लिए एक बहुत ज़रूरी और सख्त आदेश जारी किया है। अब कोई आम नागरिक या वोटर भी चुनाव में नॉमिनेशन फॉर्म भरते समय अपनी प्रॉपर्टी, क्रिमिनल हिस्ट्री या पढ़ाई-लिखाई के बारे में गलत जानकारी देने या ज़रूरी डिटेल्स छिपाने पर संबंधित उम्मीदवार के खिलाफ सीधे क्रिमिनल कंप्लेंट कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपल्स एक्ट की धारा 125 के तहत कार्रवाई करने के लिए चुनाव आयोग की पहले से मंज़ूरी लेना या खुद चुनाव आयोग के ज़रिए शिकायत दर्ज करना ज़रूरी नहीं है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की बेंच ने यह ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कर्नाटक हाई कोर्ट के पिछले फैसले को खारिज कर दिया है। इससे पहले, कर्नाटक हाई कोर्ट ने यह नज़रिया अपनाया था कि कोई वोटर किसी कैंडिडेट के खिलाफ सिर्फ इलेक्शन पिटीशन फाइल कर सकता है, लेकिन एक प्राइवेट व्यक्ति के तौर पर क्रिमिनल कंप्लेंट फाइल नहीं कर सकता और सिर्फ इलेक्शन कमीशन को ही ऐसी कार्रवाई करने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने इस नज़रिए को गलत बताया है और आम नागरिकों को कानूनी हथियार दिए हैं सीधे प्राइवेट शिकायत मंज़ूरः रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपल एक्ट के सेक्शन 125 के तहत, अगर कोई कैंडिडेट झूठा एफिडेविट देता है, तो कोर्ट किसी भी प्राइवेट व्यक्ति की शिकायत के आधार पर भी संज्ञान ले सकता है और कार्रवाई शुरू कर सकता है। ज़रूरी जानकारी छिपाना जुर्म है चुनाव लड़ते समय, कैंडिडेट के लिए एफिडेविट में सभी सही जानकारी देना ज़रूरी है। अगर कोई कैंडिडेट तथ्य छिपाता है या गलत जानकारी दिखाता है, तो यह कानूनी जुर्म बन जाता है। 6 महीने की जेल का प्रावधानःजुर्माना या दोनों की सज़ा हो सकती है। लोकतंत्र और वोटरों के अधिकारों की जीत अक्सर शिकायतें आती हैं

दुनिया के 122 देशों में भारत 100वें नंबर पर, नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका से भी खराब है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2026' की एक नई रिपोर्ट जारी हुई है, जो ग्लोबल लेवल पर भूख और कुपोषण की हालत को दिखाने वाली, बहुत चिंताजनक और आंखें खोलने वाली है। इस ग्लोबल रिपोर्ट ने देश की फूड सिक्योरिटी और बच्चों की हेल्थ की पोल खोल दी है। 122 देशों की इस लिस्ट में भारत 100वें नंबर पर आ गया है। हैरानी की बात यह है कि



नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे छोटे पड़ोसी देश भी भूख और कुपोषण खत्म करने में भारत से बहुत आगे निकल गए हैं, जबकि सिर्फ पाकिस्तान ही भारत से पीछे है। भारत सीरियस कैटेगरी में 2012 से स्कोर में कोई सुधार नहीं जर्मन एड एजेंसी 'WHH' और आयरिश ऑर्गनाइज़ेशन 'कंसर्न वर्ल्डवाइड' ने मिलकर ग्लोबल हंगर इंडेक्स जारी किया है, जिसमें इंटरनेशनल लॉ ऑफ़ पीस और स्विस ऑर्गनाइज़ेशन हेल्वेटिक्स ने भी हिस्सा लिया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को 24.1 स्कोर के साथ भूख के मामले में 'सीरियस' कैटेगरी में रखा गया है। सबसे शर्मनाक बात यह है कि भारत 2012 से इस स्कोर या उससे भी बुरे हाल से बाहर नहीं आ पाया है। इंडेक्स तैयार करते समय कुपोषण, बच्चों में स्टंटिंग, वेस्टिंग और चाइल्ड मॉर्टेलिटी जैसे चार ज़रूरी पैरामीटर को ध्यान में रखा जाता है। रिपोर्ट में भारत में बच्चों की हेल्थ के बारे में बहुत डरावने आंकड़े सामने आए हैं भारत की कुल आबादी का 9.8 प्रतिशत अंडरन्यूट्रिश्ड (कुपोषित) है। पांच साल से कम उम्र के 29.3' बच्चे अपनी उम्र के हिसाब से सही हाइट के नहीं हैं भारत में, पाँच साल से कम उम्र के बच्चों में वेस्टिंग बढ़कर 19' हो गई है, जो साउथ एशिया में सबसे ज़्यादा है! पहले यह परसेंटेज 16.9' था, जो अब बढ़ गया है। इस रिपोर्ट में, दूसरे साउथ एशियाई देशों ने भारत से बेहतर परफॉर्म किया है 2018 में नेपाल का स्कोर 18.4 था, जो सुधरकर 14.5 हो गया है (यानी 3.9 पॉइंट्स की बड़ी गिरावट), जबकि भारत का स्कोर सिर्फ़ 1.7 पॉइंट्स कम हुआ है। सिर्फ़ पाकिस्तान की हालत भारत से थोड़ी खराब है, जिसका स्कोर बढ़कर 25.5 हो गया है और वह 122 देशों में 106वें नंबर पर है। केंद्र सरकार का पलटवार दावे खारिज दूसरी तरफ, इंटरनेशनल रिपोर्ट सामने आते ही केंद्र सरकार ने इन सभी दावों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। महिला और बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने पहले बयान देते हुए कहा, 'सरकार 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' के तहत भारत के लगभग 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज देती है। देश में कोई भूखा नहीं है, इसलिए भूख के ये दावे पूरी तरह से बेबुनियाद और निराधार हैं।

अहमदाबाद के न्यू रानीप में मेंटेनेंस और मील कूपन के मुद्दे पर बड़ी लड़ाई

महानगर मेट्रो ब्यूर

अहमदाबाद। शहर के न्यू रानीप इलाके में 'सुकन स्माइल सिटी' सोसाइटी में अंदरूनी झगड़े और सोसाइटी के मेंटेनेंस के मुद्दे पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। मामला तब इतना गरमा गया जब सोसाइटी ने मेंटेनेंस पेंडिंग होने की वजह से मील कूपन देने से मना कर दिया कि मामला मारपीट से मारपीट तक पहुंच गया। इस पूरी लड़ाई और हंगामे का शर्मनाक सीन सोसाइटी के CCTV कैमरे में कैद हो गया है, जिसका फुटेज अब सोशल मीडिया और पुलिस के सामने आ गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, सोसाइटी में हुए किसी प्रोग्राम या इवेंट के दौरान मील कूपन बांटे जा रहे थे। इस दौरान, एक रहने वाले को कूपन देने से मना कर दिया गया क्योंकि सोसाइटी का मेंटेनेंस अभी बाकी था। कूपन का यह आम मुद्दा जल्द ही एक बड़ा विवाद बन गया। मेंटेनेंस न देने के बावजूद कूपन मांगने और कूपन न मिलने पर सोसाइटी के सदस्यों के बीच तीखी बहस हो गई। शिकायत में लगाए गए गंभीर आरोपों के मुताबिक, सोसाइटी में रहने वाले आलाप शुक्ला नाम के एक निवासी को कूपन न मिलने पर उसका अलाउंस चला गया। उसने पहले सोसाइटी के दूसरे पदाधिकारियों और निवासियों के साथ तीखी बहस की और फिर उन्हें गाली-गलौज की। मामला इतना बढ़ गया कि आलाप शुक्ला की सोसाइटी के दूसरे सदस्यों से कहासुनी हो गई और मारपीट शुरू हो गई। इस घटना से सोसाइटी में काफी अफरा-तफरी और डर का माहौल बन गया। इस पूरी हिंसक घटना के बाद, सोसाइटी के कोषाध्यक्ष कनुभाई चौधरी आगे आए हैं और कानूनी कार्रवाई की है। उन्होंने साबरमती पुलिस स्टेशन पहुंचकर आलाप शुक्ला के खिलाफ ऑफिशियल पुलिस शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने कोषाध्यक्ष कनुभाई चौधरी की शिकायत और सोसाइटी में मिले CCTV फुटेज के आधार पर केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। एक शांत रिहायशी इलाके में मेंटेनेंस और मील कूपन जैसे मुद्दों पर सदस्यों के बीच इस तरह की लड़ाई की घटना ने पूरे न्यू रानीप इलाके में चर्चा छेड़ दी है।



बहन से लव अफेयर में 18 साल के अशोक ठाकोर की बेरहमी से हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा। पुलिस की गहरी जांच के बाद, बनासकांठा जिले के वाव गांव के बाहरी इलाके में स्वरूप पाटिया फार्म में कुछ समय पहले मिली 18 साल के अशोक ठाकोर की लाश की गुत्थी आखिरकार सुलझ गई है। यह कोई आम सुसाइड नहीं, बल्कि पहले से प्लान किया गया और बहुत बेरहमी से किया गया मर्डर है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरी घटना की चौंकाने वाली गुत्थी सुलझा ली है। मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक अशोक ठाकोर और आरोपियों के बीच पहले से ही फैमिली या सोशल दुश्मनी थी। पुलिस जांच में पता चला कि अशोक ठाकोर का आरोपी की बहन से लव अफेयर था। इसी लव अफेयर को ध्यान में रखते हुए आरोपी महेश ठाकोर और किरण ठाकोर ने अशोक को हमेशा के लिए खत्म करने की साजिश रची। आरोपियों ने शराब में चार नशीली गोलियां मिलाकर अशोक ठाकोर को फंसाने का बहुत ही चालाकी भरा प्लान बनाया था। प्लान के मुताबिक, आरोपियों ने अशोक को शराब पिलाने के बहाने इकट्ठा किया और उस शराब में चार जानलेवा नशीली गोलियां मिला दीं। इस नशीली और ज़हरीली शराब को पीने के बाद अशोक बेहोश या सेमी-कॉन्शस हालत में आ गया। अशोक के नशे में धुत होने के बाद बेरहम आरोपी महेश ठाकोर और किरण ठाकोर ने उसका गला घोंटकर बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने पूरी घटना को एक्सीडेंट या आत्महत्या का रूप देने के लिए बड़ी चालाकी का इस्तेमाल किया। उन्होंने अशोक के शव को शर्ट की मदद से लटका दिया, ताकि पुलिस और जनता को लगे कि युवक ने आत्महत्या की है। हालांकि, आरोपी पुलिस की पैनी नज़र और गहरी जांच से बच नहीं सके। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और टेक्निकल सर्विलांस और इंटेलिजेंस के आधार पर पुलिस को अंधेरे में चल रहे इस मामले के सुराग मिले। पुलिस ने हत्या और सबूत मिटाने की कोशिश का केस दर्ज कर मुख्य आरोपी महेश ठाकोर और किरण ठाकोर को हिरासत में ले लिया है। प्रेम संबंध की रंजिश में एक बेगुनाह युवक की इस बेरहमी से हत्या से पूरे वाव इलाके में सनसनी फैल गई है।

जयपुर में दिनदहाड़े कंपनी के बाहर से आटे के कट्टों से भरी लोडिंग गाड़ी चोरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजधानी जयपुर में दिनदहाड़े चोरी की वारदात सामने आई है। मानसरोवर के रीको औद्योगिक क्षेत्र में एक कंपनी के बाहर खड़ी आटे के कट्टों से भरी लोडिंग गाड़ी को बदमाश चोरी कर ले गए। वाहन चालक गाड़ी खड़ी कर दूसरे वाहन से किसी काम के लिए बगरू चला गया था। इसी दौरान बदमाशों ने गाड़ी का लॉक तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। दोपहर में लौटने पर चालक को गाड़ी मौके से गायब मिली। इसके बाद कंपनी के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसमें चोरी की घटना कैद मिली। शिप्रापथ थाना पुलिस फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश कर रही है।ह पुलिस के अनुसार, सांगानेर के खुशी नगर निवासी पंकज कुमार (35) ने इस संबंध में चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। एएसआई लालाराम ने बताया कि पंकज मानसरोवर स्थित रीको औद्योगिक क्षेत्र की कन्हैया एंड कंपनी में लोडिंग वाहन चलाता है। 23 अक्टूबर की सुबह उसने टाटा मेगा लोडिंग गाड़ी में आटे के कट्टे भरे और कंपनी के सामने खड़ी कर दी थी। पंकज के मुताबिक, सुबह करीब 8 बजे वह लोडिंग गाड़ी को कंपनी के बाहर खड़ा कर किसी काम से दूसरे वाहन में बगरू चला गया था। इस दौरान लोडिंग गाड़ी आटे के कट्टों सहित वहीं खड़ी रही। पीछे से आए बदमाशों ने मौका पाकर गाड़ी का लॉक तोड़ा और उसे चोरी कर ले गए। दिनदहाड़े कंपनी के बाहर हुई इस वारदात का चालक को उस समय पता नहीं चला। पंकज दोपहर करीब 3 बजे वापस कंपनी पहुंचा तो लोडिंग गाड़ी वहां नहीं मिली। काफी तलाश के बाद कंपनी के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी गई। शनिवार शाम को दर्ज रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।



जयपुर में कोचिंग छात्रा से दोस्ती कर एक लाख रुपए ठगे, रेस्टोरेंट में मिलने बुलाकर मोबाइल से किए दो ट्रांजेक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजधानी जयपुर में कोचिंग छात्रा के साथ धोखाधड़ी कर एक लाख रुपए ऐंठने का मामला सामने आया है। आरोप है कि युवक ने पहले छात्रा से दोस्ती की और फिर मिलने के बहाने उसे एक रेस्टोरेंट में बुलाया। यहां धोखे से उसका मोबाइल लेकर बैंक खाते में 50-50 हजार रुपए के दो ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कर लिए। खाते से एक लाख रुपए ट्रांसफर होने की जानकारी मिलने पर छात्रा ने आरोपी से अपने रुपए वापस मांगे, लेकिन उसने कथित तौर पर धमकी देते हुए रुपए लौटाने से इनकार कर दिया। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस के अनुसार, भीलवाड़ा निवासी युवती जयपुर में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही है। शिकायत में उसने बताया कि 25 मई 2026 को उसकी मुलाकात आरोपी युवक से हुई थी। बातचीत के दौरान दोनों के बीच दोस्ती हो गई और आरोपी उससे मिलने-जुलने लगा। इसी दौरान आरोपी ने मिलने के बहाने उसे एक रेस्टोरेंट में बुलाया। पीड़िता के आरोप के मुताबिक, रेस्टोरेंट में मुलाकात के दौरान युवक ने धोखे से उसका मोबाइल ले लिया। इसके बाद मोबाइल के जरिए उसके खाते से 50-50 हजार रुपए के दो ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कर अपने बैंक खाते में कुल एक लाख रुपए ट्रांसफर कर लिए। शुरुआत में दोस्ती के भरोसे में रही छात्रा को जब अपने खाते से रकम ट्रांसफर होने का पता चला तो उसने आरोपी से संपर्क कर पैसे वापस मांगे। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि जब उसने आरोपी से अपने एक लाख रुपए वापस मांगे तो उसने धमकी देकर रकम लौटाने से इनकार कर दिया। खुद के साथ धोखा होने का एहसास होने पर छात्रा ने पुलिस की शरण ली और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।



जयपुर में शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर पुलिस का शिकंजा, दो दिन में 557 वाहन चालक पकड़े

महानगर मेट्रो ब्यूर

जयपुर। राजधानी में शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ जयपुर पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। विशेष अभियान के तहत पिछले दो दिनों में 557 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। वहीं, पिछले 24 घंटे के दौरान शराब पीकर वाहन चलाते पाए जाने पर 271 चालकों पर कार्रवाई हुई। जयपुर कमिश्नरेट के चारों जिलों में नाकाबंदी कर वाहन चालकों की जांच की जा रही है। पुलिस का उद्देश्य नशे में वाहन चलाने वालों पर अंकुश लगाकर सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को कम करना और यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करना है। जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देशन में 23 अक्टूबर से विशेष अभियान शुरू किया गया। इसके तहत जयपुर कमिश्नरेट के पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण जिलों के साथ ट्रैफिक पुलिस की ओर से भी कार्रवाई की जा रही है। पुलिसकर्मी विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी कर वाहन चालकों की जांच कर रहे हैं। जांच के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।



एक दिन में 271 चालकों पर कार्रवाई

पिछले 24 घंटे में हुई कार्रवाई के आंकड़ों के अनुसार, जयपुर पूर्व जिले में 74, पश्चिम जिले में 37, उत्तर जिले में 25 और दक्षिण जिले में 33 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके अलावा ट्रैफिक पुलिस ने 102 मामलों में कार्रवाई की। इस तरह एक दिन में कुल 271 वाहन चालकों पर शिकंजा कसा गया। 23 अक्टूबर से शुरू हुए अभियान के दौरान अब तक कुल 557 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। इनमें जयपुर पूर्व जिले में 112, पश्चिम जिले में 85, उत्तर जिले में 64 और दक्षिण जिले में 68 मामले शामिल हैं। वहीं, ट्रैफिक पुलिस ने अभियान के दौरान सबसे अधिक 228 मामलों में कार्रवाई की है। पुलिस की ओर से सभी संबंधित क्षेत्रों में जांच और नाकाबंदी के जरिए अभियान को प्रभावी बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने कहा कि शराब पीकर वाहन चलाना कानूनन अपराध है। नशे की हालत में वाहन चलाने से सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। इससे न केवल वाहन चालक, बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की जान भी खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करने और सड़क सुरक्षा बनाए रखने के लिए जयपुर पुलिस की ओर से इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

माउंट आबू में 'संकल्प-2026' की धूम, विद्यार्थियों ने योगासन, मल्लखंभ और कराटे से दिखाया दमखम

आदर्श विद्या मंदिर, शंकर विद्या पीठ में वार्षिक समारोह आयोजित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। आदर्श विद्या मंदिर, शंकर विद्या पीठ में रविवार को वार्षिक समारोह 'संकल्प-2026' उत्साह और उमंग के साथ आयोजित किया गया। समारोह में विद्यार्थियों ने योगासन, पीटी, डंबल, लेजियम, घोष, रस्सी योगासन, मल्लखंभ और कराटे की आकर्षक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी शारीरिक दक्षता, प्रतिभा और अनुशासन का प्रदर्शन किया। वहीं, संस्कृत समूहगान, वाद्य यंत्रों की सामूहिक प्रस्तुति और समूह नृत्य ने कार्यक्रम को सांस्कृतिक रंगों से सराबोर कर दिया। समारोह के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए प्लास्टिक का उपयोग छोड़ने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न शारीरिक गतिविधियों के जरिए अपनी क्षमता और एकाग्रता का परिचय दिया। योगासन और रस्सी योगासन के माध्यम से शारीरिक संतुलन का प्रदर्शन किया गया, जबकि पीटी, डंबल और लेजियम की प्रस्तुतियों में विद्यार्थियों का सामूहिक तालमेल और अनुशासन देखने को मिला। मल्लखंभ और कराटे के प्रदर्शन ने भी उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में संस्कृत समूहगान, वाद्य यंत्रों की सामूहिक धुन और समूह नृत्य ने समारोह को विशेष बनाया।

अतिथियों ने विद्यार्थियों को किया सम्मानित

समारोह में माउंट आबू नगरपालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। जोधपुर के वीबी अध्यक्ष सुनील परिहार और सीआरपीएफ के डीआईजी भारत भूषण सेठी ने विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। अतिथियों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा और उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य धीरज शर्मा ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसमें विद्यालय की उपलब्धियों और विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति का उल्लेख किया गया। समारोह के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी शारीरिक क्षमता, सांस्कृतिक प्रतिभा और अनुशासन प्रदर्शित करने का अवसर मिला। कार्यक्रम के दौरान 'से नो टू प्लास्टिक' का आह्वान करते हुए प्लास्टिक के उपयोग से बचने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। विद्यार्थियों और उपस्थित लोगों को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। समारोह का समापन शांति मंत्र के साथ हुआ।



सरपंच प्रकाश राणा, उप सरपंच तरुण सिंह और वार्ड पंचों का स्वागत; पंचायत व आबू क्षेत्र के विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं पर हुई चर्चा

माउंट आबू में भाजपा ने ओरिया पंचायत के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का किया अभिनंदन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल माउंट आबू की ओर से रविवार शाम ओरिया ग्राम पंचायत के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में नवनिर्वाचित सरपंच प्रकाश राणा, उप सरपंच तरुण सिंह और सभी वार्ड पंचों का सम्मान किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य सहित भाजपा पदाधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों का अभिनंदन करते हुए पंचायत और आबू क्षेत्र के विकास को लेकर चर्चा की। इस दौरान राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान उप सरपंच तरुण सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है, जिनका लाभ हर वर्ग को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर नवनिर्वाचित सदस्यों ने भाजपा को समर्थन दिया है।



पंचायत और आबू क्षेत्र के विकास पर जोर

कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों ने कहा कि ट्रिपल इंजन सरकार ओरिया ग्राम पंचायत और आबू क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों को गति देने और सरकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। जनप्रतिनिधियों के सहयोग से क्षेत्र की विकास संबंधी प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने की बात भी कही गई। इस अवसर पर ग्रामीण मंडल अध्यक्ष मुकेश सिंह, पार्षद अरविंद रावल, महेंद्र सिंह परमार, देबू कंवर, आईटी संयोजक अभिनंदन दीक्षित, भाटी सहित भाजपा के कई पदाधिकारी और ग्रामवासी मौजूद रहे।

पाली में कांग्रेस पार्षद राकेश भाटी समेत 5 के खिलाफ केस, महापौर के पीए ने लगाए धक्का-मुक्की और फाइलें फाड़ने के आरोप

नगर निगम कार्यालय के मुख्य द्वार पर रास्ता रोकने और सरकारी काम में बाधा डालने की शिकायत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। नगर निगम में विकास कार्यों को लेकर चल रहे विवाद के बीच कांग्रेस नेता और पार्षद राकेश भाटी समेत पांच लोगों के खिलाफ कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया गया है। महापौर नमिता बुबकिया के पीए और नगर नियोजन सहायक ऋषभ जोशी ने सरकारी काम में बाधा डालने, गाली-गलौज, धक्का-मुक्की करने तथा सरकारी फाइलें छीनकर फाड़ने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, कांग्रेस पार्षद राकेश भाटी ने आरोपों को खारिज करते हुए इसे झूठा मुकदमा बताया है। कोतवाली थाना प्रभारी रविंद्र सिंह खिंची ने बताया कि ऋषभ जोशी की रिपोर्ट पर राकेश भाटी, लियाकत अली, मुकेश देवासी, अब्दुल रहमान और निर्मल तेजी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में घटना शुक्रवार दोपहर की बताई गई है, जब निगम कर्मचारी महापौर के निर्देश पर शहर में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण करने के लिए निकल रहे थे। शिकायत के अनुसार, शुक्रवार दोपहर करीब 3:45 बजे ऋषभ जोशी, एईएन अजय गेहलोत और जेईएन सुभाषदत्त व्यास शहर में विकास कार्यों का मौका निरीक्षण करने जा रहे थे। निरीक्षण में ट्रांसपोर्ट नगर के सामने फ्लाईओवर की पेंटिंग, खेतावास स्थित ठोस कचरा संयंत्र और आईबी विभाग को जमीन आवंटन से जुड़े कार्य शामिल थे। आरोप है कि निगम कार्यालय के मुख्य द्वार के पास जब कर्मचारी कार में बैठ रहे थे, तभी राकेश भाटी, लियाकत अली, मुकेश देवासी, अब्दुल रहमान, निर्मल तेजी और तीन-चार अन्य लोगों ने उनका रास्ता रोक लिया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि इस दौरान उनके साथ गाली-गलौज और धक्का-मुक्की की गई। उनका हाथ मरोड़कर सरकारी फाइलें छीनने का प्रयास भी किया गया। ऋषभ जोशी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि राकेश भाटी के कहने पर लियाकत अली फाइलें लेकर भागने लगे। मौके पर मौजूद आयुक्त के पीए जगदीश ने बीच-बचाव करते हुए फाइलें छुड़ाईं। इस दौरान फाइलों के कवर और सरकारी कागजात फट गए। शिकायतकर्ता ने घटना से जुड़े साक्ष्य के रूप में निगम परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और मौके पर बनाए गए मोबाइल वीडियो उपलब्ध होने की बात भी कही है। पुलिस अब मामले से जुड़े तथ्यों और साक्ष्यों की जांच कर रही है। दूसरी ओर, कांग्रेस नेता और पार्षद राकेश भाटी ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज कराया गया है। भाटी के मुताबिक, उन्होंने न तो कोई फाइल फाड़ी और न ही किसी के साथ धक्का-मुक्की की। उन्होंने आरोप लगाया कि महापौर के घर फाइलें लेकर जाई जा रही थीं। भाटी ने कहा कि यदि पाली के विकास के लिए आवाज उठाना गलत है, तो उनके खिलाफ 100 मुकदमे भी दर्ज करवा दिए जाएं, लेकिन वे विकास के मुद्दे उठाते रहेंगे। उन्होंने दावा किया कि उनके पास भी वीडियो और अन्य साक्ष्य हैं, जिन्हें जांच अधिकारी के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने संबंधित लोगों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज करवाने की बात कही नगर निगम में यह विवाद शहर के 65 वार्डों में दिवाली से पहले सड़कों के पेचवर्क की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन के बाद सामने आया है। शुक्रवार को विपक्ष के पार्षदों ने आयुक्त के चैंबर के बाहर धरना दिया था। इस दौरान राकेश भाटी ने आरोप लगाया था कि महापौर के वार्ड में बिना टेंडर सड़कें बनाई गईं। प्रदर्शन करीब पांच घंटे से अधिक समय तक चला। बाद में आयुक्त की समझाइश के बाद धरना समाप्त हुआ था। नगर निगम में विकास कार्यों को लेकर शुरू हुआ विवाद अब पुलिस तक पहुंच गया है। एक ओर निगम कर्मचारी की शिकायत पर पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है, वहीं राकेश भाटी ने भी अपने पास साक्ष्य होने का दावा करते हुए कार्रवाई की बात कही है। फिलहाल पुलिस जांच के बाद ही घटना से जुड़े आरोपों की पुष्टि हो सकेगी।

पुलिस से बचने के लिए लगातार बदल रहा था ठिकाने; आरोपी पर था 10 हजार रुपए का इनाम

पांचू एटीएम कैश वैन लूट का इनामी आरोपी गिरफ्तार, बोलेरो कैम्पर जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूर

जोधपुर। पांचू थाना क्षेत्र के बहुचर्चित एटीएम कैश वैन लूट मामले में फरार चल रहे इनामी आरोपी को जोधपुर ग्रामीण पुलिस की जिला विशेष टीम (डीएसटी) ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी मनीष प्रजापत को चामू थाना क्षेत्र के चिड़वाई गांव से पकड़ा। वह सफेद रंग की बोलेरो कैम्पर गाड़ी में घूम रहा था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लूट में प्रयुक्त बोलेरो कैम्पर को भी जब्त किया है। आरोपी की गिरफ्तारी पर पुलिस की ओर से 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था। गिरफ्तारी के बाद उसे आगे की जांच के लिए संबंधित पुलिस थाने को सौंप दिया गया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक पंकज यादव ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार राज्यभर में वांछित और इनामी अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत डीएसटी प्रभारी शंकर कड़वा के नेतृत्व में टीम फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी। पुलिस को इनामी आरोपी मनीष प्रजापत की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे।



मुखबिर की सूचना पर चिड़वाई गांव में दबिश

पुलिस के अनुसार, शनिवार को डीएसटी को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि पांचू थाना क्षेत्र के एटीएम कैश वैन लूट मामले में वांछित मनीष प्रजापत चामू थाना क्षेत्र के चिड़वाई गांव में सफेद रंग की बोलेरो कैम्पर लेकर घूम रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एएसआई श्रवणकुमार भंवरिया के नेतृत्व में टीम तत्काल मौके के लिए रवाना हुई। चिड़वाई गांव में पहुंचकर पुलिस टीम ने संदिग्ध बोलेरो कैम्पर की घेराबंदी की और वाहन चला रहे मनीष को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मनीष पुत्र जियाराम प्रजापत, निवासी देउ, थाना पांचौड़ी, जिला नागौर के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था।

लूट में प्रयुक्त वाहन जब्त, आगे की जांच जारी

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने बोलेरो कैम्पर को जब्त कर लिया। आरोपी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था और वह एटीएम कैश वैन लूट प्रकरण में वांछित चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी और जब्त वाहन को अग्रिम अनुसंधान के लिए संबंधित पुलिस थाना पांचू, जिला बीकानेर को सुपुर्द कर दिया गया है। अब संबंधित थाना पुलिस मामले में आगे की जांच करेगी।

चूरू हादसे में एक ही परिवार के पांच सदस्यों समेत छह की मौत, बच्चों का मुंडन कराने जा रहे परिवार की खुशियां मातम में बदलीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चूरू। राजस्थान के चूरू जिले में शनिवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच सदस्यों और कार चालक की मौत हो गई। परिवार बच्चों का मुंडन करवाने के लिए हरियाणा के गुरुग्राम स्थित कुलदेवी के मंदिर जा रहा था। रास्ते में तेज रफ्तार अर्टिगा कार सामने चल रहे ट्रक में जा घुसी। हादसे में परिवार की नौ महीने की बच्ची घायल हो गई। एक साथ छह लोगों की मौत की खबर गांव पहुंचते ही शोक की लहर दौड़ गई। जिस घर में बच्चों के मुंडन संस्कार को लेकर खुशियों का माहौल था, वहां देखते ही देखते मातम छा गया। हादसा शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे सादुलपुर क्षेत्र में ददरेवा के पास हुआ। तारानगर थाना क्षेत्र के सोमसीसर गांव निवासी भंवरलाल शर्मा (60), उनकी पत्नी महेंद्र देवी (55), बहू यशोदा (34), बहू कविता (28), कविता के चार महीने के बेटे कन्हैया और कार चालक मांगीलाल नाई (31) की मौत हो गई। यशोदा की नौ महीने की बेटी दिव्यांशी हादसे में घायल हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बच्ची उछलकर कार के नीचे पैरों की तरफ जा गिरी। इसी वजह से वह परिवार के अन्य सदस्यों के साथ गंभीर टक्कर की चपेट में आने से बच गई। इस हादसे का सबसे भावुक पहलू यह रहा कि दुर्घटना से करीब दो घंटे पहले ही परिवार की छोटी बहू ने वॉट्सऐप स्टेटस पर एक वीडियो साझा किया था।



जालोर में स्कॉर्पियो-वैन की आमने-सामने भिड़ंत, कांग्रेस प्रत्याशी समेत तीन घायल

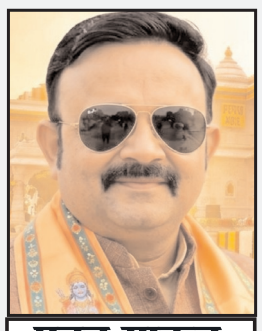
महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। जिले के आहोर थाना क्षेत्र में रविवार को बोकड़ा गांव के पास स्कॉर्पियो और मारुति वैन की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में जालोर पंचायत समिति के वार्ड संख्या 2 से कांग्रेस प्रत्याशी सोकलाराम भील समेत तीन लोग घायल हो गए। तीनों के पैरों में फ्रैक्चर होने की जानकारी सामने आई है। हादसे के बाद घायलों को एम्बुलेंस की सहायता से जालोर लाया गया, जहां उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। फिलहाल तीनों का उपचार जारी है। जानकारी के ुसार, आगामी चुनाव को लेकर कांग्रेस प्रत्याशी सोकलाराम भील गांव-गांव जाकर प्रचार कर रहे थे। रविवार को वे अपने दो समर्थकों के साथ मारुति वैन में सवार होकर बोकड़ा से बिशनगढ़ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सरूपरा गांव की तरफ से आ रही एक स्कॉर्पियो ने उनकी वैन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वैन में सवार तीनों लोग घायल हो गए। हादसे में बोकड़ा निवासी कांग्रेस प्रत्याशी सोकलाराम भील, देबावास निवासी चेनाराम सुथार और बोकड़ा निवासी हंसराम मेघवाल घायल हो गए। दुर्घटना में तीनों के पैरों में फ्रैक्चर होने की जानकारी सामने आई है। घटना के बाद घायलों को एम्बुलेंस की मदद से जालोर पहुंचाया गया। यहां एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाकर उनका उपचार शुरू किया गया। हादसे की जानकारी मिलने के बाद उनके परिचितों और समर्थकों में चिंता का माहौल रहा। हादसे की सूचना मिलने पर जालोर नगर परिषद सभापति बंशीलाल माली, पूर्व मंत्री पुखराज पाराशर, सवाराम पटेल तथा पार्षद हुकमीचंद सोलंकी और नरेश राणा अस्पताल पहुंचे।



सम्पादकीय

सत्ता की अराजकता को छिपाने के लिए 'अराजकता' का नया ड्रामा



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

इस देश में सत्ता में बैठे शासक वर्ग ने अब अपने काले कारनामों और अराजकता को छिपाने के लिए सबसे निचले लेवल के हथकंडे अपनाए हैं। जब लोग सवाल पूछते हैं और अपनी ही अराजकता और अराजकता का जवाब मांगते हैं, तो यही शासक एक बार फिर देश की भोली-भाली जनता को अराजकतावादी' कहकर बेवकूफ बनाने की कोशिश कर रहे हैं। अब यह आपको और इस देश को तय करना है कि गुलामी के इस नैरेटिव से बेवकूफ बनना है या सच के लिए खड़े होकर सवाल पूछना है!वोट चोरी के डर से बचने के लिए बनाई गई नई स्ट्रैटेजीः अराजकता जब चुनावों में वोट चोरी के बहुत ही बुनियादी और गंभीर मुद्दे ने सत्ताधारी पार्टी को चारों तरफ से घेर लिया, तो इन बेबस और फंसे हुए शासकों को इस कीचड़ से निकलने के लिए एक बिल्कुल नए नैरेटिव की सख्त ज़रूरत थी। आज़ादी के बाद के इतिहास में इस सरकार ने कभी किसी बुनियादी समस्या का हल नहीं निकाला, सिर्फ़ लोगों का ध्यान उससे हटाने का काम किया है। आज जब वोट चोरी का काला कांड पकड़ा गया है, तो उन्होंने इससे बचने के लिए एक नई स्ट्रेटेजी बनाई है - एनार्की, यानी अराजकता! इन हुक्मरानों का लॉजिक यह है कि जो भी नागरिक, युवा या संगठन सरकार के इस माफ़ न किए जा सकने वाले और पहले कभी न हुए चुनावी घोटाले और धोखाधड़ी के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाते हैं, आंदोलन करते हैं या सड़कों पर उतरते हैं, वे सब अराजकता फैलाने वाले 'अराजकतावादी' हैं!

ज़रा सोचिए, विडंबना की भी सीमा होती है! वोट चोरी के मुख्य सूत्रधार माने जाने वाले अमित शाह बड़ी हिम्मत से कहते हैं कि सत्ता बदलनी है तो चुनाव से बदलनी होगी-अरे सर, लेकिन बड़े भाई, यही तो सबसे बड़ा बुनियादी मुद्दा है! जब आप अरबों रुपये और सिस्टम का गलत इस्तेमाल करके चुनावों में इतनी बड़ी गड़बड़ी करते हैं, और फिर रंगे हाथों पकड़े जाते हैं और लोगों के सवालों के घेरे में आते हैं, तो हुक्मरान आकर उपदेश देते हैं कि 'जाओ और चुनाव लड़ो!' जिस चुनाव प्रक्रिया को आपने पहले ही मैनेज करके हथियार बना लिया है। लोकतंत्र और संवैधानिक तरीकों की बात करने वालों को यह क्यों नहीं दिखता कि इस सरकार ने उन सभी संवैधानिक तरीकों, जांच एजेंसियों और अदालतों समेत ज़रूरी तरीकों पर पहले ही कब्ज़ा कर लिया है? ऐसे सिस्टम के खिलाफ सड़कों पर उतरकर विरोध करना जो गुलाम बन गया है, अब डेमोक्रेसी और नागरिकों का आखिरी कानूनी हक है। इस सरकार ने अपनी गद्दी के लिए असली अराजकता फैलाई है। अगर इस देश में किसी ने अराजकता या अफरा-तफरी फैलाई है, तो वह इन शासकों ने अपनी पॉलिटिकल बादशाहत बनाए रखने के लिए फैलाई है। इसका पूरा सबूत यह है

1. **वोटर लिस्ट स्कैमः** इस सरकार ने चुनाव जैसे पवित्र और छोटे प्रोसेस में अब तक की सबसे बड़ी और सबसे बेसिक अफरा-तफरी मचाई है। देश के अलग-अलग हिस्सों में वोटर लिस्ट में ही बड़े पैमाने पर गड़बड़ी और हेराफेरी हुई है, जिसके अनगिनत सबूत एक नहीं बल्कि कई इंडिपेंडेंट मीडिया आउटलेट्स और रिपोर्ट्स में लगातार सामने आ रहे हैं।
2. **बॉर्डर की असलियत छिपानाः** यह सरकार देश के नागरिकों को देश की सीमाओं पर चीन की घुसपैठ और कब्ज़े के बारे में लगातार अंधेरे में रख रही है। अगर बॉर्डर फोर्स का कोई हेड अपने किसी भाषण में सच बोलता है, तो वह वीडियो डिलीट कर दिया जाता है! प्रधानमंत्री के मुंह से 'चीन' शब्द नहीं निकलता, लेकिन उनके गायक TikTok पर बैन लगाने का नाटक करके अपनी 'बहादुरी' के झूठे गाने गा रहे हैं।
3. **मणिपुर की जलती आगः** मणिपुर में सालों से सिविल वॉर जैसी अफरा-तफरी मची हुई है, हिंसा की आग भड़की हुई है और इस सरकार को आज तक कोई परवाह नहीं है कि वहां क्या हो रहा है। दुनिया भर में घूमकर तस्वीरें लेने वाले प्रधानमंत्री को एक बार भी मणिपुर जाने का समय या इच्छा नहीं हुई, जहां उनके अपने घर के पीछे भारत का एक कोना जल रहा है।
4. **स्कूलों में अफरा-तफरी मचाने वाले नए कानूनः** जब सरकारी स्कूलों और एजुकेशन सिस्टम में दरारें सामने आने लगीं, तो अफरा-तफरी को ठीक करने के बजाय, यह सरकार एक नया कानून ले आई कि स्कूलों में 'अनऑथराइज़्ड' घुसने वालों पर ही गंभीर जुर्म का केस चलेगा! ज़रा सोचिए, इस सरकार को स्कूलों को उखाड़ने और बर्बाद करने की कोई परवाह नहीं है (क्योंकि उन्होंने बहुत अफरा-तफरी मचाई है), बल्कि उन्होंने असली नागरिकों और उन्हें सामने लाने वाले पत्रकारों के खिलाफ दबाने वाले कानून लागू कर दिए हैं।
5. **आर्थिक आंकड़ों का भ्रमः** जब पूरी दुनिया को पता चला कि देश की अर्थव्यवस्था के सही और कड़े आंकड़ों में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी हुई है, तो उन अर्थशास्त्रियों और संस्थाओं पर आरोपों की बाढ़ आ गई जिन्होंने उन सही आंकड़ों को छापा था और ठोस मुद्दों को देशद्रोही कहकर दबा दिया गया।

शांतिपूर्ण प्रदर्शन को बताया संवैधानिक अधिकार, अर्धसैनिक बलों को गृह मंत्रालय के बजाय रक्षा मंत्रालय के अधीन रखने की मांग

मुंबई। सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने कहा है कि जनता की आवाज दबाने से सरकारों को नुकसान हो सकता है। मुंबई में आयोजित आईपीएफ फेस्टिवल के दौरान उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन सरकारों को अपनी गलतियां सुधारने और बेहतर तरीके से काम करने का अवसर देते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को अपनी नाराजगी जाहिर करने का मौका मिलना चाहिए, क्योंकि विरोध की आवाज सुनना लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वांगचुक ने ब्रिटेन, नॉर्वे और स्वीडन जैसे देशों का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां संसद के ठीक सामने भी विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति है। उनके अनुसार, शांतिपूर्ण तरीके से सड़कों पर प्रदर्शन करना नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है और इसके लिए अनुमति लेने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि जब लोगों को अपनी बात रखने का अवसर नहीं मिलता, तो असंतोष बढ़ सकता है और हालात बिगड़ सकते हैं। उन्होंने श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में हुए घटनाक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकारों को जनता की नाराजगी को गंभीरता से सुनना चाहिए। प्रदर्शनकारियों और सीजेपी नेताओं की गिरफ्तारी के मुद्दे पर वांगचुक ने कहा, 'संदेश लाने वाले को मत मारो, संदेश सुनो।' उन्होंने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि अर्धसैनिक बलों का इस्तेमाल अपने ही देश के लोगों और युवाओं के खिलाफ किया जा रहा है। इस महीने की शुरुआत में सीजेपी के प्रदर्शन के आह्वान के दौरान अर्धसैनिक बलों की तैनाती को लेकर भी केंद्र सरकार की आलोचना हुई थी। वांगचुक के मुताबिक, प्रदर्शन करने वालों की बात सुनने के बजाय उनके खिलाफ कार्रवाई करना समस्या का समाधान नहीं है। सरकारों को विरोध के पीछे की वजह समझने और लोगों की शिकायतों पर विचार करने की जरूरत है। उन्होंने शांतिपूर्ण असहमति को लोकतंत्र का हिस्सा बताते हुए कहा कि नागरिकों को अपनी समस्याएं और नाराजगी जाहिर करने का अवसर मिलना चाहिए। वांगचुक ने देश की सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार को सीमाओं की रक्षा को सबसे अधिक प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अर्धसैनिक बलों का इस्तेमाल आंतरिक सुरक्षा के लिए बार-बार किया जा रहा है, जबकि उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सीमाओं की सुरक्षा भी है। उन्होंने मांग की कि अर्धसैनिक बलों को गृह मंत्रालय के बजाय रक्षा मंत्रालय के अधीन रखा जाना चाहिए, ताकि सीमा सुरक्षा पर अधिक ध्यान दिया जा सके। लद्दाख का जिक्र करते हुए वांगचुक ने दावा किया कि चीन धीरे-धीरे भारतीय क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सर्दियों के दौरान जब अर्धसैनिक बलों को दूसरे कामों के लिए सीमा से हटाया जाता है, तो चीन को आगे बढ़ने का मौका मिल सकता है। उनके मुताबिक, किसी क्षेत्र में एक बार घुसपैठ होने के बाद वहां से पीछे हटाना मुश्किल हो सकता है। वांगचुक ने कहा कि गृह मंत्रालय को सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर ध्यान देना चाहिए, ताकि कोई दुश्मन देश भारतीय क्षेत्र में प्रवेश न कर सके। उन्होंने अर्धसैनिक बलों की जिम्मेदारियों और उनके प्रशासनिक नियंत्रण को लेकर बदलाव की जरूरत बताई। उनके अनुसार, देश की आंतरिक चुनौतियों से निपटने और सीमाओं की रक्षा करने के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। वांगचुक के बयान में शांतिपूर्ण विरोध, नागरिकों के अधिकार और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। उन्होंने सरकारों से अपील की कि जनता की शिकायतों को दबाने के बजाय उन्हें सुनकर समाधान निकालने का प्रयास किया जाए।



हॉस्पिटल या हॉस्पिटल..



सालों पहले की बात है। मुझे नई नौकरी मिली, स्कूल जॉइन किया। रहने का इलाका मेरे लिए नया था। सब कुछ अनजान था।
धीरे-धीरे, 'कैसे हो..?' से शुरू होकर... मैं गांव वालों से जान-पहचान बढ़ाने लगा। हमारा परिवार पहचान में नंबर वन था। बड़े, जो स्वभाव से मिलनसार थे... अपनी ईमानदार सेवा के लिए मशहूर हो गए थे.. हमारे पड़ोस के चौथे घर में एक परिवार रहता था। बच्चों में एक 8 साल की बच्ची थी..! जिसका नाम भीखी था। भीखी हमारे बच्चों से घुल-मिल गई थी। वह मेरे सबसे छोटे बेटे के साथ खेलती, खाती-पीती, मासूमियत से पेश आती..!
एक-दो महीने बाद मुझे पता चला कि भीखी अपने ही भाई की इच्छाओं से बहुत जुड़ी हुई थी। धीरे-धीरे परिवार में मेलजोल बढ़ गया, और बातचीत से मेरी पत्नी को पता चला कि लंबे समय में, उनके पास अभी भी मिट्टी में हिस्सा नहीं है। और हर कपल के लिए एक होना स्वाभाविक है। तरह-तरह के इलाज और टोटकों के बावजूद, यह जानकर कि सफलता हाथ से निकल रही है, वह निराश हो गई..! जैसे-जैसे दिन बीतते गए... नारायण, कुछ समय बाद, अच्छी खबर फैलने लगी... कि बहन के दिन अच्छे जा रहे हैं। शुरू से ही स्त्री रोग विशेषज्ञ की देखरेख में इलाज शुरू किया गया। इस बात से अनजान छोटा भिखारी, इससे अनजान था। संयोग से, भिखारी की माँ अस्पताल में भर्ती हो गई। भिखारी हमें घर पर छोड़कर दोनों अस्पताल चला गया।
भिखारी, मम्मी कहाँ गईं..? क्यों गईं..? कब आएंगी..? ऐसे सतही सवाल पूछती रही। छोटी होने के कारण समझाने पर भी समझ जाती। और खेलने में व्यस्त हो जाती।
कुछ ही घंटों में, खुशखबरी गाँव में पहुँच गई। भिखारी की उम्मीद पूरी हुई। शाम को भिखारी की माँ को छुट्टी मिल गई। खुश परिवार घर आ गया।
भिखारी ने फिर सवालों की बौछार कर दी। सब लोग खेत से इकट्ठा हो गए। सब एक ही बात कह रहे थे... किस्मत वाले भिखारी को भाई मिल गया। भिखारी बहुत खुश हुआ।
भिखारी ने एक आखिरी सवाल पूछा। वहां मौजूद सभी लोग हैरान रह गए... डॉक्टर कितने अच्छे हैं..! उन्होंने हमारे लिए कितनी दुआएं कीं कि... 'उन्होंने मेरी मां को एक भाई दिया..
ईमानदार भिखारी को कैसे पता चलता... नौ महीने की मेहनत..
हम एक डॉक्टर का इलाज हैं।
लेकिन, एक भूखा मन... फिर 'दुख का..

डॉ. सुरेशभाई एच. पटेल.
-स्मृति...

लाखों रुपये की सरकारी सैलरी के बावजूद 'किश्तों और कटौतियों' का बोलबाला है, तो दस-पंद्रह हज़ार कमाने वाले नागरिक से ईमानदारी की उम्मीद क्यों?

अगर देश की जनता या सत्ता के नशे में अंधे शासकों को भगवान या कानून का सच में डर होता, तो क्या इस देश और राज्यों में भ्रष्टाचार का इतना भयानक राक्षस पैदा होता? अगर एक लाख से ढाई-तीन लाख रुपये की मोटी सरकारी सैलरी और जनता के टैक्स के पैसे से सारी लग्ज़री सुविधाएँ पाने वाले नेता और अधिकारी भी 'ज़्यादा कमाई' और दिन-रात उगाही की उम्मीद कर रहे हैं, तो यह सिस्टम 10-15 हज़ार की मामूली रकम के लिए दिन-रात मेहनत करने वाले आम आदमी से ईमानदारी और सच्चाई की उम्मीद कैसे कर सकता है?
होम डिपार्टमेंट से लेकर कलेक्टर ऑफिस तक 'टॉप-अप कमाई' का लालच
इस देश की बदकिस्मती यह है कि होम डिपार्टमेंट, जिस पर लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने की ज़िम्मेदारी है, उसमें PI, DySP, SP, IG से लेकर छत्र लेवल तक के अधिकारी लाखों रुपये सैलरी लेते हैं। लेकिन, एक्सटॉर्शन और किकबैक सिस्टम का रोज़ का हिस्सा बन गए हैं। और ये किश्तें किससे वसूली जाती हैं? किसी आम व्यापारी से, किसी छोटे लॉरी ड्राइवर से या किसी आम नागरिक से! इसी तरह, हमारे नुमाइंदे, यानी MLA और MP, जिन्हें हर महीने एक से दो लाख रुपये सैलरी और कई अलाउंस मिलते हैं, सरकारी कॉन्ट्रैक्टरों से 'इंटरेस्ट' और किकबैक की उम्मीद लगाए बैठे हैं। चाहे GPCB हो, फ़ूड एंड ड्रग्स डिपार्टमेंट हो, कंज्यूमर प्रोटेक्शन हो, ममलतदार हो, स्छरू हो या कलेक्टर ऑफिस... सरकारी खजाने से मोटी सैलरी लेने के बाद भी, ज़्यादातर टेबल पर 'ऊपर से कुछ मिलेगा तभी फ़ाइल आगे बढ़ेगी' वाली सोच घर कर गई है। फिर सवाल उठता है कि यह देश और समाज किस नैतिक आधार पर छोटे कर्मचारियों, सफाई कर्मचारियों, कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले कर्मचारियों या छोटे नेताओं-एक्टिविस्टों से ईमानदारी की उम्मीद कर सकता है, जिन्हें पूरी सैलरी नहीं मिलती, या मिलती भी है तो कुछ भी नहीं? 'काम का बोझ है' का बहाना और बेरोज़गारी की असलियत
जब भी इन भ्रष्ट अधिकारियों या नेताओं से उनके काम या देरी के बारे में पूछा जाता है, तो एक ही जवाब मिलता हैः 'क्या आपको पता है कि हमारे पास काम का कितना बोझ है? 'लेकिन असली सच्चाई यह है कि अगर इतनी बड़ी सरकारी सैलरी, कार और सुविधाओं के बाद भी आपको काम का बोझ महसूस होता है, तो भाई प्लीज़ कुर्सी छोड़ दो! बाहर लाखों पढ़े-लिखे और काबिल बेरोज़गार युवा हैं, जो नौकरी के लिए भटक रहे हैं, जो ईमानदारी से देश की सेवा करने के लिए तैयार हैं। किसी ने आप पर एहसान करके आपको इस कुर्सी पर नहीं बिठाया है।
इस देश का राज, आपकी सैलरी और आपकी शानदार छत इस देश के गरीब और मिडिल क्लास लोगों के टैक्स के पैसे से चलती है, यह किसी के बाप-दादाओं की पीढ़ी नहीं है!
श्योर गुजरात क्लैरिटीस्पेशल नोटः यह आर्टिकल उन सभी सरकारी बाबुओं और नेताओं के लिए एक कठोर आईना है, जो लोगों के टैक्स से मोटी सैलरी लेने के बाद भी किश्तों, किकबैक और रिश्वत की उम्मीद करते हैं। इस आर्टिकल में उन सम्मानीय नेताओं और अधिकारियों के लिए पूरा सम्मान है जो देश और समाज के लिए पूरी ईमानदारी और ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाते हैं।

प्रेमः केमिकल लोचा, सोशल मीडिया का ट्रेंड या ज़िंदगी का असली सीक्रेट मसाला?



रूपेश सोलंकी

प्रेम यानी लव... एक ऐसा शब्द, जिसे सुनते ही दिल की धड़कनें दोगुनी रफ़्तार से दौड़ने लगती हैं! आज के डिजिटल युग में, जहाँ सब कुछ एक टैप में बदल जाता है, वहीं प्रेम की परिभाषा भी कुछ हद तक अपडेट हो गई है। आज बात करते हैं ऐसे प्रेम की, जो सोशल मीडिया की दुनिया से थोड़ा अलग है और जिसे समझना आज के युवाओं के लिए बेहद ज़रूरी है।

इंस्टाग्राम रील्स बनाम वास्तविक जीवन का प्यार

आजकल तो प्यार की शुरुआत भी इंस्टाग्राम की स्टोरी पर कुछ री-शेयर करने या हार्ट इमोजी भेजने से हो जाती है। कपल गोल्स के नाम पर सोशल मीडिया पर परफेक्ट तस्वीरें पोस्ट करना आज का ट्रेंड बन गया है। लेकिन दोस्तों, असली प्यार रील्स के 15 सेकंड के ग्लैमर से कहीं अधिक गहरा होता है। सच्चा प्यार वह नहीं है, जहाँ रोज़ महँगे उपहार मिलें या कैफ़े की रोशनी में तस्वीरें खिंचवाई जाएँ। सच्चा प्यार वह है, जहाँ आपको आप जैसे हैं, वैसे ही दिल से स्वीकार किया जाए। न कोई दिखावा, न कोई फ़िल्टर–बस सच्चे एहसास!
प्यार का मतलब गुलामी नहीं, बल्कि आज़ादी है!
आज के युवा वर्ग में अक्सर प्यार और पज़ेसिवनेस यानी ज़रूरत से ज़्यादा अधिकार जताने के बीच भ्रम पैदा हो जाता है। 'तुम किससे बात कर रहे हो? ', 'ऐसे कपड़े क्यों पहने? 'अपना पासवर्ड मुझे दो '–अगर इन सबको ही प्यार की परिभाषा माना जा रहा है, तो ज़रा ठहरिए! प्यार कभी किसी को पिंजरे में कैद नहीं करता। प्यार तो वे पंख हैं, जो आपको अपने सपने पूरे करने की आज़ादी देते हैं। जहाँ एक-दूसरे पर पूरा भरोसा हो और एक-दूसरे की निजी स्वतंत्रता का सम्मान किया जाए, वही रिश्ता सच्चे प्यार की पहचान है।
सबसे ज़रूरीः सेल्फ लव यानी खुद से प्यार
किसी दूसरे के प्यार में पड़ने से पहले खुद से प्यार करना बेहद ज़रूरी है। यदि आप स्वयं का सम्मान नहीं करेंगे, तो दूसरों से सम्मान की उम्मीद करना भी मुश्किल हो जाएगा। अपने करियर, अपनी फिटनेस और अपने सपनों को कभी किसी रिश्ते के लिए कुर्बान न करें। जो व्यक्ति आपसे सच्चा प्यार करेगा, वह आपके सपनों का भी उतना ही सम्मान करेगा।

युवा दिलों के लिए एक आख़री बात

प्यार ज़िंदगी का एक बेहद खूबसूरत हिस्सा है, लेकिन पूरी ज़िंदगी नहीं। यदि किसी रिश्ते में आपको मान-सम्मान नहीं मिलता, तो वहाँ से गरिमा के साथ बाहर निकल जाना ही बेहतर है। प्यार में आगे बढ़ना, बीते रिश्ते से उबरना और अस्वीकृति को स्वीकार करना भी परिपक्वता की निशानी है। दिल खोलकर प्यार कीजिए–अपने काम से, अपने परिवार से, अपने साथी से और सबसे बढ़कर खुद से! क्योंकि सच्चा प्यार वही है, जो आपकी ज़िंदगी को बेहतर बनाए, आपकी पहचान को निखारे और आपको एक बेहतर इंसान बनने की प्रेरणा दे।

अराजकता के नाम पर रूलिंग पार्टी की रैलियां देश के लिए कितनी घातक हैं? लोगों के मन में उठ रहे तीखे सवाल

देश में पॉलिटिकल गर्मी अपने चरम पर पहुंच गई है। रूलिंग पार्टी द्वारा अराजकता के खिलाफ और डेमोक्रेसी बचाने के नाम पर की जा रही रैलियों पर अब पूरे देश में कई सवाल उठ रहे हैं। देश का जागरूक वर्ग, नागरिक और विपक्षी पार्टियां पूछ रही हैं कि क्या ये रैलियां सच में देश और डेमोक्रेसी को बचाने के लिए हैं या फिर यह डेमोक्रेसी के चौथे और सबसे अहम पिलर विपक्ष की आवाज को हमेशा के लिए दबाने और उसे खत्म करने की पॉलिटिकल साजिश है?
डेमोक्रेसी बचाने का दावा या विपक्ष-मुक्त भारत का सपना?
डेमोक्रेसी की नींव ही 'विपक्ष' और 'सवाल पूछने के अधिकार' पर टिकी है। अगर देश में मजबूत विपक्ष नहीं होगा, तो लोगों की आवाज को सत्ता के गलियारों तक कौन पहुंचाएगा? जब भी जनता और विपक्ष देश में बेरोजगारी, महंगाई, बॉर्डर सिक्योरिटी, वोटर लिस्ट या करप्शन जैसे बहुत सेंसिटिव मुद्दों पर सवाल पूछते हैं, तो रूलिंग पार्टी रैलियां और मीटिंग करके यह नैरेटिव बनाने की कोशिश करती है कि जो लोग विरोध करते हैं, वे सभी 'अराजकतावादी' हैं। इस तरह की पॉलिटिक्स देश के डेमोक्रेटिक सिस्टम के लिए बहुत ही जानलेवा और शर्मनाक साबित हो रही है।

अराजकता कौन फैला रहा है?

सत्ता में बैठे नेता अपनी नाकामियों और धोखाधड़ी को छिपाने के लिए रैलियों के ज़रिए नए पॉलिटिकल नैरेटिव बनाते हैंः
क्या सवाल पूछना अराजकता है? अगर कोई आम नागरिक, आंदोलनकारी या विपक्ष का नेता सरकार के फैसलों पर सवाल उठाता है, तो उसे अराजकतावादी कहा जाता है।
सिस्टम का इस्तेमालः सरकारी मशीनरी, जांच एजेंसियों और संस्थाओं का गलत इस्तेमाल करके विपक्षी नेताओं को डराना और अपनी रैलियों के ज़रिए पावर दिखाना कैसा लोकतंत्र है? बिना विपक्ष का लोकतंत्र तानाशाही जैसा हैः लोगों के मुद्दों से ध्यान भटकाने और सिर्फ़ विपक्ष को कुचलने की यह पॉलिसी देश को भविष्य में तानाशाही की ओर धकेल रही है।
लोगों के सोचने का समय हैः बेवकूफ बनें या जागरूक बनें? देश के लोगों को अब ठंडे दिमाग से सोचने की ज़रूरत है कि जब भी रूलिंग पार्टी इतनी बड़ी रैलियां और प्रदर्शन करती है, तो देश के बुनियादी मुद्दे कहां गायब हो जाते हैं?
जब सरकार के पास चुनाव प्रोसेस में ट्रांसपेरेंसी, महंगाई से राहत, युवाओं को रोज़गार और बॉर्डर की सुरक्षा जैसे ज्वलंत सवालों के सही जवाब नहीं होते, तो ऐसी 'रैलियों और शक्ति प्रदर्शन' वाले प्रोग्राम करके देश का ध्यान भटकाने की कोशिश की जाती है। लोकतंत्र तभी बचेगा जब देश में एक मज़बूत और आज़ाद विपक्ष होगा। अगर लोकतंत्र के पिलर विपक्ष को खत्म करने का यह खेल ऐसे ही चलता रहा, तो यह पूरे देश के संवैधानिक ढांचे के लिए बहुत घातक साबित होगा। महानगर मेट्रो न्यूज़ हमेशा लोकतंत्र, संविधान और लोगों के हित में सच्ची और बुलंद

आज का राशिफल

(सोमवार)26 अक्टूबर 2026



कानपुर में भाभी ने दांतों से देवर के प्राइवेट पार्ट में काट लिया... हॉस्पिटल पहुंचा तो लगे 55 टांके

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले के सजेती थाना क्षेत्र में बच्चों के बीच शुरू हुआ विवाद परिवार के बड़ों तक पहुंच गया। पुराऊपुर गांव में हुए इस झगड़े के दौरान एक महिला पर अपने देवर के संवेदनशील अंग पर दांतों से काटकर घायल करने का आरोप है। युवक को



उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसे 55 टांके लगाए गए। घायल युवक की पत्नी ने अपनी जेठानी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, विवाद की शुरुआत बच्चों के बीच कहासुनी से हुई थी। बताया जा रहा है कि महिला का बेटा अपनी चाची के यहां गया था, जहां किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। इस दौरान युवक ने कथित तौर पर अपनी भाभी के बेटे की पिटाई कर दी। युवक की पत्नी ने भी बच्चे को डांटा था। घर पहुंचकर बच्चे ने अपनी मां को पूरी बात बताई, जिससे वह नाराज हो गई। इसके बाद बच्चे की मां मौके पर पहुंची और अपनी देवरानी व देवर से विवाद करने लगी। देखते ही देखते कहासुनी बढ़ गई। आरोप है कि इसी दौरान महिला ने अपने देवर पर हमला कर दिया और उसे दांतों से काटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद घायल युवक को पहले घाटमपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां से उसे बेहतर उपचार के लिए कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने उसका उपचार शुरू किया। रिपोर्ट के मुताबिक, इलाज के दौरान युवक को 55 टांके लगाए गए। पुलिस के अनुसार, घायल युवक की पत्नी ने अपनी जेठानी के खिलाफ तहरीर दी है। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। एसीपी कृष्णकांत के मुताबिक, घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी और घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

दहेज केस में फैसले से 2 दिन पहले विवाहिता की मौत, फौजी पति समेत 6 पर हत्या का मुकदमा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में विवाहिता रुबीना की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका के परिजनों ने उसके पति अलीशान पर हत्या का आरोप लगाया है, जो भारतीय सेना में कार्यरत बताया जा रहा है। परिजनों का आरोप है कि अलीशान ने रुबीना को व्हाट्सऐप संदेश भेजकर मिलने के लिए बुलाया था।



इसके करीब 3 दिन बाद उसका शव वाजिदपुर-बिजरौल रोड के पास गन्ने के खेत में मिला। मामले में पति समेत 6 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। यह मामला बड़ौत कोतवाली क्षेत्र के खरखड़ी गांव से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार, रुबीना की शादी करीब 3 साल पहले मुजफ्फरनगर जिले के पुरबालियान गांव निवासी अलीशान से हुई थी। अलीशान सेना में तैनात है और उसकी पोस्टिंग कश्मीर में बताई गई है। परिजनों के मुताबिक, शादी के कुछ समय बाद ही पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हो गया था। आरोप है कि रुबीना के साथ मारपीट भी की गई थी। परिवार ने दोनों के बीच समझौता कराने का प्रयास किया, लेकिन विवाद दोबारा बढ़ गया। इसके बाद रुबीना अपने मायके आ गई थी। वह करीब 2 साल से मायके में रह रही थी और उसका 2 साल का एक बेटा भी है। पति-पत्नी के बीच विवाद को लेकर दहेज का मुकदमा अदालत में विचाराधीन था। परिजनों के अनुसार, 26 तारीख को इस मामले में फैसला आने की तारीख निर्धारित थी। इसी बीच रुबीना की मौत की खबर सामने आने से परिवार में शोक छा गया।न परिजनों का आरोप है कि अलीशान ने व्हाट्सऐप पर संदेश भेजकर रुबीना को मिलने के लिए बुलाया था और बेटे को भी साथ लाने के लिए कहा था। परिवार के मुताबिक, रुबीना करीब 3 दिन पहले घर से निकली थी, लेकिन वह अपने बेटे को साथ नहीं ले गई और मोबाइल फोन भी मायके में छोड़ गई थी। जब वह काफी समय तक वापस नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इसी बीच पुलिस को वाजिदपुर-बिजरौल रोड के पास गन्ने के खेत में एक महिला का शव पड़े होने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान कराई, जो रुबीना का निकला। परिजनों ने आरोप लगाया कि रुबीना को जहर देकर और गला दबाकर उसकी हत्या की गई। जहर का इंजेक्शन दिए जाने का आरोप भी लगाया गया है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही हो सकेगी। रुबीना की मौत के बाद उसकी बहन कोमल ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। परिवार ने पुलिस से मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों को सजा दिलाने की मांग की है। बड़ौत के सीओ अंशु जैन के अनुसार, पुलिस को गन्ने के खेत में महिला का शव मिलने की सूचना मिली थी। शव की पहचान रुबीना के रूप में हुई है।

चंदौली के बंद कमरे में मिला महिला का सड़ा-गला शव, तेज दुर्गंध आने पर लोगों ने पुलिस को दी थी सूचना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंदौली। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र स्थित वीडीए कॉलोनी में एक किराए के मकान के बंद कमरे से 57 वर्षीय महिला का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। कमरे से तेज दुर्गंध आने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा खुलवाकर अंदर जांच की तो महिला मृत अवस्था में मिली। शव पुराना होने के कारण मौत के कारणों का पता लगाने के लिए उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान सत्यभामा श्रीवास्तव के रूप में हुई है। वह वीडीए कॉलोनी स्थित एक किराए के मकान में रहती थीं और रामनगर औद्योगिक क्षेत्र स्थित पारले कंपनी में कार्यरत थीं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, सत्यभामा को आखिरी बार करीब 4-5 दिन पहले देखा गया था। इसके बाद वह दिखाई नहीं दीं। बताया जा रहा है कि कुछ समय से बंद कमरे से तेज दुर्गंध आ रही थी। शुरुआत में लोगों ने इस पर ध्यान नहीं दिया, लेकिन दुर्गंध बढ़ने पर उन्हें संदेह हुआ। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे का दरवाजा खुलवाकर अंदर प्रवेश किया। वहां सत्यभामा का शव मिला। शव की स्थिति को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि उनकी मौत करीब 4-5 दिन पहले हुई होगी। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। मुगलसराय पुलिस के अनुसार, बंद कमरे से महिला का पुराना शव बरामद किया गया है। फिलहाल मौत के कारण स्पष्ट नहीं हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही महिला की मौत की वास्तविक वजह सामने आ सकेगी।



मध्यप्रदेश के हर जिले में संगठन खड़ा करेगा इंटक, कर्मचारियों के अधिकारों की लड़ाई को मिलेगी नई मजबूती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। इंडियन नेशनल सैलरीड एम्प्लॉई एवं प्रोफेशनल वर्कर फेडरेशन इंटक मध्यप्रदेश की प्रांतीय कार्यकारिणी सभा की बैठक 23 अक्टूबर को भोपाल स्थित बुद्ध सभागृह, इंटक कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष विजय सिंह रघुवंशी ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व रीजनल लेबर इंस्पेक्टर अजय मिश्र उपस्थित रहे। बैठक में प्रदेशभर में संगठन को मजबूत बनाने, कर्मचारियों को यूनियन से जोड़ने, श्रमिकों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने तथा उनके अधिकारों की रक्षा के लिए सामूहिक प्रयास करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने संगठन के विस्तार को प्राथमिकता देते हुए प्रदेश के प्रत्येक जिले में कर्मचारियों के बीच पहुंच बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रदेश अध्यक्ष विजय सिंह रघुवंशी ने कहा कि मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिले में संगठन खड़ा किया जाएगा, ताकि अलग-अलग क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों को एक साझा मंच मिल सके। उन्होंने कहा कि सैलरीड एम्प्लॉई यूनियन का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं का निराकरण कराना और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष करना है। कई बार कर्मचारी अपनी समस्याओं को उचित मंच तक नहीं पहुंचा पाते, ऐसे में संगठन की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। संगठन के माध्यम से कर्मचारियों की आवाज संबंधित अधिकारियों और प्रबंधन तक पहुंचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि शोषित और वंचित वर्ग को न्याय दिलाने तथा कर्मचारियों के हितों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के लिए यूनियन को प्रदेशव्यापी स्वरूप दिया जाएगा। रघुवंशी ने संगठनात्मक विस्तार की रणनीति पर चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने वाले कर्मचारियों को संगठन से जोड़ने के लिए प्रयास किए जाएंगे। संगठन की मजबूती केवल पदाधिकारियों की संख्या से नहीं, बल्कि कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए किए जाने वाले प्रयासों से तय होती है। इसलिए कर्मचारियों के बीच जागरूकता बढ़ाने और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग करने पर भी ध्यान दिया जाएगा। मुख्य अतिथि अजय मिश्र ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में श्रमिक और कर्मचारी संगठनों से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ना आवश्यक है। जब कर्मचारी संगठित होकर अपनी समस्याएं उठाते हैं, तभी प्रबंधन और सरकार के समक्ष उनकी मांगों को प्रभावी ढंग से रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के अधिकारों की सुरक्षा, वेतन से संबंधित समस्याओं के समाधान और कार्यस्थल पर उनके हितों की रक्षा के लिए संगठित प्रयास जरूरी हैं। यदि यूनियन मजबूत होगी तो कर्मचारियों की समस्याओं को उचित मंच पर उठाने और उनके समाधान के लिए दबाव बनाने में मदद मिलेगी। मिश्र ने केंद्र सरकार द्वारा श्रम कानूनों में किए गए बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि पुराने श्रम कानूनों को 4 श्रम संहिताओं में समाहित किया गया है। उनके अनुसार, इन बदलावों के बाद यूनियन बनाने, कर्मचारियों के हक और अधिकारों के लिए संघर्ष करने तथा श्रमिक हितों से जुड़े मामलों में कई कानूनी चुनौतियां सामने आ सकती हैं। उन्होंने श्रमिक संगठनों से इन प्रावधानों को समझने और कर्मचारियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने बढ़ती छंटनी, न्यूनतम वेतन से जुड़ी समस्याओं और मजदूरों के कथित शोषण पर भी चिंता जताई। मिश्र ने कहा कि इन परिस्थितियों का असर विशेष रूप से गरीब और कमजोर श्रमिक वर्ग पर पड़ता है। मजदूरों को उचित वेतन और सुरक्षित रोजगार मिलना महत्वपूर्ण है।

फिरोजाबाद में बिना एनेस्थीसिया के नसबंदी ऑपरेशन करने का आरोप, विरोध पर आशा वर्कर पर भड़की डॉक्टर

डॉक्टर पर आशा वर्कर को घसीटकर बाहर निकालने और गर्म चाय फेंकने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले के नारखी थाना क्षेत्र स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जाटऊ में नसबंदी ऑपरेशन के दौरान लापरवाही और विवाद का मामला सामने आया है। पीएचसी में तैनात सर्जन डॉ. अनीता कुमारी पर एक महिला का नसबंदी ऑपरेशन बिना बेहोशी का इंजेक्शन दिए शुरू करने का आरोप लगा है। वहीं, इसका विरोध करने वाली आशा कार्यकर्ता सपना चौहान ने डॉक्टर पर मारपीट करने, घसीटकर बाहर निकालने और गर्म चाय फेंकने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर स्वास्थ्य विभाग और पुलिस से शिकायत की गई है। जानकारी के अनुसार, शनिवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जाटऊ में नसबंदी शिविर आयोजित किया गया था। इस दौरान एक महिला को ऑपरेशन के लिए ऑपरेशन थिएटर में ले जाया गया। आरोप है कि डॉक्टर ने महिला को बेहोशी का



इंजेक्शन दिए बिना ही ऑपरेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी, जिससे महिला को तेज दर्द होने लगा। वहां मौजूद आशा कार्यकर्ता सपना चौहान ने इसका विरोध करते हुए पहले उचित एनेस्थीसिया देने की बात कही। इसी बात को लेकर डॉक्टर और आशा कार्यकर्ता के बीच विवाद हो गया। सपना चौहान का आरोप है कि विरोध करने पर डॉक्टर ने उनका हाथ पकड़कर जमीन पर गिरा दिया और घसीटते हुए ऑपरेशन थिएटर से बाहर निकाल दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बाद में विवाद बढ़ने पर डॉक्टर ने उनके ऊपर गर्म चाय फेंक दी, जिससे उनके हाथ में जलन हुई और छाले पड़ गए। सपना के मुताबिक, डॉक्टर ने उन्हें नौकरी से हटवाने की धमकी भी दी। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद क्षेत्र की 2 दर्जन से अधिक आशा कार्यकर्ता एकजुट होकर नारखी थाने पहुंचीं। उन्होंने डॉक्टर के खिलाफ शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। आशा कार्यकर्ताओं ने संबंधित डॉक्टर को पीएचसी से हटाने और कथित दुर्व्यवहार के मामले में मुकदमा दर्ज करने की मांग उठाई है। मामले को लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय की ओर से जांच कराए जाने की बात कही गई है। अधिकारियों के अनुसार, जांच रिपोर्ट आने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, पुलिस ने भी शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल, पूरे मामले में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि नसबंदी प्रक्रिया के दौरान क्या परिस्थितियां थीं।

'दूसरे धर्मों के खिलाफ भड़काऊ पढ़ाई की सामाग्री', अवैध मदरसे के दो कमरे में ठूंस-ठूंसकर रखे थे बच्चे, अलग-अलग राज्यों से लाए

कथित मारपीट और विदेशी फंडिंग के पहलुओं की भी हो रही जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एजी ऑफिस भवन के पीछे संचालित दारुल कुरआन मदरसे से 26 बच्चों को रेस्क्यू किए जाने के बाद जिला प्रशासन ने मदरसे को सील कर दिया है। जांच के दौरान यहां से कुछ किताबें और सीडी बरामद की गई हैं, जिनकी सामग्री की जांच की जा रही है। अधिकारियों की टीम बच्चों को रखे जाने की परिस्थितियों, मदरसे के संचालन और फंडिंग से जुड़े पहलुओं की पड़ताल कर रही है। जानकारी के अनुसार, मदरसा केवल 2 कमरों में संचालित हो रहा था। यहां बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश समेत अलग-अलग राज्यों के 26 बच्चे मिले थे। आरोप है कि सीमित जगह में बच्चों को रखा गया था और कमरों में साफ-सफाई की स्थिति भी ठीक नहीं थी। कार्रवाई के बाद बच्चों से कई घंटे तक पूछताछ की गई, ताकि मदरसे की गतिविधियों और वहां उन्हें दी जा रही शिक्षा के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। जांच के दौरान टीम को ऐसी अध्ययन सामग्री भी मिली है, जिस पर दूसरे धर्मों के



प्रति कथित तौर पर आपत्तिजनक और भड़काऊ बातें पढ़ाए जाने का संदेह जताया गया है। बरामद किताबों में 'इस्लाम आतंक? या आदर्श', 'कल्कि अवतार और मुहम्मद साहब' तथा 'नसीमे हिदायत के झोंके' जैसी पुस्तकें शामिल बताई गई हैं। टीम ने किताबों के साथ कुछ सीडी भी जब्त की हैं। इन सामग्रियों की वास्तविक विषयवस्तु और उनके उपयोग की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। प्रारंभिक जांच के संबंध में सामने आई जानकारी के मुताबिक, बच्चों को नियमित स्कूली शिक्षा दिए जाने के बजाय धार्मिक शिक्षा दी जा रही थी। हालांकि, शिक्षा के स्वरूप, पाठ्य सामग्री और संस्थान के संचालन से संबंधित सभी पहलुओं की आधिकारिक जांच की जा रही है। कुछ बच्चियों की ओर से कथित मारपीट की शिकायत किए जाने की बात भी सामने आई है। इन आरोपों की पुष्टि होना अभी बाकी है। मदरसे से बच्चों को रेस्क्यू किए जाने के बाद कुछ परिजन ग्वालियर पहुंचे और बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के कार्यालय में भी पहुंचे। परिजनों की ओर से बच्चों की स्थिति और उन्हें घर भेजने को लेकर चिंता जताए जाने की जानकारी सामने आई है। प्रशासन और बाल आयोग की टीम भी मामले की जांच में शामिल है। प्रशासन की ओर से मदरसे को सील कर दिया गया है। जांच में विदेशी फंडिंग की आशंका समेत आर्थिक लेन-देन से जुड़े पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है। फिलहाल बरामद सामग्री, बच्चों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। अधिकारियों की जांच के बाद ही मदरसे के संचालन और लगाए गए आरोपों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

नर्मदा के पानी से लहलहाएंगे खेत, धार झाबुआ के 72 हजार किसानों को सौगात

2,387.60 करोड़ रुपये की माइक्रो लिफ्ट सिंचाई परियोजना का शुभारंभ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

धार। मध्य प्रदेश के धार और झाबुआ जिले के किसानों को सिंचाई के लिए नर्मदा का पानी उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 2,387.60 करोड़ रुपये की नर्मदा-झाबुआ-पेटलावद-थांदला-सरदारपुर माइक्रो लिफ्ट सिंचाई परियोजना का शुभारंभ किया। इस परियोजना से दोनों जिलों के 260 गांवों की 57,422 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा मिलने की उम्मीद है। इससे करीब 72 हजार किसानों को लाभ पहुंचेगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने परियोजना के रूट मैप की समीक्षा की। इसके साथ ही क्षेत्र में 188 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत पात्र लाभार्थियों के खातों में 317.86 करोड़ रुपये भी हस्तांतरित किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सरदार सरोवर बांध सहित विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से धार-झाबुआ क्षेत्र तक नर्मदा का पानी पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। माइक्रो लिफ्ट सिंचाई परियोजना से क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के



लिए पानी उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इससे कृषि उत्पादन बढ़ाने और किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने की संभावनाएं बढ़ेंगी। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2002-03 तक मध्य प्रदेश में लगभग 7.5 लाख हेक्टेयर भूमि सिंचित होती थी, जो वर्ष 2023 तक बढ़कर 40 लाख हेक्टेयर हो गई। उनके अनुसार, पिछले ढाई वर्षों में सिंचाई का रकबा बढ़ाकर 60 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाया गया है। राज्य सरकार ने अब इसे 100 लाख हेक्टेयर तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। धार में प्रस्तावित पीएम मित्र पार्क का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे निमाड़-मालवा क्षेत्र के करीब 6 लाख कपास उत्पादक किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है। पार्क में कपास से धागा, धागे से कपड़ा और कपड़े से तैयार वस्त्र बनाने तक की सुविधाएं एक ही स्थान पर विकसित की जाएंगी। परियोजना से लगभग 3 लाख लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होने का अनुमान है। इससे स्थानीय युवाओं, किसानों और महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने तथा रोजगार के लिए दूसरे क्षेत्रों में पलायन कम करने में मदद मिल सकती है। धार जिले को सड़क, पुल, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं की सौगात भी दी गई। इनमें 25 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 4 पुल, 15 करोड़ रुपये की स्कूल इमारत और 50 बिस्तरों वाला अस्पताल शामिल है। इसके अलावा 188 करोड़ रुपये की लागत वाली 35 नई परियोजनाओं का शिलान्यास किए जाने की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने जिले में मेडिकल कॉलेज की सुविधा विकसित करने तथा सड़क, रेल और हवाई संपर्क का विस्तार करने की दिशा में भी प्रयासों का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने अमका-झमका माता स्थल को धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना की जानकारी दी। मान्यता के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने इसी स्थान पर रुक्मिणी से विवाह किया था।

उमेश जैन को प्रदेश महासचिव और संदीप जैन को प्रदेश कोषाध्यक्ष की बड़ी जिम्मेदारी



महानगर मेट्रो ब्यूर

इंदौर। ऑल इंडिया जैन जर्नलिस्ट एसोसिएशन (आईजा) में मध्यप्रदेश के युवा पत्रकारों का कद बढ़ा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री हार्दिक जी हुंडिया एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रदीप जी बाफना के मार्गदर्शन में घोषित नई प्रदेश कार्यकारिणी में प्रदेश के दो युवा चेहरों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्णय अनुसार इंदौर के वरिष्ठ पत्रकार और दैनिक दबंग देश के प्रधान संपादक श्री उमेश जैन को प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया है। श्री उमेश जैन पूर्व में प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में संगठन में सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं और कई वर्षों से आईजा के कर्मठ कार्यकर्ता रहे हैं। उनकी इस नियुक्ति को प्रदेश में युवा नेतृत्व को मजबूती देने के रूप में देखा जा रहा है। वहीं युवा पत्रकार श्री संदीप जैन को प्रदेश कोषाध्यक्ष के रूप में प्रदेश टीम में शामिल किया गया है। श्री संदीप जैन पूर्व में धार जिला अध्यक्ष के दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं। इन दोनों नियुक्तियों के माध्यम से मध्यप्रदेश के युवा पत्रकारों को प्रदेश स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर मिलेगा। संगठन के सभी पदाधिकारियों ने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

केन-बेतवा परियोजना के खिलाफ MP में आंदोलन खत्म, कांग्रेस ने दिया साथ का भरोसा



महानगर मेट्रो ब्यूर

पन्ना। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में केन-बेतवा लिंक परियोजना के खिलाफ चल रहा आंदोलन कांग्रेस की ओर से समर्थन का भरोसा मिलने के बाद समाप्त हो गया। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे कार्यकर्ता अमित भटनागर ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के आग्रह पर नारियल पानी पीकर अपना अनशन समाप्त किया। परियोजना से प्रभावित आदिवासी किसानों, ग्रामीणों और विस्थापित परिवारों की मांगों को लेकर यह आंदोलन पिछले 42 दिनों से जारी था। प्रदर्शनकारियों ने उचित मुआवजा, सम्मानजनक पुनर्वास, छूटे हुए परिवारों का दोबारा सर्वे और वन अधिकार अधिनियम से जुड़े मुद्दे उठाए थे। आंदोलन के दौरान प्रभावित परिवारों ने आरोप लगाया कि परियोजना के कारण विस्थापन की स्थिति का सामना कर रहे लोगों को उनकी जरूरतों के अनुरूप मुआवजा और पुनर्वास की सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। प्रदर्शनकारियों ने मुआवजे के निर्धारण में कथित अनियमितताओं और कुछ पात्र परिवारों के छूट जाने का मुद्दा भी उठाया। उनका कहना था कि परियोजना से जुड़े विकास कार्यों के साथ प्रभावित लोगों के अधिकारों और आजीविका की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी जरूरी है। अमित भटनागर इन मांगों को लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उनके अनशन को 27 दिन हो चुके थे। इस बीच मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार पन्ना पहुंचे और आंदोलनकारियों से मुलाकात की। वह प्रभावित लोगों की ओर से आयोजित 'संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ' मार्च में शामिल हुए। इसके बाद उन्होंने प्रदर्शनकारियों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। सिंघार ने आंदोलनकारियों को भरोसा दिलाया कि कांग्रेस उनके अधिकारों, न्याय, सम्मान और उचित मुआवजे की मांग को लेकर उनके साथ खड़ी रहेगी। उनके आग्रह के बाद अमित भटनागर ने अनशन समाप्त करने का निर्णय लिया। सिंघार ने कहा कि कांग्रेस प्रभावित आदिवासी परिवारों और किसानों की समस्याओं को लेकर अपनी आवाज उठाती रहेगी। उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि विकास के नाम पर किसी भी परिवार के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। उनके अनुसार, परियोजना से प्रभावित लोगों की मांगों को सुनना और उनका समाधान करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रभावित परिवारों के अधिकारों और न्याय की लड़ाई सड़क से लेकर संसद तक उठाएगी। आंदोलन के दौरान मुआवजे और प्रभावित परिवारों के दोबारा सर्वे का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। उमंग सिंघार ने बताया कि 14 जुलाई को प्रदर्शनकारियों से मुलाकात के बाद उन्होंने विधानसभा में भी उनकी मांगें उठाई थीं। सिंघार के मुताबिक, मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रभावित परिवारों का दोबारा सर्वे कराने और मुआवजे की स्थिति की जांच करने के निर्देश दिए थे। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि निर्देशों के बावजूद प्रभावित लोगों को अब तक ठोस राहत नहीं मिली है।

'वोट चुराया जा रहा है, अब देश देगा जवाब', राहुल गांधी ने महारैली का किया आह्वान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मतदाता सूचियों में कथित गड़बड़ियों और वोट चोरी के आरोपों को लेकर केंद्र सरकार और चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली 'वोट बचाओ, देश बचाओ' महारैली और जन मार्च में लोगों से शामिल होने की अपील की।



राहुल गांधी ने कहा कि मतदाता सूचियों से नाम हटाए जाने, नियम-कानून तोड़े जाने और सवाल उठाने वालों पर लाठियां चलाए जाने के आरोपों को चुपचाप स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब इसका जवाब देश देगा। राहुल गांधी ने सामाजिक माध्यम 'एक्स' पर अपनी बात रखते हुए आरोप लगाया कि देश में लोगों के मताधिकार के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों से नाम हटाए गए, नियम-कानून तोड़े गए और सवाल पूछने वालों के खिलाफ बल प्रयोग किया गया। राहुल ने इन मुद्दों को लोकतंत्र से जुड़ा बताते हुए लोगों से एकजुट होकर आवाज उठाने का आह्वान किया। कांग्रेस नेता ने छात्रों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और व्यापारियों से 1 नवंबर को रामलीला मैदान पहुंचने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की चिंता करने वाले सभी लोगों को इस अभियान में भाग लेना चाहिए। राहुल गांधी के अनुसार, मतदान का अधिकार प्रत्येक नागरिक का अधिकार है और इसकी रक्षा के लिए जनता की भागीदारी जरूरी है। कांग्रेस की ओर से प्रस्तावित इस कार्यक्रम को मतदाता सूचियों और चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के खिलाफ जनसमर्थन जुटाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी का आरोप है कि मतदाता सूची से नाम हटाए जाने और कथित वोट चोरी से जुड़े सवालों पर जवाबदेही तय होनी चाहिए। इन आरोपों की पुष्टि और जिम्मेदारी का निर्धारण संबंधित तथ्यों तथा आधिकारिक जानकारी के आधार पर किया जाना आवश्यक है।

एनसीईआरटी किताबों की कीमत पर सियासी घमासान, शिक्षा मंत्री ने पेश किए दस्तावेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में किताबों की खरीद को लेकर भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी के बीच सियासी घमासान तेज हो गया है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने शनिवार को किताबों की कीमत, आकार और निविदा प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेज पेश करते हुए खरीद में घोटाले के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा सरकार ने पहले के मुकाबले कम कीमत पर किताबें खरीदी हैं। सूद ने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेताओं ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की 65 रुपये की किताब का हवाला देकर सवाल उठाए, जबकि दिल्ली सरकार ने आठवीं कक्षा की हिंदी की किताब 'मल्हार' 28.61 रुपये में खरीदी है। शिक्षा मंत्री ने पिछली आम आदमी पार्टी सरकार के कार्यकाल की खरीद का हवाला देते हुए कहा कि वर्ष 2022 में समान आकार की गृह विज्ञान की किताब की छपाई पर 55 रुपये खर्च किए गए थे। उनके अनुसार, आठवीं कक्षा की किताबों की अधिकतम कीमत पहले 110 रुपये थी, जो अब घटकर 50.38 रुपये रह गई है। इसी तरह सातवीं कक्षा की किताबों की अधिकतम कीमत 103 रुपये से घटकर 75.88 रुपये और छठी कक्षा की किताबों की कीमत 133 रुपये से घटकर 57.76 रुपये तक आ गई है। सूद ने दावा किया कि कागज और छपाई की लागत बढ़ने के बावजूद किताबों की कीमतों में कमी आई है। किताबों के आकार को लेकर उठाए गए सवालों पर भी शिक्षा मंत्री ने अपना पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि निविदा में किताबों का आकार 17.1 गुणा 24.1 सेंटीमीटर निर्धारित किया गया था। सूद ने किताबों की प्रतियां और मापने का पैमाना दिखाते हुए कहा कि लोग स्वयं किताबों का आकार जांच सकते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि किताबों की गुणवत्ता की जांच के बाद ही उनकी खरीद की जा रही है। सूद ने अपने पक्ष में 17 अगस्त और 6 सितंबर 2023 को तत्कालीन शिक्षा सचिव की ओर से लिखे गए पत्रों का भी हवाला दिया। उनके मुताबिक, इन पत्रों में पिछली सरकार के दौरान आपूर्ति की गई किताबों की छपाई और गुणवत्ता में कमियों का उल्लेख किया गया था। शिक्षा मंत्री ने कहा कि किताबों की खरीद से जुड़े पूरे मामले की विस्तृत समीक्षा की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद यदि जानबूझकर गलत जानकारी फैलाने या जनता को गुमराह करने के तथ्य सामने आते हैं, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कथित भ्रष्टाचार के मामलों से जुड़े दस्तावेज और सबूत जनता के सामने रखेगी। उन्होंने आम आदमी पार्टी की पिछली सरकार के कार्यकाल में हुए बताए जा रहे 5,400 करोड़ रुपये के कक्षा-कक्ष निर्माण मामले, 500 करोड़ रुपये से अधिक के निगरानी कैमरा मामले, 500 करोड़ रुपये से अधिक के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के दाखिला मामले और 1,000 करोड़ रुपये की कथित कोविड संबंधी अनियमितताओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कथित सवाल के बदले नकदी मामले को लेकर भी विपक्ष पर निशाना साधा। ये आरोप राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा हैं और इनकी पुष्टि संबंधित जांच तथा आधिकारिक निष्कर्षों के आधार पर ही की जा सकती है।



कहा- परिवार को देरी से दी गई सूचना, स्कूल बैग की जांच क्यों नहीं हुई?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के कृष्णा नगर स्थित राजकीय सर्वोदय बालिका विद्यालय में 12वीं कक्षा की छात्रा की मौत के मामले ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। विद्यालय परिसर में शनिवार को 17 वर्षीय छात्रा गंभीर रूप से झुलसी हुई हालत में मिली थी। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस को प्रथम दृष्टया आत्महत्या की आशंका है, लेकिन छात्रा के परिजनों ने घटना की परिस्थितियों, स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था और परिवार को सूचना देने में हुई देरी को लेकर सवाल उठाए हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। पुलिस के अनुसार, विद्यालय परिसर में आग लगने की सूचना मिलने के बाद आपातकालीन पुलिस दल मौके पर पहुंचा। छात्रा स्कूल में गार्ड रूम के पीछे पानी की टंकी के पास गंभीर रूप से झुलसी हुई मिली थी। घटनास्थल से छात्रा का स्कूल बैग और एक खाली बोतल बरामद होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस को आशंका है कि छात्रा अपने साथ बोतल में ज्वलनशील पदार्थ लेकर आई थी। हालांकि, बरामद सामग्री और घटना से जुड़ी परिस्थितियों की जांच की जा रही है। घटनास्थल पर पहुंची अपराध जांच टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं, ताकि घटना के कारणों का पता लगाया जा सके। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, छात्रा कक्षा में पढ़ाई के दौरान पानी पीने जाने की बात कहकर बाहर निकली थी। इसके कुछ ही मिनट बाद विद्यालय परिसर में चीखने-चिल्लाने की आवाजें सुनाई देने की बात सामने आई।



नागपुर में स्पा की आड़ में कथित देह व्यापार का बड़ा खुलासा! कोडवर्ड के जरिए ग्राहकों को दी जाती थी एंट्री, पुलिस की छापेमारी में 3 महिलाएं मुक्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में स्पा और सैलून की आड़ में कथित देह व्यापार का मामला सामने आया है। शहर के सदर छावनी इलाके में स्थित ग्रेप्स स्पा एंड सैलून पर पुलिस की अपराध शाखा ने छापेमारी कर 3 महिलाओं को मुक्त कराया। पुलिस का आरोप है कि यहां ग्राहकों को एक खास संकेत शब्द के जरिए प्रवेश दिया जाता था और स्पा की आड़ में महिलाओं से देह व्यापार कराया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 22 वर्षीय हार्दिक नाम के एक युवक को पकड़ा है, जबकि स्पा के मालिक गुंजन राजेश आसरे और प्रबंधक अन्नु जमीर की तलाश की जा रही है। पुलिस ने सदर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम करीब 5 बजे अपराध शाखा के सामाजिक सुरक्षा विभाग और मानव तस्करी निरोधक इकाई की टीम ने ग्रेप्स स्पा एंड सैलून पर कार्रवाई की। पुलिस को यहां कथित रूप से देह व्यापार संचालित होने की सूचना मिली थी। इस सूचना के आधार पर टीम ने पहले पूरे मामले की जानकारी जुटाई और फिर योजनाबद्ध तरीके



से छापेमारी की तैयारी की। कार्रवाई के दौरान दो पंचों और एक नकली ग्राहक की मदद ली गई, जिसके बाद पुलिस टीम स्पा परिसर में पहुंची। पुलिस के मुताबिक, स्पा में आने वाले ग्राहकों को एक खास संकेत शब्द बताया जाता था। आरोप है कि इसी संकेत शब्द के माध्यम से ग्राहकों को प्रवेश दिया जाता था और इसके बाद कथित तौर पर देह व्यापार से जुड़ी गतिविधियां संचालित होती थीं। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि संकेत शब्द के जरिए ग्राहकों की पहचान और प्रवेश की व्यवस्था किस प्रकार की गई थी तथा इस कथित गतिविधि में कितने लोग शामिल थे। छापेमारी के दौरान पुलिस ने परिसर से 3 महिलाओं को मुक्त कराया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, महिलाओं को अधिक पैसे कमाने का लालच देकर इस गतिविधि में शामिल किए जाने का आरोप है। पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है कि महिलाओं को किस परिस्थिति में वहां रखा गया था और क्या उन्हें किसी प्रकार के दबाव या प्रलोभन के जरिए इस काम में लगाया गया था। महिलाओं से पूछताछ के आधार पर मामले से जुड़े अन्य तथ्यों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। उनकी पहचान और निजी जानकारी को सार्वजनिक करने के बजाय पुलिस जांच के तथ्यों पर ध्यान दिया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान पकड़े गए 22 वर्षीय हार्दिक से पुलिस पूछताछ कर रही है। वहीं, स्पा के मालिक गुंजन राजेश आसरे और प्रबंधक अन्नु जमीर की तलाश जारी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि स्पा के संचालन में मालिक और प्रबंधक की क्या भूमिका थी तथा कथित गतिविधियों की जानकारी किन-किन लोगों को थी। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि ग्राहकों से संपर्क करने, उन्हें स्पा तक बुलाने और भुगतान की व्यवस्था किस तरह की जाती थी। पुलिस ने इस मामले में सदर थाने में प्रकरण दर्ज किया है। अब जांच का दायरा बढ़ाते हुए कथित रैकेट से जुड़े अन्य लोगों, ग्राहकों और संभावित सहयोगियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि स्पा के नियमित संचालन की आड़ में लंबे समय से इस तरह की गतिविधियां चल रही थीं या मामला हाल ही में शुरू हुआ था। हालांकि, इन सभी पहलुओं की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। नागपुर में हुई इस कार्रवाई के बाद स्पा और सैलून की आड़ में कथित देह व्यापार के संचालन को लेकर सवाल उठे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। फिलहाल, 3 महिलाओं को मुक्त कराने, एक युवक को पकड़ने और स्पा मालिक व प्रबंधक की तलाश के बीच पुलिस इस कथित रैकेट की पूरी कड़ी का पता लगाने में जुटी है। मामले में लगाए गए आरोपों की पुष्टि आगे की जांच और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर होगी।

दिल्ली-एनसीआर में मौसम का बड़ा बदलाव, देर रात बारिश के साथ गिरे ओले; तापमान में गिरावट

और ओलावृष्टि से बदला मौसम, दिल्ली-एनसीआर में तापमान गिरने से बढ़ी ठंडक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में शनिवार देर रात मौसम ने अचानक करवट ले ली। तेज हवाओं के साथ हुई बारिश और कई इलाकों में गिरे ओलों से मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया। बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली। दिल्ली के साथ-साथ नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद और गुरुग्राम के कई क्षेत्रों में भी बारिश हुई। कुछ इलाकों में ओलावृष्टि होने की खबरें सामने आईं। मौसम में अचानक आए इस बदलाव के बाद आने वाले दिनों में ठंड बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। शनिवार देर रात मौसम ने उस समय करवट ली, जब दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में तेज हवाएं चलने लगीं। इसके बाद बारिश का दौर शुरू हो गया। कुछ स्थानों पर ओले गिरने से मौसम और ठंडा हो गया। अचानक बदले मौसम का असर शहरों के साथ आसपास के क्षेत्रों में भी दिखाई दिया। तापमान में गिरावट के कारण लोगों को मौसम में ठंडक महसूस होने लगी। कई दिनों से मौसम में बदलाव की प्रतीक्षा कर रहे लोगों के



लिए बारिश राहत लेकर आई, हालांकि तेज हवाओं और खराब मौसम के कारण लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। दिल्ली के अलावा नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद और गुरुग्राम में भी बारिश दर्ज की गई। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों में मौसम का असर अलग-अलग रूप में दिखाई दिया। कहीं तेज बारिश हुई, तो कहीं ओलावृष्टि की खबरें सामने आईं। मौसम में आए इस बदलाव से सामान्य गतिविधियों पर भी असर पड़ने की आशंका रही। बारिश के बाद सड़कों और खुले क्षेत्रों में मौसम ठंडा महसूस किया गया। यदि आने वाले घंटों में दोबारा बारिश होती है, तो तापमान में और गिरावट आ सकती है। मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर के कुछ हिस्सों में अगले कुछ घंटों के दौरान फिर बारिश होने की संभावना जताई गई है। इस दौरान तेज हवाएं चलने और बिजली की गरज-चमक देखने को मिल सकती है। ऐसे मौसम में लोगों को सावधानी बरतने की आवश्यकता है। विशेष रूप से खुले स्थानों पर रहने, पेड़ों के नीचे खड़े होने और बिजली चमकने के दौरान असुरक्षित जगहों पर रुकने से बचना चाहिए। वाहन चालकों को भी बारिश के दौरान सड़क पर सतर्कता बरतने की जरूरत है। बारिश के बाद दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता में सुधार होने की उम्मीद भी जताई जा रही है। पिछले कुछ दिनों से प्रदूषण का स्तर बढ़ने के कारण राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में हवा की गुणवत्ता चिंता का विषय बनी हुई थी। ऐसे में बारिश को प्रदूषण से अस्थायी राहत मिलने की संभावना के रूप में देखा जा रहा है। बारिश वातावरण में मौजूद धूल के कुछ कणों को नीचे बैठाने में मदद कर सकती है, जिससे हवा साफ महसूस हो सकती है। हालांकि, वायु गुणवत्ता में वास्तविक सुधार कितना होगा, यह बारिश की मात्रा, हवा की गति और अन्य मौसमी परिस्थितियों पर निर्भर करेगा।

राहुल गांधी की रामलीला मैदान रैली के विरोध का ऐलान, 1984 दंगा पीड़ित अमित शाह को लिखेंगे पत्र

पीड़ित परिवारों ने कार्यक्रम की अनुमति रोकने की मांग उठाने और रामलीला मैदान में प्रदर्शन करने की बात कही

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली को लेकर 1984 के सिख-विरोधी दंगों के पीड़ितों ने विरोध जताया है। पीड़ित परिवारों ने इस दिन आयोजित होने वाले कार्यक्रम पर नाराजगी जाहिर करते हुए विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। उनका कहना है कि 1984 के दंगों में अपने परिवारों और प्रियजनों को खोने वाले लोगों के लिए यह तारीख आज भी गहरे दर्द से जुड़ी हुई है। पीड़ितों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर प्रस्तावित रैली की अनुमति नहीं देने की मांग उठाने की बात कही है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी ने भी रैली की तारीख को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। हालांकि, पत्र भेजे जाने और अनुमति से संबंधित किसी आधिकारिक निर्णय की पुष्टि उपलब्ध जानकारी में नहीं है। दंगा पीड़ितों में शामिल एक व्यक्ति ने राहुल गांधी पर सिख समुदाय की भावनाओं को लेकर



संवेदनशीलता नहीं दिखाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब भी राहुल गांधी को अवसर मिलता है, वे सिखों की भावनाओं से जुड़ी बातों को उठाते हैं, लेकिन 1984 की हिंसा में प्रभावित परिवारों के दर्द को भी समझना चाहिए। पीड़ित ने 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान राजस्थान में राहुल गांधी की एक सभा का जिक्र करते हुए दावा किया कि उस समय उन्होंने सिखों को देखकर अपनी दादी की याद आने की बात कही थी। पीड़ित ने कहा कि ऐसी टिप्पणियों को सुनकर दंगा प्रभावित परिवारों को अपने उन परिजनों की याद आती है, जिन्होंने हिंसा में जान गंवाई थी। पीड़ित ने कहा कि 1984 की हिंसा में हजारों निर्दोष लोगों की जान गई और कई गुरुद्वारों को नुकसान पहुंचाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि हिंसा के दौरान महिलाओं और परिवारों को भी गंभीर पीड़ा झेलनी पड़ी। उनके अनुसार, घटना के 42 साल बाद भी अनेक परिवार उस दौर की यादों से उबर नहीं पाए हैं। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से दंगा पीड़ितों की भावनाओं को समझने और उनके जख्मों को फिर से ताजा करने वाली परिस्थितियों से बचने की अपील की। विरोध का ऐलान करते हुए पीड़ित ने कहा कि 1 नवंबर को वे रामलीला मैदान पहुंचकर अपनी नाराजगी दर्ज कराएंगे। उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शन में बड़ी संख्या में पीड़ित परिवार और विधवाएं शामिल हो सकती हैं। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि 1984 की हिंसा से जुड़े कुछ नेताओं को बाद में राजनीतिक अवसर दिए गए। इस संदर्भ में उन्होंने जगदीश टाइटलर, सज्जन कुमार और कमलनाथ का नाम लेते हुए सवाल उठाए।

महाराष्ट्र में आरएसएस के पथ संचलन के रास्ते पर विवाद, पथराव के बाद पुलिस का लाठीचार्ज

एसपी समेत वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे; पुलिस ने कुछ लोगों को गिरफ्तार किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जलगांव। महाराष्ट्र के जलगांव जिले के यावल तालुका स्थित किंगांव में दशहरे के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पथ संचलन के मार्ग को लेकर विवाद हो गया। धार्मिक स्थल के सामने से जुलूस निकालने को लेकर कुछ लोगों ने आपत्ति जताई और महिलाएं सड़क पर बैठकर विरोध करने लगीं। देखते ही देखते स्थिति तनावपूर्ण हो गई और पथराव की घटना सामने आई। हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज किया। घटना की सूचना मिलने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस के अनुसार, बाद में पथ संचलन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया गया और कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया। जानकारी के अनुसार, दशहरे के अवसर पर किंगांव में आरएसएस की ओर से पथ संचलन निकालने की तैयारी की गई थी। इसके लिए पुलिस से अनुमति भी ली गई थी। हालांकि, जुलूस के निर्धारित मार्ग को लेकर विवाद शुरू हो गया। विरोध कर रहे



लोगों को धार्मिक स्थल के सामने से पथ संचलन निकाले जाने पर आपत्ति थी। इसी मुद्दे को लेकर कुछ महिलाएं सड़क पर बैठ गईं और जुलूस का रास्ता रोककर विरोध जताने लगीं। इससे मौके पर तनाव का माहौल बन गया और स्थिति को संभालने के लिए पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। विरोध के दौरान हालात बिगड़ने पर पथराव हुआ। इसके बाद पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने और स्थिति को काबू में लाने के लिए हल्का लाठीचार्ज किया। घटना के बाद क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया, ताकि किसी तरह की अप्रिय स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो। पुलिस प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आसपास के क्षेत्रों से भी पुलिसकर्मियों को मौके पर बुलाया। घटना की जानकारी मिलने के बाद जलगांव के पुलिस अधीक्षक श्रीकांत धिवरे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप गावित और विभागीय पुलिस अधिकारी अनिल बडगुजर सहित वरिष्ठ अधिकारी किंगांव पहुंचे। इसके अलावा भुसावल, यावल और रावेर से भी पुलिस बल बुलाया गया। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए। पुलिस अधीक्षक श्रीकांत धिवरे के अनुसार, फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और क्षेत्र में शांति बनी हुई है। उन्होंने बताया कि पथ संचलन के विरोध को लेकर पुलिस ने संबंधित समूह को करीब ढाई घंटे तक समझाने का प्रयास किया। पुलिस के मुताबिक, जुलूस निकालने के लिए नियमानुसार अनुमति दी गई थी। इसके बावजूद विरोध जारी रहने और भीड़ की स्थिति बिगड़ने पर उसे नियंत्रित करने के लिए हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कार्रवाई के बाद पथ संचलन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। घटना के सिलसिले में कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है।

डेटिंग ऐप और 3 करोड़ रुपये वसूलने की साजिश! लड़की से कहा- उसे झूठे केस में फंसाओ, 5 लाख देंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। डेटिंग ऐप के जरिए पहचान, ब्लैकमेलिंग की शिकायत और फिर 3 करोड़ रुपये वसूलने की कथित साजिश का मामला सामने आया है। नागपुर पुलिस के अनुसार, एक 19 वर्षीय युवती को राजस्थान के एक व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के बदले 5 लाख रुपये देने का लालच दिया गया था। शुरुआत में युवती ने उस व्यक्ति पर आपत्तिजनक वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया, लेकिन जांच के दौरान उसके बयान बदल गए। युवती ने पुलिस को बताया कि उसे शिकायत दर्ज कराने के लिए आदित्य गुप्ता ने कहा था। इसके बाद पुलिस ने कथित साजिश के मुख्य आरोपी आदित्य गुप्ता को उत्तर प्रदेश के आगरा से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, शिकायत दर्ज कराने वाली युवती नागपुर के मोमिनपुरा इलाके की रहने वाली है। वह मनोरंजन और शिक्षा से संबंधित वीडियो तथा रील बनाती है और काफी समय से डेटिंग ऐप का इस्तेमाल कर रही थी। इसी ऐप के माध्यम से उसकी पहचान आदित्य सुरेशचंद्र गुप्ता से हुई थी। कुछ दिन पहले युवती ने राजस्थान निवासी इरफान अली के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। उसका आरोप था कि डेटिंग ऐप के जरिए उसकी पहचान इरफान से हुई थी। युवती के अनुसार, इरफान ने कथित तौर पर खुद को राजनीतिक पहुंच वाला व्यक्ति बताया और नौकरी दिलाने का भरोसा दिया। आरोप है कि इसी दौरान उसने युवती से आपत्तिजनक वीडियो हासिल किए और बाद में उन्हें सार्वजनिक करने की धमकी देकर ब्लैकमेल किया। इस शिकायत के आधार पर इरफान समेत 4 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने युवती के मोबाइल से संबंधित जानकारी मांगी और उसका बयान दर्ज करने के लिए थाने बुलाया। इस दौरान आदित्य गुप्ता भी उसके साथ पहुंचा। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के समय आदित्य युवती से पूछे जा रहे सवालों के जवाब खुद देने लगा। उसने राजनीतिक लोगों और कॉर्पोरेट क्षेत्र में अपनी पहचान होने के साथ वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क होने की बात भी कही। उसकी इस दखलअंदाजी से पुलिस को संदेह हुआ। इसके बाद पुलिस ने युवती से अलग से पूछताछ की। पुलिस का कहना है कि इस दौरान युवती ने इरफान अली को पहचानने से इनकार कर दिया।



IL&FS के MD और निदेशकों पर CBI ने दर्ज की FI



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। केनरा बैंक से 212.34 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आईएल एंड एफएस एनर्जी डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशकों और निदेशकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बैंक की शिकायत पर दर्ज इस मामले में आरोप है कि कंपनी ने कर्ज के रूप में मिली रकम का इस्तेमाल निर्धारित उद्देश्य के बजाय अन्य कार्यों में किया और सहयोगी कंपनियों के माध्यम से धन को दूसरी जगह भेज दिया। सीबीआई ने मामले में कथित आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी के आरोपों की जांच शुरू कर दी है। भ्रष्टाचार निवारण कानून के प्रावधान भी लगाए गए हैं। सीबीआई के अनुसार, यह मामला मुंबई के बांद्रा पूर्व स्थित केनरा बैंक के मंडल कार्यालय की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। मामले में कंपनी के प्रबंध निदेशक और निदेशक सुनील वाधवा, अनूप सेठ, हरि शंकरन, रमेश चंद्र बाव और अरुण कुमार साहा के नाम शामिल हैं। इसके अलावा कुछ अज्ञात सरकारी कर्मचारियों और निजी व्यक्तियों को भी आरोपी बनाया गया है। हालांकि, आरोपों की पुष्टि जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही हो सकेगी। जांच एजेंसी के मुताबिक, आरोप है कि कंपनी ने कथित आपराधिक साजिश के तहत तत्कालीन सिंडिकेट बैंक की मुंबई स्थित एलसीबी शाखा से 100 करोड़ रुपये का सावधि कर्ज लिया था। इसके अतिरिक्त बैंक की लंदन शाखा से 5 करोड़ अमेरिकी डॉलर का कर्ज भी लिया गया था। आरोप है कि कर्ज लेते समय जिस उद्देश्य के लिए रकम मंजूर कराई गई थी, उसका पालन नहीं किया गया। सीबीआई को संदेह है कि बैंक से प्राप्त धनराशि को सहयोगी कंपनियों के माध्यम से दूसरी जगह स्थानांतरित किया गया, जिससे बैंक को 212.34 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। मामला दर्ज करने के बाद सीबीआई ने 21 अक्टूबर 2026 को मुंबई, दिल्ली और नोएडा समेत कई स्थानों पर कंपनी के प्रबंध निदेशकों और निदेशकों से जुड़े ठिकानों पर तलाशी ली। तलाशी के दौरान जांच से संबंधित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए। इनमें बैंक से जुड़े रिकॉर्ड, जमा पर्चियां, म्यूचुअल फंड से संबंधित कागजात, निदेशकों के बैंक खातों और संपत्तियों की जानकारी तथा कंपनी के बही-खाते शामिल हैं। जांच एजेंसी ने इन दस्तावेजों को जब्त कर लिया है। सीबीआई अब जब्त दस्तावेजों और वित्तीय रिकॉर्ड की जांच के जरिए यह पता लगाने में जुटी है कि कर्ज की रकम कहां और किस उद्देश्य से इस्तेमाल की गई, धन किन कंपनियों के माध्यम से स्थानांतरित हुआ और कथित अनियमितताओं में किन लोगों की भूमिका रही। मामले में आगे की जांच जारी है।

संक्षिप्त समाचार

एलपीजी सिलेंडर पर एचपीसीएल को रहा है 245 रुपये का नुकसान

मुंबई, एजेंसी। कच्चे तेल की अधिक कीमतों की वजह से इस समय ऑयल रिफाइनरी कंपनियों



को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। मौजूदा समय में एक सिलेंडर पर एचपीसीएल को 245 रुपये का नुकसान हो रहा है। एचपीसीएल के मैनेजिंग डायरेक्टर विकास कौशल के अनुसार नवंबर में यह नुकसान 327 रुपये के स्तर पर पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि कंपनियों को पश्चिम एशिया में जारी गतिरोध की वजह से यह नुकसान हो रहा है। बता दें, विश्व भर में कई मोर्चे पर जारी युद्ध की वजह से कच्चे तेल की कीमतें इस समय सातवें आसमान पर है। यही वजह है कि ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को भारी नुकसान हो रहा है। एचपीसीएल के एमडी ने कहा कि उन्होंने कहा कि जुलाई से सितंबर के दौरान उन्होंने 500 करोड़ रुपये का नुकसान के साथ एलपीजी सिलेंडर की बिक्री की है। बता दें, मौजूदा समय में इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन और हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन ने मार्केट प्राइस से कम की कीमत पर घरेलू सिलेंडर की बिक्री की है। जिसकी वजह से इन कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। मौजूदा समय में कंपनियां सिर्फ कच्चे तेल की अधिक कीमतों की वजह से ही नहीं परेशान हैं। माल ढुलाई की बढ़ती लागत का भी असर कंपनियों के बहिखाते पर पड़ रहा है। कंपनी के अनुसार स्वेजमैक्स टैंकर का भाड़ा 9 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है। जोकि पहली तिमाही में 4 डॉलर प्रति बैरल था। इन सबके अलावा मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए आपतकालीन खरीद पर विचार कर रहा है। एचपीसीएल ने पिछले हफ्ते तिमाही नतीजों का ऐलान किया है। कंपनी ने दी जानकारी में बताया है कि दूसरी तिमाही में कुल नेट प्रॉफिट 3625.22 करोड़ रुपये रहा है। पहली तिमाही में कंपनी को 12264.67 करोड़ रुपये का नेट लॉस हुआ है। बता दें, सालाना आधार पर कंपनी का प्रॉफिट 6.1 प्रतिशत घट गया है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट (टैक्स भुगतान के बाद) के 3859 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी का रेवन्यू (ऑपरेशंस) से सालाना आधार पर 26.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 139140 करोड़ रुपये रहा है। इससे पहले पिछले साल कंपनी को 110323 करोड़ रुपये की आय हुई थी।

सोमवार को बंद रहेंगे बैंक, आरबीआई ने दी 26 अक्टूबर की छुट्टी

नईदिल्ली, एजेंसी। सोमवार को बैंक बंद रहने वाले हैं। अगर आप 26 अक्टूबर को बैंक ब्रांच जाकर अपना काम निपटाने का प्लान कर रहे हैं तो पहले जान लीजिए कि आपके राज्य में बैंक खुले हैं या नहीं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के कैलेंडर के मुताबिक सोमवार को बैंक ज्यादातर राज्यों में बंद रहने वाले हैं। यहां जानिये कल किन-किन राज्यों में और बैंक क्यों बंद रहने वाले हैं। आरबीआई के कैलेंडर के मुताबिक सोमवार 26 अक्टूबर को बैंक लक्ष्मी पूजा, एक्सेशन डे और महर्षि वाल्मीकि जयंती के कारण बंद है। बैंक त्रिपुरा, चंडीगढ़, जम्मू, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, जम्मू और कश्मीर में बंद रहने वाले हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की छुट्टियों की लिस्ट के हिसाब से बैंक लक्ष्मी पूजा, एक्सेशन डे और महर्षि वाल्मीकि जयंती के कारण बंद रहेंगे। कल इन राज्यों में सभी सरकारी और प्राइवेट सेक्टर बैंक जैसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा, एक्सिस, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई जैसे तमाम बैंक बंद रहेंगे। लक्ष्मी पूजा हिंदू धर्म का प्रमुख त्योहार है। इस दिन धन और समृद्धि की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है।

दिवाली से ठीक पहले सोना में तेज गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवाली से ठीक पहले सोने की कीमतों में तेज गिरावट देखी गई है। इससे खरीदारों और निवेशकों के लिए एक अहम सवाल खड़ा हो गया है। क्या यह गिरावट कीमती धातु को जमा करने या खरीदने का मौका है या कीमतें स्थिर होने से पहले और गिर सकती हैं इस हफ्ते सोने की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में लगभग 4 प्रतिशत की गिरावट आई। यह चार महीनों से अधिक समय में उसका सबसे कमजोर साप्ताहिक प्रदर्शन है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, नए सिरे से महंगाई की चिंताओं और सख्त अमेरिकी मौद्रिक नीति की आशंकाओं के कारण सोना 4,000 डॉलर प्रति औंस तक फिसल गया।

इस गिरावट का असर घरेलू बाजारों पर भी पड़ा है। हफ्ते के दौरान एमसीएक्स सोने के वायदा भाव लगभग 4 प्रतिशत लुढ़क गए। यह 1,41,334 रुपये के इंट्रा-वीक लो को छूने के बाद 1,42,024 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब बंद हुआ। शुक्रवार को वायदा सोना 0.92 प्रतिशत या 1,315 रुपये गिरकर लगभग 1,41,994 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ।

क्यों गिर रही हैं सोने की कीमतें

तेल की बढ़ती कीमतें सोने के लिए बड़ी बाधा बनकर उभरी हैं। सऊदी अरब के ऑयल इंफ्रास्ट्रक्चर पर हूती



विद्रोहियों के हमलों के बाद एनर्जी सप्लाई में व्यवधान की चिंताओं के बीच ब्रेंट क्रूड 112 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चढ़ गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें महंगाई को बढ़ावा दे सकती हैं। इससे संभावित रूप से केंद्रीय बैंक ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा रखने के लिए प्रेरित हो सकते हैं।

ऊंची ब्याज दरें और ट्रेजरी यील्ड

आम तौर पर सोने की अपील को कम कर देती हैं। कारण है कि धातु इंटरेस्ट इनकम जेनरेट नहीं करती है। अपेक्षाकृत मजबूत अमेरिकी डॉलर ने दबाव बढ़ा दिया है।

अलग-अलग एसेट क्लास में बिकवाली ने भी गिरावट में योगदान दिया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से संबंधित शेयरों से जुड़े इक्विटी बाजार में करेक्शन ने निवेशकों को मार्जिन कॉल को पूरा करने के लिए लिक्विड होल्डिंग्स बेचने के लिए प्रोत्साहित किया। इससे कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ गया।

सोने की कीमत का आउटलुक

तत्काल आउटलुक अनिश्चित बना हुआ है। एक्सपर्ट 4,000 डॉलर प्रति औंस की सीमा पर नजर रख रहे हैं। सेबी-रजिस्टर्ड ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थटेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि बिकवाली के दौरान सोना 4,000 डॉलर से नीचे फिसलने के बाद सप्ताह के अंत में 4,008 डॉलर के करीब पहुंच गया। तत्काल समर्थन क्षेत्र 3,970 डॉलर - 4,000 डॉलर पर है, जबकि इस सीमा से नीचे का ब्रेक कीमतों को 3,900 डॉलर तक खींच सकता है। ऊपर की ओर सोने को 4,070 डॉलर - 4,100 डॉलर पर रजिस्टेंस का सामना करना पड़ रहा है। इसके बाद 4,170 डॉलर - 4,200 डॉलर पर रजिस्टेंस का सामना करना पड़ रहा है। निकट अवधि के टेक्निकल आउटलुक में सुधार के लिए इन स्तरों से ऊपर लगातार आगे बढ़ने की जरूरत होगी। घरेलू बाजार में पोनमुडी ने एमसीएक्स सोने के लिए तत्काल समर्थन जोन के रूप में 1,40,000-1,41,000 रुपये की पहचान की।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक का दमदार प्रदर्शन, विकास की रफ्तार मजबूत

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंकों में शामिल और यूनिवर्सल बैंक में रूपांतरण के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से सैद्धांतिक अनुमोदन प्राप्त करने वाले एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने 30 सितंबर 2026 को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित किए। बैंक ने इस तिमाही में सभी प्रमुख कारोबारी और वित्तीय मापदंडों पर मजबूत वृद्धि दर्ज की, जो उसकी निरंतर विकास गति, बेहतर लाभप्रदता और मजबूत परिसंपत्ति गुणवत्ता को दर्शाती है। वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (क्यू2 एफवाय27) में बैंक का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 53 प्रतिशत बढ़कर 858 करोड़ हो गया। इस दौरान शुद्ध ब्याज आय में 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह पिछले वर्ष की समान तिमाही के 2,144 करोड़ से बढ़कर 2,820 करोड़ पर पहुंच गई। बैंक का शुद्ध ब्याज मार्जिन भी क्यू2 एफवाय26 के 5.5 प्रतिशत से बढ़कर 5.8 प्रतिशत हो गया, जो 33 बेसिस पॉइंट की सालाना वृद्धि दर्शाता है। वहीं, फंड की लागत 43 बेसिस पॉइंट घटकर 6.83 प्रतिशत से 6.41 प्रतिशत पर आ गई। क्रेडिट कार्ड और ट्रांजेक्शन बैंकिंग से प्राप्त शुल्क आय के समर्थन से कोर अन्य आय में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 736 करोड़ रही। इसके अतिरिक्त, क्रेडिट कॉस्ट में भी उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया, जो 1.2 प्रतिशत से घटकर 0.8 प्रतिशत पर आ गई। बैंक का वार्षिकीकृत परिसंपत्तियों पर प्रतिफल 1.7 प्रतिशत और इक्विटी पर प्रतिफल 16.1 प्रतिशत रहा। बैंक की जमा और ऋण पुस्तिका में भी मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। 30 सितंबर 2026 तक बैंक की कुल जमा राशि 1,70,460 करोड़ रही, जो सालाना आधार पर 28.6 प्रतिशत की वृद्धि है और बैंकिंग प्रणाली की वृद्धि दर की लगभग 1.6 गुना है।

आग की घटना पर थिंक गैस का स्पष्टीकरण

भोपाल। भोपाल के भानपुर ब्रिज के पास 24 अक्टूबर को थिंक गैस की गैस पाइपलाइन के निकट आग लगने की घटना से संबंधित मीडिया रिपोर्टों के संदर्भ में कंपनी की ओर से निम्नलिखित स्पष्टीकरण दिया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही थिंक गैस की इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम तत्काल मौके पर पहुंची और जनसुरक्षा सुनिश्चित करने तथा स्थिति को और गंभीर होने से रोकने के लिए गैस आपूर्ति को तत्काल बंद करने सहित आवश्यक एहतियाती कदम उठाए। इसके बाद टीम ने आवश्यक सुधार एवं मरम्मत कार्य शुरू किया और चरणबद्ध तरीके से गैस आपूर्ति बहाल की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, गैस पाइपलाइन के आसपास अज्ञात व्यक्तियों द्वारा कचरा या मलबा जलाए जाने के कारण आग लगने की आशंका है। घटनास्थल पर बैरिकेडिंग भी की गई थी। हालांकि, घटना के सटीक कारणों और परिस्थितियों का पता लगाया जा रहा है। इस मामले की जांच सुनिश्चित करने और घटना के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के उद्देश्य से थिंक गैस अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करा रही है। थिंक गैस का भोपाल जिले में व्यापक सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क है। भूमिगत गैस पाइपलाइनों की सुरक्षा के लिए नेटवर्क पर रूट मार्कर, सावधानी संबंधी चेतावनी बोर्ड और आपातकालीन संपर्क नंबर प्रदर्शित करने वाले बोर्ड लगाए गए हैं। कंपनी निर्धारित सुरक्षा मानकों और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रक्रियाओं का पालन करती है। आमजन की सुरक्षा और गैस वितरण नेटवर्क की संरक्षा कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं। हाल ही में भोपाल के जिला कलेक्टर ने विभिन्न यूटिलिटी एजेंसियों, जिनमें सड़क चौड़ीकरण का कार्य करने वाले ठेकेदार भी शामिल हैं, के साथ बैठक कर गैस पाइपलाइनों के आसपास काम करते समय निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने की सलाह दी थी।

पी एंड जी इंडिया के ब्रांड्स पहली बार एक बिल्कुल नए और अनूठे अंदाज में

भोपाल। पी एंड जी इंडिया ने पी एंड जी लूप - द क्रिएटर कलेक्टिव का अनावरण किया। इस पहल के तहत भारत में पहली बार अलग-अलग श्रेणी के सभी आईकोनिक ब्रांड्स को एक साझा मंच पर लाया गया है। मुंबई के डोम ञ एनएससीआई एसवीपी में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में हज़ारों क्रिएटर्स और सांस्कृतिक हस्तियों के साथ पी एंड जी के वैश्विक और भारतीय नेतृत्वकर्ता, वैज्ञानिक, ब्रांड एंबेसडर और साझेदार भी शामिल हुए। इस विशेष अनुभव के जरिए प्रतिभागियों को कंपनी के उत्पादों के पीछे के विज्ञान, उपभोक्ताओं की जरूरतों की समझ और नवाचार को करीब से समझने का अवसर मिला। पी एंड जी में नवाचार की शुरुआत उपभोक्ताओं की गहरी समझ और उनकी बदलती जरूरतों को पहचानने से होती है। उपभोक्ता को प्राथमिकता देने की सोच के साथ पी एंड जी लूप क्रिएटर्स को ऐसे नए अवसर प्रदान करता है, जिससे वे पी एंड जी के उत्पादों के पीछे के विज्ञान और सोच को करीब



से जान सकें। इससे उत्पाद नवाचार और उसके फायदों को उपभोक्ताओं तक पहुँचाना और अधिक प्रासंगिक व सहज रुप से समझाना आसान हो जाता है। इमर्सिव ब्रांड वर्ल्ड, विशेषज्ञों के साथ बातचीत, इंटरैक्टिव मास्टरक्लास और लाइव डेमोंस्ट्रेशन के ज़रिए, यह अनुभव रोज़मर्रा के उत्पादों के पीछे की कहानियों को जीवंत कर देता है। यह कार्यक्रम पी एंड जी के आईकोनिक ब्रांडों और उनके नवीनतम उत्पादों को भी सामने लाता है। यह दर्शाता है कि कैसे उपभोक्ताओं की समझ, वैज्ञानिक विशेषज्ञता और निरंतर नवाचार मिलकर ऐसे उत्पाद तैयार करते हैं, जो वास्तविक जीवन की जरूरतों को पूरा करते हैं।

पारंपरिक उत्पाद प्रदर्शन से आगे बढ़कर, पी एंड जी लूप क्रिएटर्स को ब्रांड्स को तैयार करने के पीछे के अनुसंधान, फॉर्मूलेशन साइंस और उसमें बरती जाने वाली सावधानी को समझने का अवसर देता है। इसका प्रमुख उद्देश्य रोज़मर्रा के जीवन को बेहतर बनाना और उपभोक्ताओं की उन ज़रूरतों को पूरा करना है, जिनके लिए अभी पर्याप्त समाधान उपलब्ध नहीं हैं। पी एंड जी इंडिया के सीईओ कुमार वेंकटसुब्रमणियन ने कहा, पी एंड जी में, नवाचार की शुरुआत उपभोक्ताओं की गहरी समझ और उनकी बदलती जरूरतों को पूरा करने की प्रतिबद्धता से होती है। उपभोक्ता को प्राथमिकता देने की सोच के अनुरूप, हम विज्ञान, शोध और उपभोक्ताओं की समझ को एक साथ लाते हैं।

नेटवेब टेक्नोलॉजी ने जारी कर दिया क्यूडब्ल्यू रिजल्ट, 60 प्रतिशत बढ़ा नेट प्रॉफिट

नईदिल्ली, एजेंसी। एआई कंपनी नेटवेब टेक्नोलॉजी ने तिमाही नतीजों का ऐलान कर दिया है। कंपनी की तरफ से कल शनिवार को तिमाही नतीजों की जानकारी दी गई है। तिमाही दर तिमाही के आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 60 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वहीं, रेवन्यू में 61 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है।

एआई कंपनी ने दी जानकारी में कहा है कि दूसरी तिमाही के दौरान कुल रेवन्यू 1323 करोड़ रुपये रहा है। पहली तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 819 करोड़ रुपये रहा था। नेट प्रॉफिट कंपनी का 60.60 प्रतिशत बढ़ा है। यह पहली तिमाही के दौरान 127 करोड़ रुपये रहा है। पहले क्वार्टर में यह 85.30 करोड़ रुपये रहा था। बता दें, कंपनी का पहली तिमाही के दौरान 119.80 करोड़ रुपये रहा था। जोकि इस बार 197 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है।

इस कंपनी के पास 30 सितंबर 2026 तक कुल 2629 करोड़ रुपये का ऑर्डर बुक था। कंपनी ने बताया है कि 11151.80 करोड़ रुपये का काम पाइपलाइन में है। इसपर बातचीत चल रही है।

कंपनी ने दी जानकारी में कहा है कि दूसरी तिमाही में एआई सिस्टम का योगदान 1283.60 करोड़ रुपये रहा है। जोकि ऑपरेटिंग रेवन्यू का 59.90 प्रतिशत है। बता दें, पहली छमाही के दौरान इस कंपनी का 222 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। पिछले वित्त वर्ष की पहली



तिमाही में यह आंकड़ा 205.80 करोड़ रुपये रहा था। शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर बीएसई में यह स्टॉक 5.57 प्रतिशत की गिरावट के बाद 4335.85 रुपये के स्तर पर बंद हुआ था। पिछले एक महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 8 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। हालांकि, इसके बाद भी 2026 में एआई कंपनी के शेयरों का दाम 41 प्रतिशत बढ़ा है। एक साल में इस स्टॉक की कीमतों में 15 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। बता दें, दो साल में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 64 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। तीन साल से शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को 416 प्रतिशत का रिटर्न इस कंपनी ने दिया है।

84,084 करोड़ का मेगा प्लान, गहरे समंदर में छिपा खजाना तलाशेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार 84,084 करोड़ रुपये की 'समुद्र मंथन' योजना के तहत ऊर्जा कंपनियों के साथ गहरे पानी (डीपवाटर) में तेल और गैस की खोज (एक्सप्लोरेशन) का खर्च साझा करेगी। इसके तहत जोखिम भरे कुओं की खुदाई के खर्च का एक हिस्सा सरकार उठाएगी। ऑफशोर बेसिन की सिस्मिक मैपिंग के लिए फंड देगी। साथ ही साझा उत्पादन सुविधाएं बनाने में मदद करेगी।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 'समुद्र मंथन' कार्यक्रम के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसका मकसद भारत के गहरे पानी और बहुत गहरे पानी (अल्ट्रा-डीपवाटर) वाले क्षेत्रों में तेल-गैस खोजने के काम को आर्थिक रूप से बेहतर बनाना है। अभी तक यहां खुदाई का बहुत अधिक खर्च और भूगर्भीय अनिश्चितताओं के कारण निवेश कम रहा है। आयात पर भारत की भारी निर्भरता को कम करना है। दिशा-निर्देशों के अनुसार, यह योजना वित्त वर्ष 2030-31 तक चलेगी। इसमें वित्त वर्ष 2026-27 को तैयारी के वर्ष के रूप में रखा गया है, जबकि वित्त वर्ष 2027-28 से 2030-31 तक के समय को 'चरण-1' (फेज-1) माना जाएगा। पेट्रोलियम



सचिव नीरज मित्तल ने दिशा-निर्देशों की प्रस्तावना में इस योजना को हाल के समय में तेल और गैस क्षेत्र (अपस्ट्रीम) में शुरू की गई सबसे महत्वाकांक्षी पहल बताया है। उन्होंने कहा कि इससे भारत के रिजर्व में 60 करोड़ टन से अधिक तेल के बराबर संसाधन जुड़ सकते हैं। प्लान के मुख्य हिस्से के तहत सरकार गहरे पानी और बहुत गहरे पानी वाले क्षेत्रों में 56 खोज कुओं (एक्सप्लोरेटरी वेल्स) और चार स्ट्रैटिग्राफिक कुओं के लिए वित्तीय सहायता देगी। दिशा-निर्देशों के अनुसार, 400 मीटर से अधिक गहरे पानी को 'डीपवाटर' और 1,500 मीटर से अधिक गहरे पानी को 'अल्ट्रा-डीपवाटर' माना जाएगा। इन 56 खोज कुओं के लिए सरकार वास्तविक खर्च का 50 फीसदी तक हिस्सा देगी। लेकिन, प्रति कुआं अधिकतम 675 करोड़ रुपये की सीमा तय की गई है। चार स्ट्रैटिग्राफिक कुओं के लिए सरकार खर्च का 100 फीसदी तक हिस्सा दे सकती है।

ओप्पो इंडिया ने नई ओप्पो फाइंड एक्स10 सीरीज के साथ

प्रीमियम फ्लैगशिप स्मार्टफोन्स का स्तर और ऊंचा किया

नई दिल्ली, एजेंसी। ओप्पो इंडिया ने अपनी नई ओप्पो फाइंड एक्स10 सीरीज लॉन्च की है, जिसमें ओप्पो फाइंड एक्स10 और ओप्पो फाइंड एक्स10 प्रो मैक्स शामिल हैं। इसके साथ ही ओप्पो की इनोवेटिव और प्रीमियम फ्लैगशिप फाइंड एक्स सीरीज की 10वीं पीढ़ी की शुरुआत हो गई है। प्रीमियम स्मार्टफोन अनुभव का एक नया पैमाना तय करने के लिए तैयार की गई फाइंड एक्स10 सीरीज में शानदार ट्रू-टू-लाइफ इमेजिंग, बेमिसाल परफॉर्मेंस, जबरदस्त बैटरी बैकअप और आकर्षक रिफाइंड डिजाइन का मेल है। इसके साथ ही, नया कलरओएस 17 यूजर्स को एक बेहतरीन और स्मूथ सॉफ्टवेयर अनुभव प्रदान करता है। ओप्पो ने अपने फ्लैगशिप कनेक्टेड इकोसिस्टम का विस्तार करते हुए ओप्पो एन्को एक्स4 और ओप्पो पैड मिनी भी पेश किए हैं, ताकि यूजर्स बिना किसी रुकावट के एक ही फ्लो में तस्वीरें ले सकें, कंटेंट बना सकें और शेयर कर सकें। कुल मिलाकर, यह पूरा फ्लैगशिप पोर्टफोलियो रोजमर्रा के अनुभव को और बेहतर बनाता है, जिससे हर एक शॉट, एडिट और शेयर बिल्कुल वास्तविक और उस पल के करीब महसूस होता है।

ओप्पो फाइंड एक्स 10 सीरीज में ऐसा कैमरा सिस्टम दिया गया है, जिसे वास्तविक जीवन में दिखाई देने वाले दृश्यों के और करीब तस्वीरें लेने के लिए तैयार किया गया है। फाइंड एक्स 10 में डुअल



200 एमपी कैमरा सिस्टम दिया गया है, जबकि ओप्पो फाइंड एक्स 10 प्रो मैक्स में क्रांतिकारी ट्रिपल 200 एमपी कैमरा सिस्टम पेश किया गया है। इसमें पीछे दिए गए तीनों कैमरों में 200 एमपी का रिजॉल्यूशन मिलता है। हैसलब्लैड के साथ मिलकर विकसित किए गए इस कैमरा सिस्टम में नया ल्यूमो ट्रू इमेज इंजन और दूसरी पीढ़ी का ट्रू कलर कैमरा दिया गया है, जो तस्वीरों में प्राकृतिक रंग, टोन और बारीकियों को बेहतर तरीके से पेश करता है। वहीं, ल्यूमो कलर पैलेट की मदद से यूजर्स इन प्राकृतिक रंगों के आधार पर अपनी पसंद की अलग स्टाइल तैयार कर सकते हैं। वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए भी इसमें सिनेमाई स्तर के फीचर्स दिए गए हैं। इनमें 4 के सिने-ग्रेड एचडीआर वीडियो, डॉल्बी विजन और ओपन गेट कैप्चर शामिल हैं। नया कलरओएस 17 एआई माइंड पायलट के साथ आता है, जिसमें एजेंट मोड दिया गया है। यह डिवाइस में मौजूद फोटो और फाइलों के साथ काम करके कई चरणों वाले कार्यों को पूरा कर सकता है।इस सीरीज में 8000 एमएएच तक की बैटरी दी गई है। वहीं, ओप्पो फाइंड एक्स 10 प्रो मैक्स में 2 एनएम तकनीक पर आधारित मीडियाटेक डाइमेंसिटी 9600 प्रो प्रोसेसर दिया गया है। इसके अलावा, सीरीज में नया बॉर्डरलेस डिजाइन भी पेश किया गया है। ओप्पो फाइंड एक्स 10 सीरीज के साथ ओप्पो पैड मिनी भी पेश किया गया है। यह कंपनी का पहला कॉम्पैक्ट 8.8 इंच का टैबलेट है, जिसमें छोटे और आसानी से साथ ले जाने योग्य डिजाइन के साथ फ्लैगशिप स्तर की परफॉर्मेंस और एआई आधारित प्रोडक्टिविटी फीचर्स दिए गए हैं। इसके अलावा, ओप्पो एनको एक्स 4 भी पेश किया गया है, जिसे डाइनऑडियो के साथ मिलकर विकसित किया गया है। इसमें शानदार साउंड क्वालिटी के साथ प्रीमियम ऑडियो अनुभव मिलता है। ये दोनों डिवाइस स्मार्टफोन से आगे ओप्पो के फ्लैगशिप अनुभव का विस्तार करते हैं। इनकी मदद से यूजर्स रोजमर्रा के कामों में बेहतर कनेक्टिविटी, उत्पादकता, रचनात्मकता और मनोरंजन का सहज अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। लॉन्च के मौके पर ओप्पो इंडिया की कम्युनिकेशंस प्रमुख गोल्डी पटनायक ने कहा, पिछली 10 पीढ़ियों से ओप्पो फाइंड एक्स सीरीज स्मार्टफोन इनोवेशन की सीमाओं को आगे बढ़ाती रही है। ओप्पो फाइंड एक्स 10 सीरीज के साथ हम उन समस्याओं को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं, जिनका सामना कंटेंट क्रिएटर्स को सबसे ज्यादा करना पड़ता है। इनमें आंखों से दिखाई देने वाले दृश्य और तस्वीरों के बीच अंतर, रोशनी बदलने के साथ तस्वीरों के परिणाम में बदलाव और ऐसे एआई फीचर्स शामिल हैं, जो काम आसान करने के बजाय प्रक्रिया को और लंबा बना देते हैं। पैड मिनी के जरिए ओप्पो एक नया डिवाइस फॉर्म फैक्टर पेश कर रहा है, जो कॉम्पैक्ट होने के साथ कंटेंट क्रिएटर्स के लिए भी उपयोगी है। वहीं, एनको एक्स 4 के साथ कंपनी ने अपने कनेक्टेड इकोसिस्टम को पूरा किया है, जिससे यूजर्स एक ही सहज प्रक्रिया में कंटेंट कैप्चर कर सकते हैं, उसे तैयार कर सकते हैं और शेयर कर सकते हैं। हैसलब्लैड के साथ मिलकर विकसित की गई ओप्पो फाइंड एक्स 10 सीरीज में हाई-रिजॉल्यूशन कैमरा हार्डवेयर और ओप्पो की नवीनतम कंप्यूटेशनल फोटोग्राफी तकनीक का संयोजन किया गया है। एलयूएमओ ट्रू इमेज इंजन को प्राकृतिक रंगों, रंगों की गहराई और बारीक विवरणों को बरकरार रखने के लिए तैयार किया गया है। इससे तस्वीरें जरूरत से ज्यादा प्रोसेस की हुई दिखने के बजाय वास्तविक दृश्य के अधिक करीब नजर आती हैं।

मन्नत हर खुशी पाने की का एक नया चैप्टर शुरू होने जा रहा है

मुंबई। सफलता का स्वाद चखने और दर्शकों का दिल जीतने के बाद, कलर्स का 'मन्नत हर खुशी पाने की' एक रोमांचक नए अध्याय के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। तन्वी डोगरा और नमिक पॉल इस शो में नए मुख्य किरदारों के रूप में नज़र आएंगे। यह कहानी दो बेहद स्वतंत्र सोच रखने वाले लोगों की है, जिनकी बिल्कुल अलगअलग दुनियाएं खाने के ज़रिए एकदूसरे से टकराती हैं। मन्नत जुनेजा (तन्वी डोगरा), जो अपने परिवार का विराट दा ढाबा चलाती है, मानती है कि खाने की असली पहचान उसकी सच्चाई, प्यार और उससे जुड़ी यादों में होती है। वहीं कबीर ओबेरॉय (नमिक पॉल), जो शानदार फाइनडाइनिंग रेस्तरां मेज़बानी का मालिक है, सटीकता, नवाचार और परफेक्शन को सबसे अधिक महत्व देता है। एक मध्यमवर्गीय पंजाबी परिवार में पलीबढ़ी मन्नत के लिए यह ढाबा सिर्फ एक कारोबार नहीं, बल्कि उसके पिता सुरिंदर से मिली एक अनमोल विरासत है, जिसमें उसके परिवार की यादें और सपने बसे हुए हैं। वहीं, वह अपराधबोध से जूझते हुए अपनी मां के भरोसे पर खरा उतरने की कोशिश भी करती है। दूसरी ओर, एक संपन्न परिवार द्वारा गोद लिए गए कबीर ने अपनी पहचान महत्वाकांक्षा, अनुशासन और उन लोगों के प्रति वफादारी के आधार पर बनाई है, जिन्होंने उसे एक घर दिया। लेकिन उसके सधे हुए व्यक्तित्व के पीछे एक जटिल अतीत छिपा है और उस त्रासदी का अपराधबोध भी, जिसने मन्नत के परिवार को बिखेर दिया था। जैसेजैसे विराट दा ढाबा की मिट्टी से जुड़ी गर्मजोशी और मेज़बानी की नफासत आमनेसामने आती है, उनके बीच व्यंजनों, महत्वाकांक्षाओं और अहंकार की टक्कर शुरू हो जाती है। उन्हें करीब लाएंगे, या फिर उनके दिलों में छिपे सच उन्हें एकदूसरे से दूर कर देंगे? तन्वी डोगरा मन्नत जुनेजा और नमिक पॉल कबीर ओबेरॉय की भूमिका में नज़र आएंगे। इनके साथ किशोरी शहाणे सारिका ओबेरॉय और सुप्रिया शुक्ला जॉली जुनेजा के किरदार में दिखाई देंगी।

कष्ट में ही होते हैं प्रभु के दर्शन



भक्तों को सदैव कष्ट में ही प्रभु के दर्शन हुए है। अतः सच्चा भक्त भगवान से दुःख ही दुःख मांगता है। संकट का समय भक्त की परीक्षा काल होता है। नृसिंह भगवान के दर्शन प्रहलाद को दुःख ही हुए थें। ध्रुव यदि अपनी सौतेली माँ से अपमानित न होते तो उन्हें प्रभु-प्राप्ति कैसे होती। अहिल्या पाषाण-मूर्ति होकर ही प्रभु-स्पर्श की अधिकारिणी बनकर प्रभु को प्राप्त कर सकी। प्रभु अपने प्रिय भक्तों के सकंट देख नहीं सकते। उन्हें भक्त की आर्त पुकार सुनकर नंगे पैर दौड़कर आना ही पड़ता है। भगवान श्री कृष्ण गीता में कहा है। कि सगुणोपासक भक्तों की भगवान नन्हें शिशु की तरह रक्षा करते है। अतः ज्ञान पाकर भी पंडित भांक्ति नहीं छोड़ते। भक्ति मार्ग में सबसे सरल, सुगम, साधन प्रभु का नाम-स्मरण बताया गया है। पूर्ण स्वेण प्रभु के अधीन हो उनके नाम स्मरण से जीव को शाखत सुख की प्राप्ति होती है। कलियुग में भवसागर पार करने का एक मात्र सुगम साधन यही है। गोरवामी तुलसी दास जी ने श्री राम चरित मानस में प्रभु के नाम-स्मरण की महिमा का स्थान-स्थान पर वर्णन किया है। भगवान नाम-साधना एवं भगवान नाम स्मरण से प्राणी में अलौकिक दिव्य प्रकाश का उदय होता है। जिसकी जिव्हा के अग्रभाग में हरि' ये दो अक्षर विराजमान रहते है वह विष्णुलोक को प्राप्त करता है। ऐसे मनुष्य का पुनः जन्म नहीं होता। साधक जो फल तपस्या, योगाभ्यास और समाधि द्वारा भी प्राप्त नहीं कर पाता वह फल केवल हरिनाम- कीर्तन के अत्यन्त सरल उपाय से तत्काल प्राप्त कर लेता है। कलियुग में तो हरिनाम कीर्तन की ही विशेष महिमा है।



भगवनमय है सारा संसार

अज्ञान जनित योगलोलुपता के अहंकार ने हमारे ज्ञान को ढक लिया है और चारो ओर से इस अंधकार को और भी धन करने की भरसक कोशिश हो रही है। इस अंधकार की घनता को ही ज्ञान का प्रकाश कहा जाता है। मनुष्य की वृद्धि आज उल्लू और चमगादड़ की दृष्टि जैसी हो गई है। जैसे इन पक्षियों को दिन में अंधेरा और रात को प्रकाश नजर आता है, वैसे ही हमें आज अंधकार में ही प्रकाश का भ्रम हो रहा है। इसी से हम ' कामोपयोगपरायण होकर सैंकड़ो आशा की फासियों में बंधे हुए काम-क्रोधादि साधनों से ''कामयोगार्धं'' अन्यायपूर्वक अर्थ प्राप्ति के उपायों में लगे रहे हैं। मोह ने हमे घेर लिया है, अभिमान ने हमें अंधा कर दिया है। लोग ने हमारी वृत्ति को बिगाड़ दिया है। मद ने हमें उन्मत बना दिया है। इसी से हम आज अहंकार, बल, दर्प, काम, क्रोध का आश्रय लेकर सर्वभूतस्थित भगवान के साथ देश करने लगे है। इन आसुरी भावों का परिणाम नरक की यंत्रणाएं और अधम गति के सिवा और क्या हो सकता है? उपाय क्या है? उपाय है भगवदाराधन जिन लोगों को भगवान में कुछ भी विश्वास है है वे सबकी ऐसी वृद्धि होने के लिए भगवान से सरल श्रद्धायुक्त आकृविम प्रार्थना करें, उठते हुए भगवद् विखाज को अपने शुभ आचरण और सच्ची भक्ति के द्वारा फिर जमायें भगवत श्रद्धा के सूखते हुए वृक्ष की जड़ को सच्ची निर्भरता की अश्रुजल-धास से खीचे। आप्तवचनों पर श्रद्धा करें। ऋषिमुनियों को भ्रान्त मानना छोड़ दे। जीवन को तप संयम से पूर्ण बनाकर भगवन कृपा का आश्रय ग्रहण करें। अटल विश्वास तथा परम श्रद्धा के साथ भगवान के श्रीचरणों की सेवा करें। और उनके पवित्र नाम का जाप करें। मनुष्य को सावधान होकर यह सोचना चाहिए कि यहां सभी योग-सुख अनित्य है, बिजली की भांति चंचल है। शरीर कच्चे घड़े के समान अचानक जरा सी ठेस लगते ही नष्ट हो जाने वाला है। इसलिये भोगों से मन हटाकर भगवान में प्रेम करें । संसार के लिए भगवान को भी न भुलाया जाए। भगवान के लिए संसार को छोड़ना पड़े तो आपत्ति नहीं, परंतु संसार के लिए भगवान कभी न छूटे। यदि मनुष्य इस प्रकार निश्चय कर ले तो पिर संसार को छोड़ने की भी जरूत नहीं पड़ती सारा संसार भगवन्मय ही तो है।

आज भोगों के लिए तप होते है

हमारा पूरा जीवन ही भौतिकवादी हो गया है। ब्राहम वस्तुओं के लिए, इन्द्रिय भागों के लिए वह बिक गया है। मांस के टुकड़ों के लिए चील-कौओं की भांति लड़ाई होने लगी है। किसी जमाने में परमात्मा प्राप्ति के लिए तप किए जाते थे लेकिन आज भोगों की प्राप्ति के होते है। कभी भगवान के प्रति आत्म समर्पण होता था, आज भोगों की प्रतिमा पूजी जाती है। कभी देहरात्मबोहा छोड़कर ब्रह्मात्मबोध किया जाता था अब ब्रह्माबोध की जरूत नही समझी जाकर उस रास्ते के पथिकों को भी देहात्मबोध की शिक्षा दी जाती है। बड़े-बड़े मनीषी तपस्पी संयसी पुरूष भी आज भोगों की प्राप्ति करने-कराने के लिए जीवन की और धर्म की बाजी लगाये बैठे है। एवं इसी को धर्म समझा जा रहा है। पर योगपरायणता-इन्द्रिय सुख परता का परिणाम क्या होता है। मनुष्यों में राक्षसी भावों का उदय, हेष-हिंसा प्रविहिंसा का प्राबल्य, घोर अशांति ओर सुख के नाम पर दुःख पूर्ण जीवन यापन इसका प्रत्यक्ष प्रमाण भोग सुख और भौतिक सत्ता सामर्थ्य से सम्पन्न समुन्नत कहने वाले देशो की भी बुरी दशा है। परंतु इस दशा को देखना होगा ईश्वरामिमुखी ज्ञान सम्पन्न त्र+षि-नेगों पर जाले तो छा ही गये है। चांहे वह बुरी-से बुरी हों ऐसा जादू छाया है कि उसने हद्रय को ही पराया बना दिया। इसी के परिणाम-स्वरूप आज हम वहां के अनाचार में सदाचार पाप में पुन्य, स्वार्यन्धता में देशभक्ति, अवनति में उन्नति अधर्म में धर्म और पतन में उत्थान का विपरीत हद्रय देख रहे है। और बस और उसी के प्रवर्तन की अन्धचेष्टा में तत्पर हैं।





प्रभु सर्वान्तर्यामी है

हृदय में परमात्मा का अनुभव हो जाने पर कण कण में वहीं नजर आता है यही सच्चा अनुभव है परमात्मा सम्पूर्ण दिव्य गुणों से युक्त होते हुए भी सम्पूर्ण गुणों से परे है निलिप्त है, इसलिए उन्हें निर्गुण कहा गया है बुद्धिप्रधान व्यक्ति ज्ञानमार्ग का आश्रय लेकर परमात्मा को निर्गुण मानता है परन्तु हृदयप्रधान भावुक भक्त परमात्मा को सगुण मानता है। निराधार नाम, रूप, गुण के अभाव में प्रभु तारतम्य कैसे हो सकता है ? प्रेमाभक्ति के द्वारा जीव भगवान से जुड़ जाता है भक्ति का अर्थ भगवान से योग बताया गया है। सम्पूर्ण जगत व्याप्त परमात्मा की सत्ता का ज्ञान तथा आनन्द हमारे संबंध को जगत से विभक्त करके भगवान के साथ संबंध कराते हैं यही भक्ति है। प्रेमपूर्वक भजन करना भक्ति है ऐसी स्थिति में भगवान के अलावा समस्त सांसरिक बंधन उसके लिए गौण हो जाता है। संसार में यदि भक्त का किसी और से कहीं भी संबंध है तो वह केवल भगवान के नाते ही है। भगवान के साथ सेवा प्रेम एवं विश्वास का संबंध जोड़ लेना ही भक्ति योग है। योग अर्थात हुडे रहना, अनवरत प्रयत्नशील रहना। चेतना अथवा अचेतावस्था प्रत्येक समय स्थायीरूप से भक्ति भावना का बने रहना शुद्ध भक्ति है। जैसे परिवार के सदस्यों के प्रति सोते, जागते, उठते, बैठते एक स्थायी प्रेम सदा बना रहता है। पुत्र पास हो या दूर, उसका प्रेम तो उतना ही रहता है। वह प्रेम विस्मृति से नष्ट नहीं होता। यह रागात्मक संसार है। भक्ति भी ऐसी ही होनी चाहिए। ऐसी भक्ति रखने वाले भक्त के पीछे स्वयं भगवान चक्कर लगाते हैं।निर्बल साधक के लिए शरणगत होकर प्रभु का स्मरण करना ही एकमात्र अवलम्बन रहता है जिस प्रकार मछली जल के लिए तड़पती है जैसे पुत्रशोक के विहल होकर माता पिता आकुल व्याकुल होते हैं उसी प्रकार सच्चा साधक प्रभु के लिए मन ही मन तड़पता रहता है। उसके लिए सुख दुख समान हो जाते हैं। वह सब कुछ कृष्णार्पन कर केवल भक्ति मांगता है उसे विश्वास रहता है कि प्रभु सर्वान्तर्यामी है वे जो कुछ करेंगे उसके हित में ही करेंगे।

मनुष्य सुख प्राप्ति के यत्न में उलझा

जिस और मन की गति होती है। उसी ओर प्राणशक्ति का प्रवाह होता है। यदि आप चुपचाप बैठे हुए अपने-आप में कुछ बाहर संसार की सोच रहे है। तो ऐसी सोच करने की अवस्था में आपका प्राण भी अपने ही प्रकार से कुछ घुटा-घुटा सा चलता है। परंतु जब आप चिंता रहित की अवस्था में बैठे है तो उस समय आपका प्राण भी बड़े आराम से चलता है। कारण कि मन बाहर की उलझन से रहित होकर किसी प्रकार की भी सोच न करता हुआ अपने आप में अंदर रहता है। जिस-जिस प्रकार से मनुष्य के अंदर भय,शोक, राग, द्वेष आदि का कोई ज्ञान होता है। तो उसी ज्ञान कें ढ़ग से उसके अंदर उसकी प्राण शक्ति अथाति देह का काम चलाने वाली क्रियाशक्ति करती है। यदि आपका ज्ञान बाहर के प्राणी तथा पदार्थो में भटका हुआ है। तो समझों उसके साथ आपका श्वास भी बाहर ही भटक रहा है। जब प्राण बाहर के ज्ञान के साथ, भटका हुआ है तो उसकी शक्ति भी बाहर ही भटकी हुई रहेगी। वह अपने अंदर एकत्रित नहीं हों पायेगी। यदि मन बाहर संसार से बिना किसी निमित के मुक्ति पा जाय तो उसका बाहर से मुक्त प्राण भी देह के अंदर एकत्रित होगा और उस प्राण शक्ति का अपने अंदर ही इकठा होने का सुख होगा, जैसा कि निंदा में होता है। परंतु बच्चे को तो बचपन से ही बाहर से प्राणी तथा पदार्थो के सहारे ही सुख लेने की आदत पड़ी हुई है। और इन तुच्छ सुखों के माप तथा अंतिम परिणाम के बारे में उसका कुछ भी ज्ञान नहीं है। यदि यह ज्ञान कोई मनुष्य अपने अंदर जगा ले कि बाहर के प्राणियों एवं पदार्थो से मिलने वाले सुख थोड़ी देर रहने वाले है। और उन्त में ये सुख-दुःखों में ही समाप्त होते है। तो इस प्रकार का अर्न्तज्ञान होने का नाम ही विवेक या सत्य का ज्ञान है। यदि इस ज्ञान से उसकी बाहर से मुक्ति हो जाय अथति मन संसार में कही भी बंधा न रहे तों उसकी प्राणशक्ति भी अपने आप अंदर सुख भी प्रकट करेगी। परंतु मनुष्य बाहर संसार में ही उलझा-उलझा कर्म करता हुआ सुख प्राप्त करने का यत्न करता रहता है।

कर्म अपनी छाप छोड़ता है

मनुष्य बाह्य संसार में जो कुछ भी कर्म जैसे रिश्ते-नाते जोड़ना तथा कई प्रकार के पदार्थों के साथ ही उनको प्राप्त करने के लिए संबंध जोड़ना इत्यादि करता है या अभी तक उसने किया है, वे सब कर्म वही पर करने के साथ समाप्त नहीं जो जाते अर्थात प्रत्येक किया गया कर्म अपनी एक छाप अंदर छोड़ जाता है। अब उन सब किये गये कर्मों ने आपके अंदर एक ऐसी शक्ति खड़ी कर दी है। जिसको प्रकृति से बांधने वाला एक रस्सा भी कहते है। इस प्रकृति शक्ति के कारण बाहर का भटकना मनुष्य को अंदर ही अंदर आत्मा का सुख पाने के लिए खोखला कर देता है अर्थात असमर्थ बना देता है और उसकी अपना आपा कुछ खोया-खोया सा अनुभव में संसार में नहीं है। इस अवस्था में उस बाह्य संसार में अधिक भटके हुए मनुष्य को कोई सुख का अनुभव नहीं होता है, यही उसके अंदर दुख है। इस दुख से बचने के लिए वह फिर संसार में प्राणी तथा पदार्थों से ही संबंध जोड़ता है। ताकि दुख के स्थान पर वहीं पुरानी आदतों का कुछ सुख तो मिले। संसार के जिन प्राणियों एवं पदार्थों के संबंध में थोड़ा सुख मिला है मन केवल उन्हीं की स्मृतियां अपने अंदर लिये बैठा है। और वह थोड़ा सा कभी मिला हुआ सुख उसके मन से अब उतरता ही नहीं है अर्थात मन के अंदर वह पुनः सुख लेने की लालच चिपकी हुई है जो कि बाह्य संसार में उसको बांधे हुए है। सुख को आप छोड़ दे तो उधर संसार का चिंतन ही समाप्त हो जाय और मन अपने आप में लौटना शुरूकर देगा। परंतु आलस्य, सुस्ती के कारण अविद्या में पड़ने के बाद प्रकृति तो उन्ही पुराने सुखो के संस्कार ही जगायेगी। जो अपने अंदर लिये बैठी है और बाहर संसार के प्राणी एवं पदार्थों की सोच करने के लिए प्रेरित करेगी।

पाकिस्तान से आगे निकला भारत का जीत का रिकॉर्ड, 300 टी-20 मैचों में दर्ज की 200 जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। मौजूदा समय में टी20 क्रिकेट का क्रेज लगातार बढ़ रहा है और द्विपक्षीय सीरीज में टी20 के मुकाबले अधिक खेले जा रहे हैं। लगभग हर टीम खेल के इस छोटे प्रारूप में अधिक से अधिक मैच खेल रही है जिससे टेस्ट और वनडे के भविष्य पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। भारत ने सर्वाधिक तीन बार टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया है, लेकिन आपको जानकार हैरानी होगी कि इस टीम ने टी20 में सर्वाधिक मैच नहीं खेले हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच शनिवार को दूसरा टी20 मुकाबला खेला गया। भारतीय टीम के लिए ये मैच काफी विशेष रहा क्योंकि उसने मैदान पर उतरने के साथ ही बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। शनिवार को क्राइस्टचर्च के प्रसिद्ध हेग्ले ओवल मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले के साथ ही भारतीय टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों का एक नया और अनूठा कीर्तिमान अपने नाम कर लिया। इस महत्वपूर्ण मैच के साथ ही भारत, चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों का 300 या उससे अधिक का आंकड़ा छूने वाली दुनिया की केवल दूसरी टीम बन गई है। क्रिकेट के इस सबसे तेज, छोटे और रोमांचक फॉर्मेट में भारत की यह यात्रा अविश्वसनीय रूप से सफल रही है, जिसने दुनिया भर के खेल प्रेमियों को अनगिनत यादगार और ऐतिहासिक लम्हे दिए हैं।

टी20 में सर्वाधिक मैच खेलने का रिकॉर्ड फिलहाल पाकिस्तान के नाम है। पाकिस्तान ने अब तक 304 टी20 मैच खेले हैं और वह पहले स्थान पर है। हालांकि, भारत ठीक उसके पीछे है। भारत इस सूची में अब दूसरे पायदान पर मजबूती से स्थापित हो गया है, जिसने अपने 300 मैच पूरे कर लिए हैं। इस क्रम में न्यूजीलैंड की टीम तीसरे स्थान पर है, जिसने अब तक कुल 269 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में हिस्सा लिया है। इसके अतिरिक्त, वेस्टइंडीज की टीम ने 260 और श्रीलंका ने 243 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जो इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली दुनिया की शीर्ष टीमों में शुमार हैं।

टी-20 में भारत-पाकिस्तान के आंकड़े

टी20 में भारतीय टीम के आंकड़ों को देखें तो टीम ने 300 मैचों में से 200 में जीत दर्ज की है। वहीं, मौजूदा टी20 विश्व कप चैंपियन टीम को 83 मैचों में हार मिली है और सात मैच टाई रहे हैं। वहीं, 10 मैच बेनतीजा रहे हैं। टी20 में 200 जीत का यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि भारतीय टीम ने टी20 क्रिकेट में किस स्तर का एकतरफा दबदबा बनाया है और वैश्विक मंच पर अपनी सर्वोच्चता कायम रखी है। दूसरी ओर, पाकिस्तान के प्रदर्शन को देखें तो उसने कुल 304 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें से उसे 176 मुकाबलों में जीत नसीब हुई है और 116 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान के चार मैच टाई पर छूटे हैं और आठ मुकाबलों का कोई परिणाम नहीं आ पाया है। जब भारत और पाकिस्तान के इन आंकड़ों की तुलना की जाती है, तो भारतीय टीम का जीत-हार का अनुपात काफी अधिक मजबूत नजर आता है।





विश्व कुश्ती चैंपियनशिप ललित कांस्य पदक के मुकाबले में पहुंचे

अस्ताना। भारत के ललित ने अमेरिका के मैक्स एमिलियानो नोवरी को 7-0 हराकर ग्रीको रोमन विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई, लेकिन तीन अन्य भारतीय पहलवान पहले दौर में ही बाहर हो गए। ललित कांस्य पदक के मुकाबले में कजाकिस्तान के इस्कर कुरबायेव से भिड़ेंगे। अगर वह यह मैच जीत जाते हैं तो विश्व चैंपियनशिप में ग्रीको रोमन में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे।

विश्व चैंपियनशिप में किस भारतीय ने जीता है पदक...

संदीप तुलसी यादव एकमात्र भारतीय हैं जिन्होंने 2013 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता नितेश सिवाच सहित तीन अन्य भारतीय पहलवान शुरुआती मुकाबलों से आगे नहीं बढ़ पाए। सिवाच को 97 किलोग्राम वर्ग में जर्मनी के एंटोन व्यूएग से हार का सामना करना पड़ा। जर्मनी के खिलाड़ी ने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत हासिल की।

करणजीत (72 किलोग्राम) अपने क्वालीफाइंग मुकाबले में जापान के रिनतारो सोगबे से 2-3 से हार गए। करनजीत अच्छी स्थिति में थे लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए जबकि सोगबे ने जवाबी हमला करके अंक बनाकर भारतीय खिलाड़ी को पीछे छोड़ दिया। जोगिंदर राठी को 130 किलोग्राम वर्ग में तुर्किए के पहलवान और मौजूदा यूरोपीय चैंपियन रिजा कायाल्प से करारी हार का सामना करना पड़ा।

तिलक वर्मा के फिनिशर की भूमिका से प्रभावित हुए सैंटनर

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा के फिनिशर के रूप में उभरने से प्रभावित न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने खुद को नई भूमिका में शानदार तरीके से ढाला है। तिलक ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में नाबाद 51 रन की पारी खेलकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। सैंटनर ने तिलक को मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल एक साथ खेलते हुए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखा है, लेकिन अब बाएं हाथ का यह बल्लेबाज मैच खत्म करने की जिम्मेदारी भी बखूबी निभा रहे हैं।

जीत में दिया अहम योगदान

भारत के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 21 रन देकर चार विकेट लेने वाले सैंटनर मुंबई इंडियंस की टीम में तिलक के अलावा भारत की जीत की नींव रखने वाले नमन धीर के साथ भी ड्रेसिंग रूम साझा कर चुके हैं। सैंटनर ने कहा, जब तिलक ने शुरुआत की थी, तब वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते थे। वह भूमिका थोड़ी अलग होती है। मध्यक्रम में आपकी भूमिका इस बात पर निर्भर करती है कि आप पारी के बीच के ओवरों और अंतिम ओवरों में किस तरह बल्लेबाजी करते हैं। मैं उन्हें मुंबई में पिछले कुछ वर्षों से खेलते देख रहा हूं। वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं।

नमन और नीतीश कुमार रेड्डी की भी तारीफ

उन्होंने तिलक के साथ बेहतरीन साझेदारी करने वाले नमन और नीतीश कुमार रेड्डी की भी तारीफ करते हुए कहा, नमन धीर के साथ भी ऐसा ही है। वह जिस तरह मैदान पर उतरते हैं और शुरुआत से ही बेखौफ होकर खेलते हैं, वह शानदार है। तिलक ने दूसरे मैच में थोड़ा समय लिया, लेकिन अंत में रेड्डी के साथ मिलकर लक्ष्य का पीछा बहुत अच्छी तरह संभाला। अगर आप फिनिशर की भूमिका निभाते हुए मैच खत्म करते हैं, तो आप अपना काम अच्छी तरह कर रहे हैं। इन तीनों बल्लेबाजों ने अंतिम चरण में शानदार प्रदर्शन किया।

न्यूजीलैंड ने कहां की गलती...

बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन के बावजूद सैंटनर को लगा कि न्यूजीलैंड ने मैदान पर कुछ अहम मौकों पर गलतियां करके मैच अपने हाथ से निकलने दिया। उन्होंने भारतीय पारी के अंतिम चरण में कैच छोड़ने और क्षेत्ररक्षण में चूक को हार का प्रमुख कारण बताया। उन्होंने कहा, अगर दोनों टीमों के कौशल की तुलना करें तो मुकाबला काफी करीबी रहा है। फैसला मैदान पर कुछ छोटे-छोटे पलों से हुआ। दूसरे टी20 में लक्ष्य का पीछा करते समय अंतिम चरण में हम अच्छी स्थिति में थे, लेकिन हमने कुछ कैच छोड़े और क्षेत्ररक्षण में गलतियां कीं। यही चीजें मैच जिताती या हराती हैं न्यूजीलैंड के कप्तान ने कहा कि टीम इस हार की समीक्षा करेगी, लेकिन छूटे हुए मौकों पर जरूरत से ज्यादा ध्यान देने के बजाय सकारात्मक पहलुओं को भी देखेगी। सीरीज का अगला मुकाबला वेलिंगटन में खेला जाना है, जहां तेज हवाओं के कारण क्षेत्ररक्षण एक बार फिर चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

तीसरे टी-20 में नहीं खेलेंगे फर्ग्यूसन, हेनरी सीरीज से हुए बाहर

भारत के खिलाफ मौजूदा टी20 सीरीज खेल रही न्यूजीलैंड की टीम के तेज गेंदबाजी विकल्पों की आने वाले दिनों में कड़ी परीक्षा होने वाली है। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, खिलाड़ियों के वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत तेज गेंदबाजों को रोटेट किया जा रहा है। लॉकी फर्ग्यूसन मंगलवार को वेलिंगटन में होने वाले तीसरे टी20 मैच के लिए यात्रा नहीं करेंगे, बल्कि रविवार को ऑकलैंड चले जाएंगे ताकि वे शुक्रवार को ऑकलैंड और फिर हैमिलटन में होने वाले चौथे और पांचवें टी20 मैच के लिए उपलब्ध रह सकें। वहीं, मैट हेनरी क्राइस्टचर्च में ही रुकेंगे, जहां पहले दो टी20 मैच खेले गए थे। वह इस सीरीज के बाकी बचे तीनों टी20 मैचों से बाहर हो गए हैं। इसके बजाय, वह न्यूजीलैंड और भारत के बीच चार नवंबर को खेले जाने वाले पहले वनडे मैच से पहले ऑकलैंड के लिए रवाना होंगे। काइल जैमीसन, जो शुरुआती दोनों टी20 मैचों का हिस्सा नहीं थे, तीसरे मैच के लिए वेलिंगटन जाएंगे।

वाल्टर को वापसी की उम्मीद, बोले- हमने मौके गंवाए

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने रविवार को कहा कि भारत के खिलाफ पहले दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनकी टीम ने कुछ मौके गंवाए लेकिन उन्हें उम्मीद है कि टीम बाकी बचे तीन मैच में वापसी करने में सफल रहेगी। न्यूजीलैंड की टीम ने पहले दो मैच में अधिकतर समय अपना पलड़ा भारी रखा लेकिन आखिर में उसे हार का सामना करना पड़ा।वाल्टर का मानना है कि उनकी टीम ने प्रत्येक मैच के लगभग 80 प्रतिशत हिस्से में अच्छा प्रदर्शन किया था। वाल्टर ने कहा, हम दोनों मैचों में आसानी से जीत हासिल कर सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हमने कुछ अच्छे मौके गंवाए जिससे परिणाम हमारे अनुकूल नहीं रहा। हार से थोड़ी निराशा है लेकिन हम अपने प्रदर्शन से बेहद खुश हैं। हम दोनों मैच का अंत अपने अनुकूल नहीं कर पाए जो निराशाजनक है लेकिन हमारे लिए दोनों मैच में कई सकारात्मक पहलू रहे।

वाल्टर ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को महत्वपूर्ण क्षणों में अपने खेल में सुधार करने की जरूरत है। न्यूजीलैंड ने दूसरे मैच में कुछ कैच छोड़े जबकि एक बार नोबॉल होने के कारण बल्लेबाज को जीवनदान मिला। उन्होंने कहा, कोई भी जानबूझकर ऐसी गलतियां नहीं करता। अनजाने में ऐसा हो जाता है। इसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। दूसरे मैच की बात करें तो पावरप्ले में तीन विकेट गंवाने के बाद 180 रन तक पहुंचना आसान नहीं होता है। ईमानदारी से कहूं तो इस स्कोर का बचाव किया जा सकता था।



सैंटनर को सराहा

वाल्टर ने दूसरे मैच में कप्तान मिचेल सैंटनर के प्रदर्शन की भी प्रशंसा की जिन्होंने चार विकेट लेकर मैच का रुख अपने पक्ष में मोड़ दिया था। उन्होंने कहा, कभी-कभी उनके प्रदर्शन को सराहना नहीं मिलती है। यह कोई बहुत ज्यादा टर्न लेने वाली पिच नहीं थी। थोड़ी बहुत उछाल जरूर थी। लेकिन जिस तरह से उन्होंने गेंद को क्रीज पर घुमाया और अपनी गति का इस्तेमाल किया, वह वास्तव में काबिले तारीफ था।

धोनी खेलेंगे या लेंगे संन्यास, दिसंबर से पहले होगा फैसला

बंगलूरू, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी एमएस धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने भविष्य को लेकर अहम संकेत दिया है। धोनी ने कहा कि अगले सीजन में खेलने का फैसला लेने से पहले उन्हें अपनी फिटनेस का आकलन करना होगा। उन्होंने संकेत दिया कि इस संबंध में दिसंबर से पहले फैसला लिया जा सकता है।

बंगलूरू में एक हेल्थकेयर कार्यक्रम के दौरान धोनी से पूछा गया कि क्या वह आईपीएल का एक और सीजन खेलना चाहेंगे। इस पर उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि पहले उन्हें फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा और रिपोर्ट के आधार पर यह देखना होगा कि वह एक और सीजन खेलने के लिए कितने मजबूत हैं।धोनी ने अपने भविष्य पर बात करते हुए कहा 'डॉक्टर, मुझे टेस्ट से गुजरना होगा। आपको मुझे रिपोर्ट देनी होगी और फिर दिसंबर से पहले मुझे देखना होगा कि मैं एक और सीजन खेलने के लिए कितना मजबूत हूं।' उन्होंने आगे मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर वह खेलने की स्थिति में नहीं हुए, तो डॉक्टरों को उनकी सेहत का पूरा ध्यान रखना होगा, ताकि यह पुरानी गाड़ी सड़क पर अच्छी तरह चलती रहे।

चोट के कारण नहीं खेले धोनी

एमएस धोनी आईपीएल 2026 में फिटनेस संबंधी समस्याओं, खासकर पिंडली की परेशानी के कारण पूरे सीजन से बाहर रहे। उनकी गैरमौजूदगी चेन्नई सुपर किंग्स के प्रशंसकों के लिए निराशाजनक रही। अब सभी की नजरें उनकी फिटनेस और अगले सीजन में संभावित वापसी पर हैं। हालांकि, धोनी ने अभी आईपीएल 2027 में खेलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

पिछले सीजन रहे निराशाजनक

चेन्नई सुपर किंग्स ने धोनी की कप्तानी में आखिरी बार 2023 में आईपीएल खिताब जीता था। 2024 से ऋतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व में खेल रही टीम को पिछले दो सीजन में अपेक्षित सफलता नहीं मिली। टीम 2025 में अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर रही, जबकि 2026 में आठवें स्थान पर रही। ऐसे में धोनी की संभावित वापसी को लेकर प्रशंसकों में उत्सुकता बनी हुई है। हालांकि, टीम में उनकी भूमिका और अगले सीजन में खेलने की संभावना उनकी फिटनेस तथा अंतिम निर्णय पर निर्भर करेगी।

धोनी बोले- RCB ने शानदार प्रदर्शन किया

एमएस धोनी ने कहा कि कागजों पर किसी टीम का मजबूत दिखना उतना मायने नहीं रखता, जितना मैदान पर सही दिन अच्छा प्रदर्शन करना। उनके मुताबिक, टी20 जैसे छोटे प्रारूप में शीर्ष टीमों के बीच अंतर बहुत कम होता है और एक मैच का प्रदर्शन नतीजा बदल सकता है।धोनी ने माना कि पिछले दो वर्षों में सीएसके का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा, जबकि आरसीबी ने लगातार बेहतर क्रिकेट खेली है। उन्होंने कहा कि आरसीबी की उपलब्धियों को स्वीकार करने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए। धोनी के अनुसार, खेल में अच्छे और बुरे दौर आते रहते हैं। असली परीक्षा तब होती है, जब टीम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाती। ऐसे समय में टीम को अपनी कमजोरियों को पहचानकर उन पर काम करना जरूरी होता है।

बंगलूरू के मैदान पर बल्लेबाजों को आता है मजा

एमएस धोनी ने बंगलूरू के क्रिकेट मैदान की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि यहां गेंद आसानी से बाउंड्री पार कर सकती है, जिससे बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने का मौका मिलता है। उनके मुताबिक, कई बार बल्लेबाज का शॉट सही तरीके से नहीं लगने के बावजूद गेंद छक्के के लिए चली जाती है। हालांकि, यही मैदान गेंदबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण भी बन जाता है। ९धोनी ने कहा कि इस तरह के हाई-स्कोरिंग मुकाबले दर्शकों के लिए मनोरंजक होते हैं। बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का अवसर मिलता है, जबकि गेंदबाजों को दबाव में अपनी क्षमता साबित करनी पड़ती है।



धोनी ने कहा कि अगले सीजन में खेलने का फैसला लेने से पहले उन्हें अपनी फिटनेस का आकलन करना होगा



जिन्दगी के हर छोटे-बड़े पल किसी खास के साथ बांटना चाहते हैं करण जौहर

बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्माता और निर्देशक करण जौहर अपनी पेशेवर सफलता के लिए तो हमेशा चर्चा में रहते ही हैं, लेकिन इस बार वह अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी एक भावुक और दिल छू लेने वाली बात को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म जगत में लंबे समय से सक्रिय करण जौहर ने स्वीकार किया है कि वह अपनी जिंदगी में एक ऐसे हमसफर की तलाश कर रहे हैं, जिसके साथ वह अपने रोजमर्रा के अनुभव, खुशियां और खास पल साझा कर सकें। उन्होंने यह खुलकर बातचीत अपने प्रसिद्ध चैट शो कॉफी विद करण के नौवें सीजन के एक विशेष एपिसोड में तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार विजय देवरकोंडा के साथ की। बातचीत के दौरान जब विजय देवरकोंडा ने अदाकारा रश्मिका मंदाना के साथ अपने मजबूत रिश्ते का जिक्र किया और कहा कि वह उनका हाथ हमेशा थामे रखना चाहते हैं क्योंकि उनके साथ रश्मिका सुरक्षित महसूस करती हैं, तब बातचीत का रुख करण की निजी जिंदगी की ओर मुड़ गया। विजय ने जब करण से उनकी जिंदगी की अधूरी इच्छाओं के बारे में पूछा, तो फिल्मकार थोड़े भावुक हो गए। करण ने बेहद ईमानदारी से अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि भले ही तकनीकी या कानूनी कारणों से शादी करना उनके लिए शायद संभव न हो, लेकिन वह एक सच्चे और समर्पित रिश्ते की गर्माहट को अपनी जिंदगी में महसूस करना चाहते हैं। करण जौहर, जो कि सेरोगेसी के जरिए जुड़वां बच्चों यश और रूही के सिंगल फादर हैं, ने बताया कि वह चाहते हैं कि उनका आने वाला पार्टनर न केवल उनकी खुशियों में शरीक हो, बल्कि उनके बच्चों के लालन-पालन में भी बराबर का योगदान दे। उन्होंने कहा कि उनके लिए किसी रिश्ते का असली अर्थ केवल खास अवसरों को मनाना नहीं, बल्कि हर दिन की छोटी-छोटी बातों को एक-दूसरे से बांटना और एक-दूसरे का संबल बनना है। वह अपनी जिंदगी में एक ऐसा इंसान चाहते हैं जिसे वह गर्व से अपना कह सकें और जिससे उन्हें सच्चा सम्मान और प्यार मिले। करण की इस दिल से निकली बात को सुनकर विजय देवरकोंडा भी काफी प्रभावित नजर आए। माहौल को थोड़ा हल्का और सकारात्मक बनाते हुए विजय ने मजाकिया लेकिन आत्मीय अंदाज में सभी देवी-देवताओं और शो के मंच से करण की इस इच्छा के पूरे होने की दुआ मांगी। विजय की इस प्रार्थना पर करण जौहर भावुक दिखे और उन्होंने माना कि यह दुआ वाकई दिल की गहराइयों से निकली थी। इस पूरी बातचीत ने यह साफ कर दिया कि अपार सफलता और शोहरत के बावजूद हर इंसान को अपनी जिंदगी में सच्चे साथ और आत्मीयता की जरूरत होती है।

बिपाशा के लिए खास कार्ड बनाया बेटी ने

अभिनेत्री बिपाशा बसु इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज बाराबंकी की शूटिंग में व्यस्त चल रही हैं। इस बीच, उनके पति और अभिनेता करण सिंह ग्रोवर ने अपनी बेटी देवी का अपनी मां के प्रति प्यार दिखाते हुए एक मार्मिक पोस्ट साझा की। दरअसल, बिपाशा बसु की गैर-मौजूदगी में उनकी बेटी देवी ने अभिनेत्री के लिए एक खास कार्ड बनाया है। इस कार्ड को करण सिंह ग्रोवर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया, जिसमें देवी ने लिखा, आई लव यू मम्मा। कार्ड में बेटी ने आगे अपनी मां को सोलमेट बताते हुए हमेशा उनके साथ रहने की बात लिखी है। करण सिंह ग्रोवर ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, जब हम सुबह उठते हैं और तुम यहां नहीं होती, तब भी तुम हमें मुस्कुराने की वजह देती हो और खुशियों से भर देती हो। हम तुमसे बहुत प्यार करते हैं, बिपाशा बसु।



प्राजक्ता कोली ने शेयर किया अपनी सफलता और आत्मविश्वास का राज

डिजिटल क्रिएटर से लेकर बॉलीवुड तक अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया

इंटरनेट और सोशल मीडिया की दुनिया में मोस्टली सेने के नाम से अपनी खास पहचान बनाने के बाद बॉलीवुड फिल्मों में अपनी अदाकारी का लोहा मनवाने वाली प्राजक्ता कोली आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। हाल ही में उन्होंने नेहा धूपिया और अंगद बेदी के लोकप्रिय टॉक शो डबल डेट में शिरकत की, जहां उन्होंने डिजिटल कंटेंट निर्माण से लेकर मुख्यधारा की फिल्मों तक के अपने शानदार सफर के बारे में विस्तार से बातचीत की। प्राजक्ता ने बताया कि कैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उनके करोड़ों दर्शकों के प्यार ने उन्हें अभिनय की बड़ी दुनिया में आत्मविश्वास के साथ कदम रखने की ताकत दी। बातचीत के दौरान प्राजक्ता ने बेहद विनम्रता के साथ कहा कि जब वह किसी बड़ी फिल्म के सेट पर दिग्गज और स्थापित कलाकारों के साथ काम करने जाती हैं, तो उनके मन में यह डर नहीं रहता कि सह-कलाकार उन्हें स्वीकार करेंगे या नहीं। इसके बजाय, उनका पूरा ध्यान इस बात पर केंद्रित रहता है कि जो दर्शक अपना कीमती समय और पैसा खर्च करके सिनेमाघरों में फिल्म का टिकट खरीदते हैं, वे उनके अभिनय से संतुष्ट हों। उन्होंने माना कि सोशल मीडिया की उनकी मजबूत कम्युनिटी उनके लिए एक सुरक्षा कवच और आत्मविश्वास का सबसे बड़ा जरिया बनी है। अपनी डेब्यू ब्लॉकबस्टर फिल्म जुगजुग जिओ की शूटिंग के दिनों को याद करते हुए प्राजक्ता ने साझा किया कि वह उनके करियर का एक बहुत बड़ा मोड़ था। उस फिल्म में अनिल कपूर, नीतू कपूर, वरुण धवन, कियारा आडवाणी और करण जौहर जैसे हिंदी सिनेमा के बड़े नाम शामिल थे। इतने बड़े सितारों के बीच काम करने के बावजूद प्राजक्ता ने अपना संयम बनाए रखा। उन्होंने कहा कि सेट पर मौजूद हर वरिष्ठ और साथी कलाकार ने उनके साथ बेहद गर्मजोशी और सम्मानजनक व्यवहार किया, जिससे उन्हें अपनी भूमिका को निखारने में काफी मदद मिली। प्राजक्ता का मानना है कि एक कंटेंट क्रिएटर के तौर पर सालों तक दर्शकों से सीधे जुड़े रहने की वजह से वह आम लोगों की पसंद और उम्मीदों को बेहतर ढंग से समझ पाई हैं। यही वजह है कि जब वह कैमरे के सामने आती हैं, तो उनका उद्देश्य केवल अपने किरदार में जान फूंकना होता है ताकि उनका अनुसरण करने वाले प्रशंसक उन पर गर्व कर सकें। प्राजक्ता कोली की यह कहानी आज के युवाओं और नए डिजिटल क्रिएटर्स के लिए एक प्रेरणा है कि मेहनत और ईमानदारी के दम पर किसी भी मंच से बॉलीवुड की बुलंदियों तक पहुंचा जा सकता है।



आउटसाइडर को मौका मिलना बड़ी बात

छोटे पर्दे पर अपनी पहचान बनाने के बाद अब एक्ट्रेस ईशा मालवीय बड़े पर्दे पर अपनी नई पारी शुरू करने जा रही हैं। फिल्म 'तुम मेरे हो' से बॉलीवुड में डेब्यू करने को लेकर ईशा काफी एसाइटेड हैं। हालांकि, पहली फिल्म को लेकर उनके मन में घबराहट भी है लेकिन वह इस मौके को लेकर ज्यादा खुश हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि एक आउटसाइडर होने के बावजूद उन्हें बड़े पर्दे पर काम करने का मौका मिला है, जो उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। ईशा मालवीय ने बातचीत में अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''पहली फिल्म होने की वजह से मैं नर्वस हूं और मुझे डर भी लग रहा है लेकिन मेरी खुशी नर्वस होने से कहीं ज्यादा है। एक आउटसाइडर के तौर पर बड़े पर्दे तक पहुंचना मेरे लिए बड़ी बात है। मैं इस मौके को लेकर काफी एसाइटेड हूं और अपनी फिल्म को दर्शकों के सामने लाने का इंतजार कर रही हूं।'' ईशा मालवीय ने कहा, ''मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं। मुझे लगता है कि अब तक मैंने जो मेहनत की है, जिंदगी में जिन मुश्किलों का सामना किया है और मुझे यहां तक पहुंचाने के लिए मेरे माता-पिता ने जो परेशानियां झेली हैं, उन सबका नतीजा अब सामने आ रहा है। मैं फिल्म 'तुम मेरे हो' से बॉलीवुड में डेयू करने जा रही हूं। इसके लिए मैं बहुत खुश हूं।'' ईशा ने कहा, ''मेरे लिए अभी भी इस बात पर यकीन करना आसान नहीं है कि मैं सच में बॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बन गई हूं। मुझे कई बार ऐसा लगता है, जैसे मैं कोई सपना देख रही हूं। हालांकि, जब मैं फिल्म से जुड़े लोगों को अपने साथ देखती हूं, तो मुझे इस बात का एहसास होता है कि मेरा सपना अब हकीकत बन रहा है। यह मेरे लिए अनुभव काफी खास है और मैं इस नए सफर को लेकर उत्साहित हूं।'' अपनी फिल्म 'तुम मेरे हो' को लेकर ईशा ने कहा, 'मुझे उमीद है कि यह उन दर्शकों को पसंद आएगी, जो पर्दे पर एक सिंपल लव स्टोरी देखना चाहते हैं। हम दर्शक के तौर पर असर शिकायत करते हैं कि अच्छी फिल्में नहीं आ रही हैं। फिल्मों में बहुत हिंसा और खून-खराबा है। रोमांस कहां है? एक सिंपल लव स्टोरी कहां है? इसलिए हम आपके लिए 'तुम मेरे हो' लेकर आए हैं।' फिल्म 'तुम मेरे हो' में ईशा मालवीय के साथ एक्टर गुरमीत चौधरी भी नजर आएंगे।

अब सनी देओल और श्रद्धा कपूर से भिड़ेंगे सलमान!



सलमान खान के फैन्स के लिए गुड न्यूज है. लंबे क्वत से उनकी फिल्म 'मातृभूमि' अटकी हुई थी. पहले 'बैटल ऑफ गलवान' से टाइटल ही बदल दिया गया, जिसके बाद फिल्म में काफी बदलाव किए गए हैं. लेकिन कुछ वक्त पहले ही फिल्म को क्लीयरेंस मिल गई थी. तमाम अड़चनों को पार करने के बाद कुछ समय पहले ही इस फिल्म का सेंसर बोर्ड और सरकार की ओर से रास्ता साफ हो गया है. रिलीज डेट को लेकर भी दो डेट्स पर चर्चा चल रही. एक है नवंबर 20 और दूसरे डेट है- 4 दिसंबर. मुश्किल सफर के बाद सलमान खान की 'मातृभूमि' 2026 के आखिर में रिलीज होने की रेस में वापस आ गई है. एक रिपोर्ट से पता लगा कि फिल्म को 20 नवंबर या 4 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज करने की ह्श्वलानिंग है. अगर यह 20 नवंबर को रिलीज होती है, तो इसका मुकाबला सनी देओल की 'सूर्या' से होगा. वहीं, अगर यह 4 दिसंबर को आती है, तो इसका सामना श्रद्धा कपूर की 'ईठा' से होगा. हालांकि, फिलहाल रिलीज डेट की प्लानिंग चल रही है, मेकर्स ने कोई ऑफिशियल ऐलान डेट को लेकर नहीं किया है.



प्रभास की 'सालार 2' पर बड़ा अपडेट, अगले साल जून में शुरू हो सकती है शूटिंग

साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म 'सालार-पार्ट 1- सीजफायर' ने साल 2023 में सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी इस एक्शन फिल्म को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिला और इसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। फिल्म की कहानी खानसार की काल्पनिक दुनिया में दिखाई गई थी, जिसने अपने बड़े पैमाने और दमदार एक्शन से दर्शकों के बीच अलग पहचान बनाई। अब इसके सीक्वल 'सालार-पार्ट 2- शौर्यांग पर्व' को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है, जिसने फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी है।

प्रभास के जन्मदिन के मौके पर निर्देशक प्रशांत नील ने उनसे मुलाकात की। इस खास मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया, जिसमें दोनों एक-दूसरे को गले लगाते और हंसी-मजाक करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में प्रभास अपने अंदाज में प्रशांत नील से जन्मदिन के तोहफे के बारे में पूछते हैं। इस पर निर्देशक मुस्कुराते हुए कहते हैं कि 'सालार 2' खुद ही उनके लिए एक गिफ्ट है। इस बातचीत ने फिल्म के सीक्वल को लेकर चर्चा तेज कर दी है।

अगले साल जून में शुरू होगी 'सालार 2' की शूटिंग

सामने आई जानकारी के मुताबिक, 'सालार-पार्ट 2- शौर्यांग पर्व' की शूटिंग अगले साल जून में शुरू होने की योजना है। इस खबर के बाद फिल्म का इंतजार कर रहे दर्शकों के बीच उत्साह बढ़ गया है। हालांकि, फिल्म की शूटिंग से जुड़ी इस जानकारी को लेकर आधिकारिक पुष्टि और आगे के अपडेट पर नजर बनी हुई है।

'हाउसफुल 4' के सात साल पूरे, कृति खरबंदा ने याद किया अपना शाही अंदाज

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति खरबंदा ने अपनी फिल्म 'हाउसफुल 4' के सात साल पूरे होने पर इससे जुड़ी यादें ताजा की हैं और फिल्म का हिस्सा बनने के लिए आभार जताया है।वर्ष 2019 में रिलीज हुई कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 4' की सालगिरह पर कृति ने सोशल मीडिया पर एआई से तैयार एक वीडियो साझा किया, जिसमें फिल्म से उनका शाही लुक नजर आ रहा है। अभिनेत्री ने इसके साथ भावुक संदेश साझा करते हुए लिखा, 卐फिल्म, इस अनुभव, पूरी टीम और बेशक हमारे दर्शकों के लिए आभारी हूं!卐 फिल्म में कृति खरबंदा दोहरी भूमिका में नजर आई थीं। उनके पारंपरिक परिधानों, खूबसूरत आभूषणों और राजसी अंदाज ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया था। फिल्म में अलग-अलग समयावधियों में उनके किरदारों के लुक और व्यक्तित्व में अंतर भी देखने को मिला था। कृति की इस पोस्ट ने फिल्म से जुड़ी पुरानी यादों को ताजा कर दिया है। अभिनेत्री ने अपने संदेश के जरिए फिल्म की पूरी टीम और दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग और प्यार ने इस अनुभव को उनके लिए यादगार बनाया।





कन्नड़ सुपरस्टार यश ने भी की साई पल्लवी की तारीफ

अपकमिंग फिल्म रामायण में माता सीता का किरदार निभा रहीं दक्षिण भारतीय अभिनेत्री साई पल्लवी की बीते दिनों अभिनेता रणबीर कपूर ने जमकर तारीफ की थी। अभिनेता रणबीर के बाद फिल्म में रावण की भूमिका निभा रहे कन्नड़ सुपरस्टार यश ने भी साई पल्लवी की तारीफ में कसीदे पढ़े हैं। उन्होंने दर्शकों से साई पल्लवी को प्यार और आशीर्वाद देने की भी अपील की है, जिससे यह साफ होता है कि टीम को उनके अभिनय पर कितना भरोसा है। शुरुआत में, साई पल्लवी को सीता के रोल में कास्ट किए जाने पर लोगों ने काफी सवाल उठाए थे, लेकिन फिल्म के कलाकारों द्वारा मिल रही सराहना ने उन सभी संदेहों को दूर कर दिया है। हाल ही में नितेश तिवारी की फिल्म रामायण का इंटरनेशनल ट्रेलर लॉन्च किया गया था, जिसमें कई नए और दिलचस्प सीन देखने को मिले। इस लॉन्च इवेंट के दौरान यश ने साई पल्लवी को लेकर खुलकर बात की।

उन्होंने बताया कि साई पल्लवी बेहद धार्मिक स्वभाव की हैं और उन्हें जब भी वक्त मिलता है, वह मां सीता को याद करने लगती हैं। यश ने इस बात पर जोर दिया कि साई पल्लवी भगवान में बहुत ज्यादा विश्वास रखती हैं और ईश्वर के प्रति उनके मन में खास श्रद्धा है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि साई को सीता का रोल निभाने का मौका मिला। उनमें इस रोल के लिए टैलेंट भी है और उनका दिल भी बहुत अच्छा है। उन्होंने दर्शकों से अपील की कि वे साई पल्लवी को इस रोल में अपना प्यार दें और उन्हें अपना आशीर्वाद दें। यह पहली बार नहीं है कि किसी ने साई पल्लवी की इतनी तारीफ की हो। इससे पहले फिल्म में भगवान राम का रोल निभाने वाले रणबीर कपूर ने भी लॉस एंजिल्स में हुए एक इवेंट के दौरान उनकी जमकर प्रशंसा की थी।

रणबीर ने कहा था कि साई पल्लवी एक बेहतरीन स्टार हैं। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने पहली बार साई पल्लवी को माता सीता के गेटअप में देखा, तो वह हैरानी से नितेश तिवारी की ओर देखने लगे थे और सोचने लगे थे कि इनसे बेहतर इस किरदार के लिए कोई नहीं हो सकता था। रामायण एक विशाल परियोजना है जिसमें रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता और यश रावण के सशक्त किरदारों में दिखाई देंगे। इसके अलावा, फिल्म में सनी देओल हनुमान, रवि दुबे लक्ष्मण, कुणाल कपूर इंद्र, रकुल प्रीत सिंह शूर्पणखा, लारा दत्ता कैकेयी और दिग्गज अभिनेता अरुण गोविल राजा दशरथ के रोल में नजर आएंगे। नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायण जल्द ही बडे पर्दे पर रीलिज होने वाली है।



mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो

धामी का अखिलेश यादव पर पलटवार, बोले- उत्तराखंड के लोगों को घुसपैठिया कहना वीरों के बलिदान का अपमान

मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक माफी की मांग की, काठगोदाम बायपास का निरीक्षण कर निर्माण कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को हल्द्वानी दौरे के दौरान विकास कार्यों का निरीक्षण किया और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। अखिलेश यादव द्वारा उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड के लोगों को कथित तौर पर 'सबसे बड़ा घुसपैठिया' कहे जाने पर धामी ने आपत्ति जताते हुए उनसे सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी काठगोदाम में निर्माणाधीन नए बायपास के कार्यस्थल पर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को काम में तेजी लाने और निर्माण की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। धामी ने कहा कि बायपास का निर्माण पूरा होने से हल्द्वानी और काठगोदाम में लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिलेगी। इससे स्थानीय निवासियों के साथ पर्यटकों का आवागमन भी सुगम होगा। अखिलेश यादव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के लोगों को घुसपैठिया कहना प्रदेश की अस्मिता, स्वाभिमान और देश के लिए बलिदान देने वाले सैनिकों का अपमान है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के अनेक जवान देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं। धामी ने अखिलेश यादव से इस बयान पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड राज्य आंदोलन का जिक्र करते हुए अखिलेश यादव को उनके पिता और उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के शासनकाल की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि राज्य की मांग कर रहे निहत्थे आंदोलनकारियों पर खटीमा, मसूरी और मुजफ्फरनगर के रामपुर तिराहा में गोलीबारी हुई थी। धामी के मुताबिक, उत्तराखंड की जनता उस दौर की घटनाओं को आज भी नहीं भूली है। धामी ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस से पूछा कि क्या वह उत्तराखंड के लोगों को घुसपैठिया कहे जाने वाले बयान से सहमत है। उन्होंने कांग्रेस की 'न्याय यात्रा' पर भी निशाना साधा और कहा कि पार्टी को बताना चाहिए कि उसने अपने शासनकाल में उत्तराखंड के लिए क्या किया। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि प्रदेश की जनता कांग्रेस की नीतियों से संतुष्ट नहीं है और उसे आगे बढ़ने का अवसर नहीं देगी। धामी के बयान के बाद उत्तराखंड में इस मुद्दे पर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। भाजपा इस बयान को लेकर सपा और कांग्रेस पर सवाल उठा रही है। वहीं, अखिलेश यादव के कथित बयान और उस पर मुख्यमंत्री की प्रतिक्रिया से प्रदेश की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज होने के आसार हैं।



ऑपरेशन सिंदूर ने साबित की वायुसेना की लंबी पहुंच, 1,200 किलोमीटर चौड़े मोर्चे पर किए सटीक हमले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने पश्चिमी मोर्चे पर करीब 1,200 किलोमीटर चौड़े और 200 किलोमीटर क्षेत्र में सटीक हमले किए। इस अभियान ने साबित किया कि भारतीय वायुसेना की पहुंच से कोई भी लक्ष्य बाहर नहीं है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन ने देश की सुरक्षा में वायुसेना की अहम भूमिका को फिर से रेखांकित किया है। एपी सिंह ने यह बातें पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में कहीं। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से एक अहम सबक यह मिला कि सैन्य रणनीति में हमेशा कई विकल्प तैयार रखने चाहिए। दुश्मन की रणनीति में बदलाव होने पर तेजी से उसके अनुरूप खुद को ढालने की क्षमता भी जरूरी है। उनके मुताबिक, भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए वायुसेना को अपनी युद्ध क्षमता और तकनीकी तैयारियों को लगातार मजबूत करना होगा। एपी सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता किसी एक हथियार या विमान की वजह से नहीं मिली। इसमें सटीक खुफिया जानकारी, आपस में जुड़े सैन्य नेटवर्क, दूर से हमला करने वाले हथियार, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और मजबूत वायु रक्षा प्रणाली ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ड्रोन को रोकने की क्षमता भी इस अभियान का अहम हिस्सा रही। इसके लिए लड़ाकू विमानों और अन्य सैन्य संसाधनों की संख्या बढ़ाने के साथ खुफिया जानकारी जुटाने, निगरानी और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर की क्षमता मजबूत करनी होगी। ड्रोन के खतरे से निपटने और सैन्य नेटवर्क को अधिक प्रभावी बनाने पर भी ध्यान देना होगा।



विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में भारतीय शेयर बाजार से निकाले 48,056 करोड़, 2026 में बिकवाली 3.08 लाख करोड़ के पार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी का सिलसिला अक्टूबर में भी जारी है। महंगे कच्चे तेल, मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव, महंगाई की चिंता और कंपनियों के तिमाही नतीजों को लेकर आशंकाओं के बीच विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में अब तक भारतीय शेयरों से 48,056 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की है। हालांकि, महीने के आखिरी सप्ताह में बिकवाली का दबाव कुछ कम हुआ और दो कारोबारी दिनों में एफपीआई शुद्ध खरीदार भी रहे। इससे बाजार पर दबाव घटने के संकेत मिले हैं। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) के आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में विदेशी निवेशकों की निकासी सितंबर के मुकाबले अधिक रही। सितंबर में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से 35,861 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की थी। इसके विपरीत, जुलाई और अगस्त में विदेशी निवेशकों का रुख सकारात्मक रहा था। उन्होंने जुलाई में 20,200 करोड़ रुपए और अगस्त में 29,631 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था। वर्ष 2026 में अब तक विदेशी निवेशकों की कुल शुद्ध बिकवाली 3.08 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। यह पूरे वर्ष 2025 में दर्ज 1.66 लाख करोड़ रुपए की निकासी से काफी अधिक है। यानी 2026 के शुरुआती दस महीनों में ही विदेशी निवेशकों की बिकवाली पिछले साल के पूरे आंकड़े को पार कर चुकी है।



तमिलनाडु के वेल्लोर में कार्रवाई, 28 साल तक सेना में सेवा दे चुका है आरोपी अज्ञात महिला के संपर्क में आने के बाद जानकारी साझा करने का आरोप

सेना की गोपनीय जानकारी व्हाट्सऐप पर भेजने के आरोप में रिटायर्ड कैप्टन गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

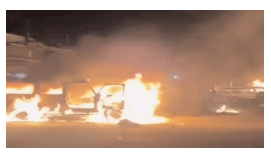
वेल्लोर। तमिलनाडु के वेल्लोर में सेना से जुड़ी गोपनीय जानकारी लीक करने के आरोप में 52 वर्षीय सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी बाबू को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने व्हाट्सऐप के जरिए एक अज्ञात महिला को सैन्य उपकरणों और भारतीय सेना से संबंधित संवेदनशील जानकारियां भेजीं। मामले में केंद्रीय खुफिया एजेंसियां भी जांच कर रही हैं। फिलहाल यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि महिला कौन है और इन जानकारियों का इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था। पुलिस के अनुसार, बाबू वेल्लोर के कीझवल्लम गांव का रहने वाला है। उसने भारतीय सेना की अलग-अलग शाखाओं में करीब 28 साल तक सेवा दी थी। पिछले साल वह सेना की इक्विपमेंट डिवीजन में कैप्टन के पद से सेवानिवृत्त हुआ था। इसके बाद वह अपने गांव में रहने लगा कनियामबाड़ी पुलिस के मुताबिक, करीब एक साल पहले एक अज्ञात महिला ने बाबू से व्हाट्सऐप पर संपर्क किया था। आरोप है कि महिला ने शुरुआत में अनुचित बातचीत के जरिए उससे नजदीकी बढ़ाई और बाद में धीरे-धीरे भारतीय सेना से जुड़ी जानकारियां मांगनी शुरू कर दीं। जांच में सामने आए आरोपों के मुताबिक, बाबू महिला की मांग पर उसे सैन्य उपकरणों और सेना से संबंधित जानकारियां भेजता था। जब उसे किसी जानकारी के बारे में पता नहीं होता था, तो वह फोन के जरिए सेना के कार्यालयों से जानकारी हासिल करने की कोशिश करता था। इसके बाद वह कथित तौर पर वह जानकारी महिला को व्हाट्सऐप पर भेज देता था। बताया गया है कि पिछले एक साल से जारी इन गतिविधियों पर सेना के अधिकारियों को संदेह हुआ। इसके बाद केंद्रीय खुफिया एजेंसियों की मदद से बाबू से पूछताछ की गई। जानकारी के मुताबिक, केंद्रीय खुफिया अधिकारियों ने 23 अक्टूबर को बाबू को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था। इसके बाद 24 अक्टूबर की रात उसे वेल्लोर ग्रामीण पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया। वेल्लोर ग्रामीण पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है। बाबू की गिरफ्तारी के बाद जांच एजेंसियां उस महिला की पहचान पता लगाने में जुटी हैं, जिसने कथित तौर पर उससे संपर्क कर गोपनीय जानकारी हासिल की। एजेंसियां यह भी जांच कर रही हैं कि संबंधित व्हाट्सऐप अकाउंट का संचालन कौन कर रहा था। इसके साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि मामले में किसी विदेशी नागरिक या विदेश में सक्रिय संगठन की भूमिका तो नहीं है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि कथित तौर पर साझा की गई जानकारियां किस स्तर की थीं और उनका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया गया।



अरुणाचल प्रदेश में 11,200 मेगावाट के सियांग प्रोजेक्ट के विरोध में हिंसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अरुणाचल प्रदेश। प्रस्तावित 11,200 मेगावाट क्षमता वाले सियांग बांध परियोजना के विरोध में शुक्रवार रात हिंसा भड़क गई। प्रदर्शनकारियों ने एनएचपीसी कार्यालय और पुलिस स्टेशन में आग लगा दी। इस दौरान सात से आठ पुलिस वाहनों को भी जला दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष कलिंग मोयोंग और विधायकों के घरों में तोड़फोड़ की। पथराव में डीएसपी समेत कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। हिंसा के बाद पुलिस और प्रशासन नुकसान का आकलन करने में जुटे हैं। सियांग, अपर सियांग और पूर्वी सियांग जिलों में शुक्रवार को 12 घंटे का बंद बुलाया गया था। अधिकारियों के मुताबिक, बंद के दौरान सियांग जिले में करीब 150 से 200 प्रदर्शनकारियों ने पुलिस वाहनों में तोड़फोड़ की और बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों के पास कथित तौर पर दाओ, लाठियां और गुलेल थीं। उन्होंने पुलिस पर पथराव किया, जिसके बाद सुरक्षाबलों ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। मेबो में रनाघाट पुल के पास भी पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई। हिंसा के दौरान सरकारी संपत्तियों और वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। पासीघाट के डीएसपी टोनी तातक के मुताबिक, प्रदर्शनकारी मेबो इलाके से आए थे। भीड़ ने आदि समुदाय के प्रमुख संगठन आदि बाने केबांग के कार्यालय में भी तोड़फोड़ की। पुलिस नुकसान का आकलन कर रही है। विधायक निनोंग एरिंग के अनुसार, रात करीब दो बजे 300 से 400 युवा उनके घर पहुंचे।



कोच्चि में नाबालिग ने मर्सिडीज से स्कूटर को मारी टक्कर, 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

कोच्चि। केरल के कोच्चि में शनिवार देर रात एक तेज रफ्तार मर्सिडीज कार ने स्कूटर को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटर सवार 55 वर्षीय जयबालकृष्णन की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, कार एक एडिशनल सेशन जज के नाम पर पंजीकृत थी और उसे उनका 17 वर्षीय बेटा चला रहा था। हादसा रात करीब 2 से 3 बजे के बीच हुआ। घटना के बाद सामने आए वीडियो में मर्सिडीज कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त दिखाई दिया। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि पुलिस थाने में जब उन्होंने नाबालिग को कार चलाने देने पर सवाल उठाया, तो जज ने उनसे अपमानजनक लहजे में बात की। हादसे में जान गंवाने वाले जयबालकृष्णन करीब 30 साल से अपनी पत्नी मंजू के साथ सड़क किनारे खाने का स्टॉल चला रहे थे। जानकारी के मुताबिक, उन्होंने शनिवार रात चित्तूर मंदिर के पास अपना स्टॉल बंद किया था। वह रोजाना शाम करीब 4 बजे दुकान खोलते थे और वहां डोसा सहित शाकाहारी व्यंजन बेचते थे। जयबालकृष्णन और उनकी पत्नी प्रतिदिन स्कूटी से लगभग 20 किलोमीटर का सफर तय कर दुकान पहुंचते थे। उनकी पत्नी वैरिकोज वेन्स के इलाज के कारण पिछले एक सप्ताह से छुट्टी पर थीं। हादसे के समय जयबालकृष्णन अकेले घर लौट रहे थे, तभी मर्सिडीज कार ने उनकी स्कूटी को पीछे से टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार, किशोर अलुवा में रहता है और अपने माता-पिता की जानकारी के बिना मर्सिडीज-बेंज कार लेकर निकला था। कार वल्लारपदम से कलामस्सेरी की ओर जा रही थी।



मैराथन फ्यूजन का दावा: पारे को सोने में बदला, क्या अब बाजार में बिक सकेगा सोना?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को स्थित स्टार्ट-अप मैराथन फ्यूजन ने दावा किया है कि उसने पारे को सोने में बदलने में सफलता हासिल की है। हालांकि, कंपनी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि प्रयोग के दौरान कुल कितनी मात्रा में सोना तैयार हुआ। इसी वजह से इस उपलब्धि को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि क्या इस प्रक्रिया से इतनी मात्रा में सोना बनाया जा सकता है, जिसे बाजार में बेचा जा सके और जिससे कंपनी को आर्थिक लाभ भी हो। 'द अटलांटिक' के मुताबिक, प्रयोगशाला में सोना बनाने का विचार नया नहीं है। इससे पहले भी वैज्ञानिक प्रयोगों के दौरान सोना तैयार किए जाने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। यूरोप की प्रमुख परमाणु अनुसंधान प्रयोगशाला सीईआरएन ने भी अपने लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर में लेड के कणों की टक्कर के दौरान बेहद मामूली मात्रा में सोना बनाया था। मैराथन फ्यूजन का कहना है कि पारे को सोने में बदलने के मामले में उसकी उपलब्धि सीईआरएन के पिछले रिकॉर्ड से 10 गुना बेहतर है। कंपनी ने यह भी कहा है कि वह सैन फ्रांसिस्को में एक फ्यूजन रिएक्टर बना रही है, जिसका उद्देश्य रिकॉर्ड स्तर पर ऊर्जा पैदा करना है। हालांकि, कंपनी की ओर से सोने की वास्तविक मात्रा और उसकी व्यावसायिक उपयोगिता से जुड़ी जानकारी सामने नहीं आई है। सीईआरएन दुनिया की प्रमुख परमाणु अनुसंधान प्रयोगशालाओं में से एक है। यहां लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर की मदद से ब्रह्मांड के मूलभूत कणों और प्रकृति के नियमों का अध्ययन किया जाता है। इसी प्रयोग के दौरान लेड के कणों की टक्कर से सोने के परमाणु बने थे, लेकिन उनकी मात्रा बेहद कम थी। ऐसे में वैज्ञानिक उपलब्धि और बड़े पैमाने पर सोने का व्यावसायिक उत्पादन दो अलग-अलग बातें हैं।



राजस्थान की 3314 पंचायतों में उपसरपंच चुनाव, कहीं मतगणना पर विवाद तो कहीं पथराव

डूंगरपुर में नामांकन प्रक्रिया के दौरान बीएलओ की तबीयत बिगड़ने से मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान के 16 जिलों की 3314 ग्राम पंचायतों में रविवार को उपसरपंच चुनाव की प्रक्रिया हुई। इन चुनावों में वार्ड पंचों ने मतदान कर उपसरपंचों का चयन किया। चुनावी प्रक्रिया के दौरान कुछ स्थानों पर विवाद और तनाव की घटनाएं भी सामने आईं। डूंगरपुर जिले की डूका ग्राम पंचायत में उपसरपंच के नामांकन के दौरान बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, अलवर में मतगणना को लेकर ग्रामीणों ने विरोध जताते हुए धरना दिया, जबकि बीकानेर में पत्थरबाजी और भीलवाड़ा में नवनिर्वाचित सरपंच के बेटे की कार पर पथराव की घटना हुई। प्रदेश में पहले चरण के पंचायत चुनाव के तहत शनिवार को 16 जिलों में पंच और सरपंच पदों के लिए मतदान हुआ था। मतदान के बाद मतगणना कर परिणाम घोषित किए गए। रविवार को इसी चरण में उपसरपंचों के चुनाव की प्रक्रिया आगे बढ़ी। इन चुनावों में आम मतदाता सीधे मतदान नहीं करते, बल्कि निर्वाचित वार्ड पंच ही अपने बीच से उपसरपंच चुनते हैं। प्रदेश की 3314 ग्राम पंचायतों में 28,682 से अधिक वार्ड पंचों की भागीदारी से उपसरपंच चुने जाने हैं। डूंगरपुर जिले के सीमलवाड़ा क्षेत्र की डूका ग्राम पंचायत में उपसरपंच के नामांकन की प्रक्रिया के दौरान बूथ लेवल ऑफिसर अशोक बारिया की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें सीमलवाड़ा अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनकी मौत का कारण तत्काल सामने नहीं आया। चुनावी प्रक्रिया के दौरान हुई इस घटना से वहां मौजूद लोगों में चिंता का माहौल बन गया। लवर जिले की कठूमर तहसील की गारू ग्राम पंचायत में पंच और सरपंच चुनाव की मतगणना को लेकर विवाद हो गया। मतगणना में गड़बड़ी की आशंका जताते हुए बड़ी संख्या में ग्रामीण मतदान केंद्र के बाहर धरने पर बैठ गए। ग्रामीणों ने मतों की दोबारा गिनती कराने की मांग उठाई और अपनी मांग पूरी होने तक विरोध जारी रखा।ह धरने की सूचना पर एसडीएम श्याम सुंदर मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि जांच में किसी तरह की गड़बड़ी सामने आने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों से रिकाउंटिंग की मांग का ठोस आधार लिखित में देने को कहा, ताकि मामले को आगे भेजा जा सके। हालांकि, ग्रामीण दोबारा मतगणना कराने की मांग पर अड़े रहे। इस दौरान ग्रामीणों और एसडीएम के बीच नोकझोंक भी हुई। भीलवाड़ा जिले के मांडल थाना क्षेत्र की गुढ़ा ग्राम पंचायत में रविवार को नवनिर्वाचित सरपंच अख्तरी के बेटे जुबेर की कार पर कुछ लोगों ने पथराव कर दिया। पत्थर लगने से कार के आगे और साइड के शीशे टूट गए। इस घटना में जुबेर की आंख पर मामूली चोट आई। घटना की सूचना मिलने के बाद मांडल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पंचायत चुनाव की प्रक्रिया के बीच बीकानेर जिले की केला ग्राम पंचायत में पत्थरबाजी की घटना सामने आई। अलग-अलग जिलों में चुनाव से जुड़ी इन घटनाओं के चलते पंचायत चुनाव की प्रक्रिया के दौरान तनाव की स्थिति बनी रही। उपसरपंच का चुनाव सरपंच के चुनाव से अलग प्रक्रिया के तहत होता है। इसमें आम मतदाता सीधे वोट नहीं डालते, बल्कि ग्राम पंचायत के निर्वाचित वार्ड पंच मतदान करते हैं।



अगले हफ्ते 5 कंपनियों के आईपीओ खुलेंगे, 2,600 करोड़ जुटाने की तैयारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। प्राइमरी मार्केट में अगले सप्ताह पांच कंपनियां अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लेकर आ रही हैं। इन कंपनियों की योजना कुल मिलाकर करीब 2,600 करोड़ रुपए जुटाने की है। दिए गए विवरण के अनुसार, आईपीओ 26 से 29 अक्टूबर के बीच खुलेंगे। कंपनियां कारोबार के विस्तार, कार्यशील पूंजी की जरूरतों और कर्ज चुकाने के लिए धन जुटा रही हैं। वहीं, कुछ आईपीओ में मौजूदा प्रमोटर और निवेशक अपनी हिस्सेदारी भी बेचेंगे। एडेलवाइस फाइनेंशियल सर्विसेज की सहायक कंपनी ईएएए इंडिया अल्टरनेटिव्स का आईपीओ 26 अक्टूबर को खुलेगा और 28 अक्टूबर को बंद होगा। कंपनी ने प्रति शेयर 1,585 से 1,665 रुपए का प्राइस बैंड तय किया है। ऊपरी मूल्य पर कंपनी का मूल्यांकन करीब 10,765 करोड़ रुपए होगा। यह पूरी तरह ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) है। यानी इसमें पुराने शेयरधारक अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे और इससे मिलने वाली रकम कंपनी के बजाय शेयर बेचने वालों को मिलेगी। कंपनी के मुताबिक, उसने एंकर निवेशकों से पहले ही करीब 360 करोड़ रुपए जुटाए हैं। वेस्टवॉटर ट्रीटमेंट समाधान उपलब्ध कराने वाली एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज के आईपीओ का आकार करीब 668 करोड़ रुपए है।



60 जिलों के 1,372 केंद्रों पर दो पालियों में हुई परीक्षा, गलत केंद्र पहुंची छात्रा को पुलिसकर्मी बाइक से छोड़ने पहुंचा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में रविवार को प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2026 का पहला दिन रहा। प्रदेश के 60 जिलों में 1,372 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में परीक्षा आयोजित की गई। केंद्रों पर अभ्यर्थियों को एडमिट कार्ड और आधार कार्ड की जांच, बायोमेट्रिक मिलान तथा फेस-रेटिना स्कैन के बाद प्रवेश दिया गया। परीक्षा के दौरान सुरक्षा जांच को लेकर कई केंद्रों से अलग-अलग तस्वीरें सामने आईं। कहीं अभ्यर्थियों के कलावे काटे गए, तो कहीं बालियां, हेयर पिन, पायल और जूते-मोजे उतरवाकर जांच की गई। लखनऊ में जांच के दौरान कुछ छात्राओं के कलावे काटे गए। उनकी कान की बालियां और हेयर पिन भी उतरवाई गईं। वहीं, लड़कों के जूते-मोजे उतरवाकर जांच की गई। कानपुर और बरेली में छात्राओं के बाल खुलवाकर तलाशी ली गई। अलीगढ़ में कुछ महिला अभ्यर्थियों ने पायल और गले की चेन उतारकर परिजनों को सौंप दी। इसके बाद उन्हें परीक्षा केंद्र में प्रवेश मिला। यहां अभ्यर्थियों के रूमाल भी बाहर रखवा लिए गए। मथुरा में कुछ लड़कों ने दांत से कलावा काटा, जबकि उनकी बेल्ट भी उतरवाई गई। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा जांच के दौरान इन प्रक्रियाओं को लेकर अभ्यर्थियों को अलग-अलग स्थितियों का सामना करना पड़ा। कन्नौज में पहली पाली के दौरान एक छात्रा गलती से दूसरे परीक्षा केंद्र पर पहुंच गई। सही केंद्र पर समय से नहीं पहुंच पाने के कारण वह रोने लगी। ड्यूटी पर तैनात एक पुलिसकर्मी ने उसकी परेशानी देखी और उसे बाइक से सही परीक्षा केंद्र तक पहुंचाया। परीक्षा के दौरान केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई। पुलिसकर्मी सादी वर्दी में भी परीक्षा केंद्रों के बाहर गश्त करते रहे। प्रशासन की ओर से परीक्षा को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए निगरानी व्यवस्था रखी गई। रविवार को पहली पाली की परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक हुई, जबकि दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की गई। पीईटी-2026 की अगली परीक्षाएं 30 अक्टूबर और 1 नवंबर को होंगी। इन दोनों दिनों में भी परीक्षा दो-दो पालियों में आयोजित की जाएगी। इस तरह पूरी परीक्षा कुल छह पालियों में संपन्न होगी। प्रयागराज में परीक्षा देकर बाहर निकलीं कुंडा निवासी अभ्यर्थी शिवानी ने बताया कि प्रश्नपत्र का स्तर मध्यम रहा। उनके अनुसार, पेपर न तो बहुत कठिन था और न ही बहुत आसान। सामान्य ज्ञान और समसामयिक घटनाओं से जुड़े सवाल अच्छे थे और पाठ्यक्रम के अनुरूप लगे। शिवानी ने बताया कि पहली पाली की तुलना में इतिहास और उत्तर प्रदेश से संबंधित प्रश्न बेहतर लगे। हालांकि, गणित के डेटा इंटरप्रिटेशन (डीआई) से जुड़े सवालों ने कुछ उलझन पैदा की। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर प्रश्नपत्र उन अभ्यर्थियों के लिए ठीक-ठाक रहा, जिन्होंने तैयारी की थी।



printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.